नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, सोमवार, 30 जून 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 44 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1938: बच्चों का पसंदीदा कार्टून सुपरमैन पहली बार कॉमिक में नजर आया।
1947: भारत के विभाजन की घोषणा के बाद बंगाल और पंजाब के लिए बाउंड्री कमीशन के सदस्यों की घोषणा।
1960: अमेरिका ने क्यूबा से चीनी का आयात बंद करने का फैसला किया।
1990: पूर्वी और पश्चिमी जर्मनी का विलय।

संक्षिप्त समाचार

जंगली हाथी ने ली वृद्ध की जान

कोडरमा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के जयनगर थाना अंतर्गत पिसपीरो गांव में जगली हाथी ने एक वृद्ध को अपना निशाना बनाया है। मृतक की पहचान 55 वर्षीय रविंद्र यादव उर्फ नन्हकू यादव के रूप में की गई है। ग्रामीणों के अनुसार रविंद्र यादव रविवार की सुबह अपने गांव के अन्य लोगों के साथ शौच पर निकला था। इसी बीच धनबाद-गया रेलखंड के यदुडीह हॉल्ट के पास रेलवे लाइन के किनारे एक हाथी ने उसे घेर लिया। जब तक वे वहां से भाग पाते हाथी ने उसे अपने सूंढ़ से पटक दिया और उसे अपने पैरों तले कुचल दिया।

जमीन के चार फीट नीचे मिला बालक का शव

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। जिले के नवडीहा ओपी क्षेत्र अंतर्गत दलागी पुल के नीचे जमीन के 4 फीट अंदर से एक बालक का शव बरामद किया गया है। मृत बालक की उम्र लगभग सात साल बतायी जा रही है। हालांकि अब तक शव की शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। रविवार की सुबह क्षेत्र में यह शोर हुआ कि दलागी पुल के नीचे किसी का शव दफन है। जहां शव दफनाया गया है उसके ऊपर पत्थर भी रख दिया गया है। लोगों ने मामले की सूचना नवडीहा ओपी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही नवडीहा ओपी प्रभारी दीपक कुमार और जमुआ थाना प्रभारी मणिकांत कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों के सहयोग से शव को बाहर निकाला।

जहर खाने से महिला की मौत

रांची(नबिटा ब्यूरो)। ओरमांझी थाना क्षेत्र के आनंदी गांव निवासी सिद्धार्थ कुमार की पत्नी संगीता देवी की जहर खाने से मौत हो गई। बताया जाता है कि संगीता की तबीयत बिगड़ने पर ससुराल वाले उसे रिम्स ले गए जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। इस मामले में संगीता के पिता देवनंदन साहू ने दामाद सिद्धार्थ, ससुर गनपत साहू, सास विलासो देवी, ननद सोनी देवी और मुनकी देवी के खिलाफ पुत्री को जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। उन्होंने थाना में दर्ज प्राथमिकी में बताया कि 25 जून को फोन कर संगीता ने कहा था कि ये लोग मेरी हत्या कर देंगे।

झारखंड में 2 जुलाई तक भारी बारिश की संभावना

रांची (नबिटा ब्यूरो)। मौसम विभाग ने झारखंड के कई जिलों में भारी बारिश होने का रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग की चेतावनी के मद्देनजर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रविवार को आपदा प्रबंधन विभाग और जिला प्रशासन के अधिकारियों को अलर्ट रहने को कहा है। आईएमडी ने 1 जुलाई तक झारखंड के कुछ हिस्सों में बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी करते हुए 'रेड' अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के एक अधिकारी ने कहा कि झारखंड की राजधानी रांची में रविवार सुबह से हल्की से मध्यम बारिश हो रही है और 2 जुलाई की सुबह तक भारी बारिश होने की संभावना है।

पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के बाद भगदड़, तीन की मौत, 50 घायल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भुवनेश्वर। ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के बाद रविवार तड़के करीब 4 बजे भगदड़ मच गई। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 घायल हो गए। घायलों में छह की हालत गंभीर है। हादसा जगन्नाथ मंदिर से करीब 3 किमी दूर गुंडिचा मंदिर के सामने हुआ। यहां भगवान जगन्नाथ के नंदीघोष रथ के दर्शन करने के लिए भारी भीड़ जुटी थी, इसी दौरान भगदड़ मची। सीएम मोहन चरण माझी ने घटना पर माफी मांगी है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'मैं और मेरी सरकार भगवान जगन्नाथ के सभी भक्तों से व्यक्तिगत रूप से क्षमा मांगते हैं। यह लापरवाही माफ करने लायक नहीं है।' इसके बाद राज्य सरकार ने पुरी के कलेक्टर और एसपी का तबादला कर दिया। चंचल राणा को नया कलेक्टर और पिनाक मिश्रा को नया एसपी बनाया गया है। साथ ही डीसीपी और कमांडेंट को निलंबित कर दिया गया है। पुरी की रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथों को उनकी मौसी के घर गुंडिचा मंदिर के सामने 9 दिन के लिए खड़ा कर दिया जाता है। यहां बलभद्र और सुभद्रा के रथ पहले पहुंच चुके थे। जगन्नाथ रथ बाद में पहुंचा जिससे लोगों में उसके दर्शन करने की होड़ लग गई। इसी दौरान भगदड़ मची जिसमें गिरने से कई लोग कुचल गए। बताया जा रहा है कि घटना के समय वहां पर्याप्त पुलिस बल तैनात नहीं था। हादसे में मारे गए लोगों के नाम बसंती साहू (36), प्रेमकांति महांति (78) और प्रभाती दास हैं। इनके शव पुरी मेडिकल कॉलेज में रखे गए हैं। इससे पहले शुक्रवार 27 जून को देवी सुभद्रा के रथ के आसपास भीड़ का दबाव बढ़ने से 625 से ज्यादा श्रद्धालुओं की तबीयत बिगड़ गई थी। प्रशासन के मुताबिक 70 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इनमें से 9 की हालत गंभीर बताई जा रही है।

भागलपुर से होगी भारत गौरव एक्सप्रेस ट्रेन की शुरुआत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। दक्षिण भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों पर भ्रमण करने के उद्देश्य से चर्चित भारत गौरव एक्सप्रेस चलने का फैसला लिया गया है जो बिहार और झारखंड सहित अनेक राज्यों के लोगों को दक्षिण भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों तक ले जाएगी। भागलपुर स्टेशन से इस भारत गौरव एक्सप्रेस की शुरुआत होगी और 12 दिवसीय यात्रा के तहत यात्रियों को तिरुपति, रामेश्वर, मदुरई, कन्याकुमारी और मल्लिकार्जुन के दर्शन करवायेगी। आईआरसीटीसी की इस विशेष पर्यटक ट्रेन के द्वारा भक्तों को दक्षिण भारत के कुछ सबसे प्रतिष्ठित मंदिरों और पवित्र स्थानों पर दिव्य उपस्थिति का अनुभव करने और आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होगा। इस ट्रेन में भागलपुर, जसीडिह, मधुपुर, बराकर, धनबाद, बोकारो, मुरी, रांची, राउरकेला, झारसुगुडा, चाम्पा, बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग सहित कई बोर्डिंग और डिबोर्डिंग पॉइंट शामिल हैं। इस भारत गौरव ट्रेन में स्लीपर क्लास (इकोनॉमी) की 640 सीटों की व्यवस्था की गई है जबकि तृतीय वातानुकूलित श्रेणी में 70 सीटें हैं। भारत गौरव यात्रा की टिकट लेने वाले यात्रियों को रेल यात्रा के साथ-साथ सड़क यात्रा, भोजन (चाय, नाश्ता, लंच, डिनर), डबल/ट्रिपल शेयरिंग के आधार पर आरामदायक और साफ आवास (इकोनॉमी के लिए नॉन-एसी, स्टैंडर्ड और कम्फर्ट क्लास के लिए एसी), बसों द्वारा स्थानांतरण और दर्शनीय स्थलों की यात्रा, ऑनबोर्ड टूर एस्कॉर्ट, हाउसकीपिंग, सुरक्षा और पैरामेडिकल स्टाफ की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। यह यात्रा आराम और सुरक्षा के साथ कई तीर्थों के दर्शन और आध्यात्मिक पूर्ति प्राप्त करने का एक अद्वितीय मौका प्रदान करती है - वो भी किफायती कीमत पर। बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ राज्यों के जो लोग इस यात्रा के भागीदार बनना चाहते हैं वह आईआरसीटीसी के कोलकाता और रांची कार्यालय या अधिकृत एजेंटों के माध्यम से भी बुकिंग कर सकते हैं।

ग्राम प्रधान की हत्या, घर में घुसे लुटेरों ने मार दी गोली

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

खूंटी। जिले के लांदुप पंचायत के काड़ेतुबिद गांव देर रात दर्जनों अपराधियों के दहशत के साये में रहा। गांव के ग्राम प्रधान को पहले लाठी-डंडे से अपराधियों ने पीटा और फिर गोली मारकर हत्या कर दी। बता दें कि ग्राम प्रधान को पिटता देख उसका भांजा आचू मुंडा बचाने निकला लेकिन अपराधियों ने उसपर भी जानलेवा हमला कर उसे घायल कर दिया। घायल का इलाज अस्पताल में चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार देर रात तेज बारिश हो रही थी और बलराम मुंडा अपने घर में थे। इसी दौरान दर्जनों हथियारबंद अपराधी उनके घर में घुसे और बलराम मुंडा पर सभी टूट पड़े। लाठी-डंडे से पीटा और गोली मारकर उसकी बेरहमी हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि अपराधी लगभग आधा घंटा तक घर में रहे और इस दौरान न केवल हमला किया बल्कि घर में रखे धान के बोरे फाड़ दिए और अन्य सामानों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। वारदात की जानकारी पुलिस को देर रात ग्रामीणों ने दी। सूचना पर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। जांचोपरांत शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार वारदात की सूचना पर पुलिस ने पूरे सड़क मार्ग पर चेकिंग शुरू कर दी। 10 लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। डीएसपी वरुण रजक ने हत्याकांड की पुष्टि करते हुए बताया कि मामला गंभीर है और जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि ग्राम प्रधान की ठेकेदारी से संबंधित विवाद के कारण हत्या की गई है। हालांकि उन्होंने बताया कि परिजनों ने पुलिस को बताया कि देर रात अपराधी उनके घर डकैती करने पहुंचे थे। घुसे अपराधियों को लूटपाट करने से बलराम मुंडा मना कर रहे थे, उसी दौरान उनपर हमला किया गया। उन्होंने बताया कि हत्याकांड की जांच की जा रही है और 10 लोग हिरासत में हैं। जल्द ही पूरे हत्याकांड का खुलासा होगा।

ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चतरा। जिले के गिद्धौर पुलिस ने 285 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों में थाना क्षेत्र के गिद्धौर गांव निवासी राजेश कुमार साव के पुत्र अभिमन्यु कुमार साव और प्रतापपुर थाना क्षेत्र के नौकाडीह गांव निवासी सुनील साव के पुत्र नितेश कुमार उर्फ त्रिवेणी शामिल हैं। तस्करों के पास से ब्राउन शुगर के अलावा एक इलेक्ट्रॉनिक माप-तौल मशीन और पांच मोबाइल बरामद किये गये हैं। एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने आज रविवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सूचना मिली थी कि गिद्धौर फुटबॉल मैदान के पास तीन लोग ब्राउन शुगर व अफीम की खरीद-बिक्री करने वाले हैं। सूचना के आधार पर सिमरिया एसडीपीओ शुभम कुमार खंडेलवाल के नेतृत्व में छापामारी टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मैदान में छापामारी की। इस दौरान 286 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया। हालांकि सप्लायर मौके से फरार हो गया। फरार सप्लायर जिले का एक बड़ा पैडलर है। उसी के द्वारा गिरफ्तार तस्करों को ब्राउन शुगर चौपारण पहुंचाने के लिए दिया गया था। गिरफ्तार दोनों तस्करों का आपराधिक इतिहास रहा हैं। दोनों पूर्व में जेल जा चुके हैं। इछापामारी टीम में सिमरिया एसडीपीओ के अलावा गिद्धौर थाना प्रभारी कुमार गौतम, पुलिस अवर निरीक्षक अशोक कुमार पांडेय, सुनील कुमार सिंह व कई जवान शामिल थे।

बारिश से पुल क्षतिग्रस्त नदी में बही बाइक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लातेहार। शनिवार शाम से हुई मूसलाधार बारिश ने जमकर तबाही मचाई है। भारी बारिश के कारण कई ग्रामीणों का संपर्क जिला मुख्यालय से पूरी तरह टूट गया है। इस दौरान लगातार हो रही बारिश की वजह से बरवाडीह के कुटमू में बड़का पुल टूट गया। दरअसल, शनिवार शाम से अचानक मौसम का मिजाज बदला और जोरदार बारिश होने लगी। बारिश इतनी तेज थी कि एक घंटे के भीतर ही नदियों का पानी उफान पर पहुंच गया। कई नदियों का पानी तो पुल के ऊपर से बहने लगा था। इधर मनिका प्रखंड के बरवैया से सधवाडीह भदई बथान-बजरमारी मनिका रोड में भी नदी का पानी पुलिया के ऊपर से बहने लगा। इस दौरान एक युवक मोटरसाइकिल पर सवार होकर पुलिया को पार कर रहा था तभी उसका संतुलन बिगड़ा और उसकी बाइक नदी के तेज बहाव में बह गई। हालांकि मोटरसाइकिल सवार युवक को सुकरी नदी में डूबने से बचा लिया गया। जब अगले दिन बारिश कम हुई तो स्थानीय ग्रामीणों की मदद से नदी में फंसी बाइक को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाल लिया गया। तेज बारिश के कारण बरवाडीह के सरायडीह पोखरी मार्ग में कुटमू स्थित बड़का पुल क्षतिग्रस्त हो गया जिसके कारण दर्जनों गांव का आवागमन बाधित हो गया। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि एक घंटे के अंतराल में इतनी जोरदार बारिश हुई कि लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। नदी में पानी का प्रवाह इतना तेज हो गया कि देखते-देखते पुल का एक भाग टूट गया। ग्रामीणों ने बताया कि एक दर्जन से अधिक गांव इससे प्रभावित हुए हैं क्योंकि इस पुल के माध्यम से ही प्रखंड मुख्यालय तक जाने का एकमात्र रास्ता था। इधर, जोरदार बारिश के बाद लातेहार के सुकरी नदी में भी बाढ़ आ गई। नदी में बाढ़ आने के कारण जारम, माराबार, पवही, सोहदाग और हेसलबार समेत एक दर्जन से अधिक गांव पूरी तरह टापू में बदल गए हैं। इन गांवों तक जाने के लिए रास्ते में दो नदियों को पार करना पड़ता है लेकिन नदियों में पुल नहीं रहने के कारण लोगों को नदी के पानी से होकर गुजरना पड़ता है। नदी में बाढ़ आ जाने से ग्रामीण पूरी तरह गांव में फंस गए हैं। हालांकि सोहदाग गांव को सड़क से जोड़ने के लिए पुल का निर्माण किया जा रहा है। मूसलाधार बारिश के कारण वर्षा का पानी नदियों पर बने पुल के ऊपर से बहने के कारण लोग परेशान रहे। वही मनिका में पुल के ऊपर से बह रहे पानी को पार करने के दौरान, एक बाइक पानी के तेज बहाव में बह गई जिसके बाद ग्रामीणों ने मिलकर अगला दिन नदी में फंसी मोटरसाइकिल को ढूंढ लिया।

गिरिडीह में खुलेगा सर जेसी बोस यूनिवर्सिटी : सुदिव्य

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। झारखंड के उच्च शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने रविवार को गिरिडीह में आयोजित एक कार्यक्रम में जिले के लिए की बड़ी घोषणाएं कीं। उन्होंने सर जेसी बोस यूनिवर्सिटी, महिला शिक्षा के लिए स्टेट ऑफ आर्ट सेंटर और इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि गिरिडीह जिले के बच्चों को अब उच्च शिक्षा के लिए राजधानी रांची या हजारीबाग नहीं जाना होगा। झारखंड सरकार के मंत्री ने कहा कि 3 साल में सर जेसी बोस यूनिवर्सिटी बनकर तैयार हो जायेगा और गिरिडीह के बच्चे उस विश्वविद्यालय में पढ़ाई शुरू कर देंगे। उन्होंने कहा कि गिरिडीह जिला शिक्षा के क्षेत्र में एक अग्रणी जिला बनेगा। उनका भी सीना चौड़ा होगा, जब कोई रांची में कहे कि गिरिडीह का बच्चा स्टेट टॉपर बना है। मंत्री ने यह भी कहा कि महिलाओं के लिए जोगीटांड़ में 20 एकड़ के कैंपस में स्टेट ऑफ आर्ट सेंटर का निर्माण होगा जिसमें बेटियां पढ़ाई कर पायेंगी। इतना ही नहीं मंत्री ने कहा कि 3 साल में गिरिडीह जिले में एक इंजीनियरिंग कॉलेज भी बनकर तैयार हो जायेगा। उन्होंने गिरिडीह में स्टेट ऑफ आर्ट लाइब्रेरी बनाने की भी बात कही। कहा कि साल-डेढ़ साल में इसका निर्माण पूरा हो जायेगा और बच्चे यहां से निःशुल्क किताबें ले सकेंगे। यहां पढ़ाई कर सकेंगे। उच्च सिक्षा मंत्री ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ पर्यटन पर भी सरकार का ध्यान है। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव के साथ उनकी पर्यटन पर बैठक है। गिरिडीह में कई पर्यटन क्षेत्र हैं लेकिन आने वाले दिनों में इसे और कैसे विकसित किया जाये। अग्रणी पर्यटन क्षेत्र कैसे बनाया जाये, इस पर विचार होगा। उच्च शिक्षा मंत्री ने बच्चों को नसीहत दी कि वे पढ़ने के लिए किताब के आगे सिर झुकायें। जिंदगी भर उनका मस्तक ऊंचा रहेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा जीवन भर इंसान के साथ रहता है। इसलिए अगर जमाना रूठ भी जाये तो कोई बात नहीं, अपनों को खुश रखिये।

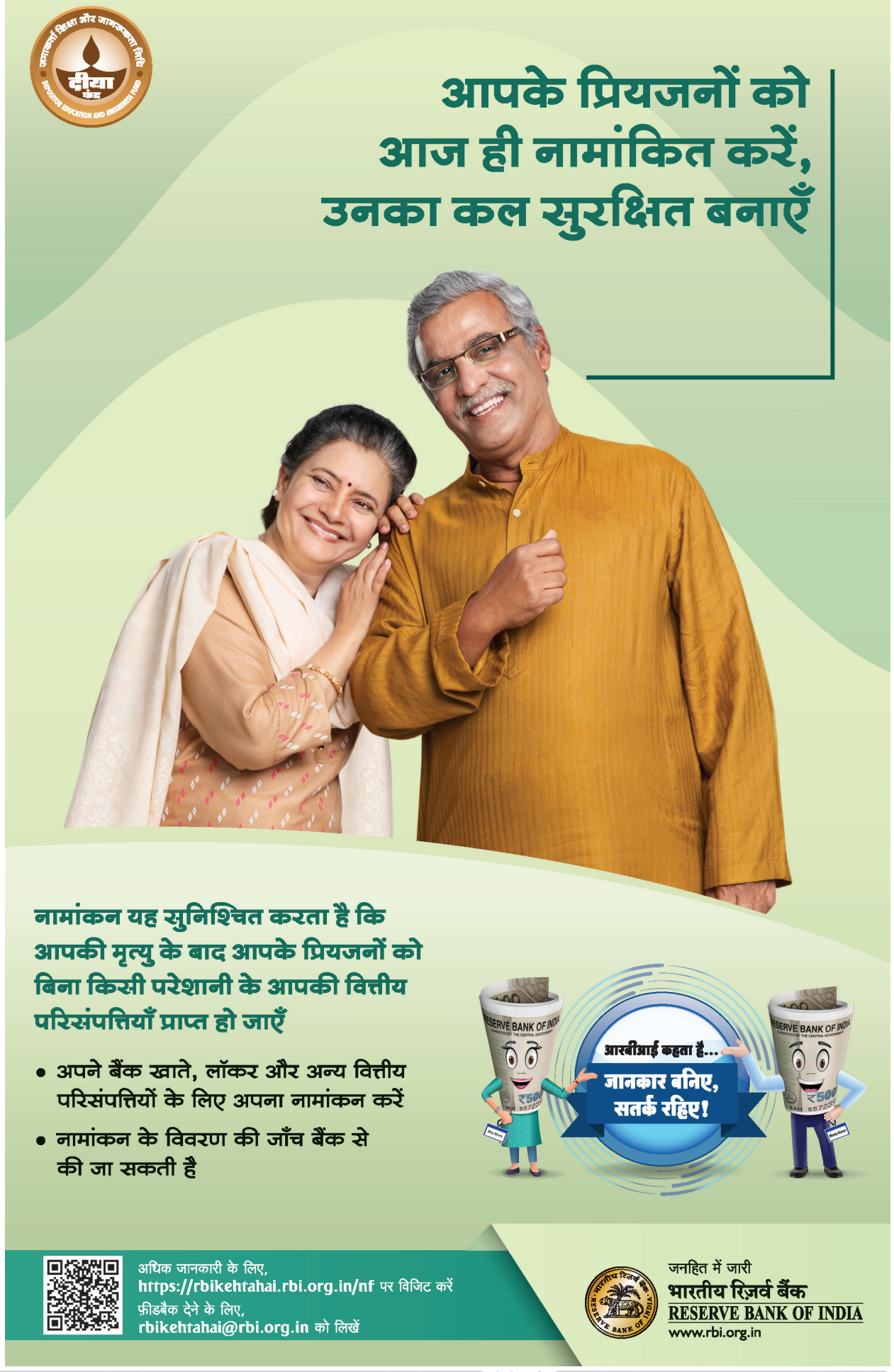

संक्षिप्त समाचार

शिवालय की नाली के लिए लोगों ने जुटाया चंदा, सावन को लेकर निर्माण कार्य जारी

- नगर परिषद ने नहीं सुनी मांग

बक्सर, एजेंसी। बक्सर के पुराना भोजपुर में स्थानीय लोगों ने नाली निर्माण के लिए खुद पहल की है। नगर परिषद से बार-बार अनुरोध करने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होने पर लोगों ने चंदा इकट्ठा करके काम शुरू करवाया है। सावन का महीना नजदीक है। इस दौरान शिवालय में हजारों भक्तों के आने की संभावना है। स्थानीय निवासियों ने नगर परिषद और जनप्रतिनिधियों से कई बार नाली निर्माण का अनुरोध किया। लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। लोग दिन में अपने कामों में व्यस्त रहते हैं। इसलिए नाली का निर्माण कार्य आधी रात को कराया जा रहा है। वार्ड पार्षद पवन गोंड ने बताया कि नगर परिषद कार्यालय से फिलहाल कार्यादेश रोका गया है। उन्होंने कहा कि कार्यपालक पदाधिकारी से जरूरी योजनाओं का वर्क आर्डर जारी करने की मांग की जाएगी।

मुसहरी टोला कुशहा की प्रधानाध्यापिका का स्थानांतरण

- बेलारी सुल्तानगंज ट्रांसफर, ग्रामीणों ने किया सम्मान

बांका, एजेंसी। बांका के एनपीएस मुसहरी टोला कुशहा की प्रधानाध्यापिका बीबी फाकरा अंगूरी का स्थानांतरण मध्य विद्यालय बेलारी सुल्तानगंज में हो गया है। विद्यालय में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन ग्रामीणों द्वारा किया गया। पंचायत समिति सदस्य धनंजय मांझी ने कार्यक्रम में बीबी फाकरा के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानाध्यापिका ने हमेशा छात्र-छात्राओं के प्रति संवेदनशील रवैया अपनाया। सहकर्मी शिक्षकों ने भी अपने विचार रखे और स्थानांतरित शिक्षिका के योगदान को याद किया। समारोह में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। चंदन प्रसाद सिंह सहित कई ग्रामीण भी मौजूद थे। भावनात्मक माहौल में ग्रामीणों ने प्रधानाध्यापिका को विदाई दी।

लोग बोले- उपाय नहीं हुआ तो गांव छोड़ना होगा

बागमती नदी के कटाव से 30 परिवार में दहशत : 10 दिनों में 30 फीट जमीन पानी में समाया

समस्तीपुर, एजेंसी। मानसून शुरू होते ही नेपाल से निकलकर सीतामढ़ी के रास्ते समस्तीपुर पहुंचने वाली बागमती नदी ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। कल्याणपुर प्रखंड के नामापुर गांव में पिछले 12 दिनों के दौरान नदी की धारा ने करीब 30 फीट भूमि का कटाव किया है। नापापुर पंचायत के वार्ड-7 के घरों से मात्र 20 मीटर की दूरी पर नदी का बहाव पहुंच गया है। अगर जल्द प्रोटेक्शन काम शुरू नहीं हो पाया तो इस वार्ड के दर्जनों घर व मुख्य सड़क नदी में विलीन हो जाएंगे। गांव के छेदी सहनी नदी की ओर इशारा करने हुए बताते हैं कि करीब 10 साल पहले बागमती की धारा में उनका पुस्तैनी घर विलीन हो गया था। जहां घर में बच्चे खेलते थे, घर का खाना बनता था, वो जगह अब नदी में समा गई है।

पुस्तैनी घर विलीन होने के बाद ढाई लाख रुपए में एक कठ?ठा जमीन खरीद का मकान बनाया। अब एक बार फिर से नदी की धारा कटाव करती हुई घर से महज 20 मीटर दूर पहुंच गई है। अब कटाव हुआ तो गांव ही छोड़ना पड़ेगा। नामापुर के छेदी सहनी ही एक अकेले नहीं है जिनके घर पर कटाव का खतरा मंडरा रहा है। इनके अलावा निवास राय, शंभू राय, कैलाश राय, अमरेश ठाकुर, चंचल राय जैसे 30 से अधिक घर नदी के निशाने पर हैं, जो कभी भी नदी में कटाव की भेंट चढ़ सकती है।

गांव की ओर क्यों शुरू हुआ नदी का कटाव?

गांव के नीरज महतो बताते हैं कि नामापुर में नदी पर पुल का निर्माण शुरू हुआ तो गांव के लोगों को खुशी का ठिकाना नहीं रहा। लोगों को लगा पुल के बनने से यह गांव समस्तीपुर और दरभंगा से सीधा जुड़ जाएगा। जिससे पिछड़े इस गांव में विकास के नए द्वार खुलेंगे। लेकिन पुल निर्माण एजेंसी की ओर से पुल निर्माण को लेकर गांव की ओर से ही मिट्?टी का कटाव कर दिया गया। नदी के दूसरे छोड़ पर बांस और झाड़ी आदि को प्रोटेक्शन वॉल बनाया गया, जिससे नदी की धार मुख्य धारा से अलग गांव की ओर मुड़ गई है, जिससे गांव की कटाव तेज हो गया है। कटाव की जो रफ्तार है, उससे लगा रहा है कि 10 से 15 दिनों के अंदर वार्ड 7 व 9 के कई घर कटाव की भेंट चढ़ जाएंगे। सड़क भी विलीन हो सकता है। उन्होंने कहा कि विभाग को चाहिए कि नया निर्माणाधीन पाया के पास से आगे करीब 100 मीटर तक बांस व झाड़ी का प्रोटेक्शन बनाया जाय। इससे तत्काल कटाव रुक सकता है। साथ सरकार कटाव से बचने के लिए स्थायी व्यवस्था में करे। ताकि भविष्य में होने वाले कटाव को रोका जा सके।

प्रशासन के प्रति लोगों में नाराजगी

गांव के शिवजी सहनी का कहना है कि नदी के कटाव को देखते हुए स्थानीय सीओ के साथ ही स्थानीय विधायक व फ्लड कंट्रोल को भी सूचना दी गई। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। एक दिन पहले फ्लड विभाग के अधिकारी आकर चले गए। कटाव रोकने का कोई उपाय नही किया। विधायक बोले कि गांव में ही आकर देखेंगे। गांव के लोग टकटकी लगाए बैठे हैं।

बाढ़ प्रमंडल के अभियंताओं को दिए निर्देश

स्थानीय विधायक व सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री महेश्वर हजारी ने कहा कि गांव के लोगों की ओर से टेलिफोनिक जानकारी दी गई है। जिसके बाद व कटाव स्थल देखने के लिए गए थे। बाढ़ प्रमंडल के अभियंताओं को आवश्यक निर्देश दिए हैं। गांव को बचाने के लिए जो उपाय बन सकेगा उस पर काम कराएंगे।

कटाव स्थल का हुआ निरीक्षण

समस्तीपुर बाढ़ प्रमंडल के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर शशि सिन्हा ने कहा कि कटाव स्थल का निरीक्षण किया गया है। विशेषज्ञ को भेजा जा रहा है। रिपोर्ट के आधार पर प्रोटेक्शन काम शुरू किया जाएगा। भविष्य में कटाई से बचने के लिए स्थायी व्यवस्था भी की जाएगी।

आरपीएफ बैरक और कंट्रोल ऑफिस का उद्घाटन : पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक पहुंचे समस्तीपुर

कहा- मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी रेलखंड का होगा दोहरीकरण

समस्तीपुर, एजेंसी। पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह शनिवार देर शाम समस्तीपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने डीआरएम कार्यालय स्थित नव-निर्मित मॉडर्न स्टेट-ऑफ-द-आर्ट कंट्रोल ऑफिस, आरपीएफ बैरक व स्टाफ रेस्ट हाउस का उद्घाटन किया। डीआरएम ने कहा कि समस्तीपुर मंडल के विस्तृत रेल नेटवर्क की प्रभावी निगरानी और नियंत्रण के लिए जरुरी था। यह नया कार्यालय आधुनिक तकनीक से लैस है, जिससे परिचालन संबंधी काम की दक्षता में बढ़ोतरी होगी और संरक्षा के स्तर को और भी सुदृढ़ किया जा सकेगा। स्टाफ रेस्ट हाउस और आरपीएफ के लिए जानकी महिला बैरेक का भी उद्घाटन किया । स्टाफ रेस्ट हाउस के बन जाने से अब बाहर से आने वाले कर्मचारियों को रहने में आसानी होगी। साथ ही महिला आरपीएफ बैरक के बन जाने से महिला आरपीएफ कर्मियों को काफी सुविधा हो जाएगी।

रेल खंड का होगा दोहरीकरण : महा प्रबंधक ने कहा कि लगातार ट्रेनों की संख्या बढ़ रही है। कोसी ब्रिज पर भी ट्रेनों की संख्या बढ़ी है। फर्स्ट फेज में मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी के अलावा समस्तीपुर, खगड़िया रेलखंड का दोहरीकरण का काम कराया जाएगा। महाप्रबंधक की ओर से मंडल के ग्रेड पे 1 से 4 तक के कर्मियों की 10वीं, 11वीं और 12वीं की कक्षा में अध्ययनरत बच्चियों को टैब प्रदान किया गया। पूरे मंडल में कुल 162 बच्चियों को टैब दिया गया है।

डिजिटल इंटरनेशनल लाइब्रेरी का उद्घाटन छात्र-छात्राओं को मिलेगा फ्री में सुविधा

लॉकर और इंटरनेट भी मिलेगा मुफ्त

आरा, भोजपुर, एजेंसी। आरा शहर के करमन टोला, राजेन्द्र नगर स्थित यूनियन बैंक के उपर दूसरे तल्ले पर शनिवार को ए श्री इन्टरनेशनल डिजिटल लाइब्रेरी का शुभारंभ किया गया। जिसका उद्घाटन जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोरंजन कुमार झा ने किया। मुख्य अतिथि प्रभारी कुलपति प्रोफेसर अवध बिहार सिंह, संकाया अध्यक्ष वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय राकेश कुमार मिश्र, अति विशिष्ट अतिथि नागेश्वर दुबे, पद्म श्री डॉ. भीम सिंह भवेश सहित अन्य रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन कर्ता मनोरंजन कुमार झा जिला और सत्र न्यायाधीश को कार्यक्रम के आयोजक अमरेन्द्र चौबे ने फुलमाला, अंगवस्त्र और बुके से सम्मानित किया। मनोरंजन कुमार झा ने कहा कि डिजिटल युग में डिजिटल लाइब्रेरी का आज शुभारंभ आयोजक अमरेन्द्र चौबे ने किया। शिक्षा के क्षेत्र में छात्रों के लिए बहुत ही सराहनीय पहल है। आज जहां मोबाइल या विभिन्न उपकरणों से छात्रों की एकाग्रता कम हो गई, वहां इस प्रकार का एकांत उनकी एकाग्रता में वृद्धि करने में सहायक होगा। जो उन्हें उत्तम परिणाम की तरफ अग्रसर करेगा। समाज गरीब वर्ग और निचले वर्ग के उत्थान और सहयोग के लिए लाइब्रेरी प्रबंधन द्वारा विशेष सुविधा प्रदान करने के लिए प्रेरित किया गया।

डिजिटल लाइब्रेरी से बचे

मुख्य अतिथि राकेश मिश्रा ने कहा कि इस डिजिटल लाइब्रेरी से बचे। ज्यादा से ज्यादा अध्ययन कर बड़े-बड़े पदों पर जाएंगे और हमारे शहर का नाम रोशन हो सके। कार्यक्रम के आयोजक अमरेन्द्र चौबे को साधुवाद दिया कार्यक्रम के आयोजक अमरेन्द्र चौबे ने कहा कि इस डिजिटल लाइब्रेरी को शिक्षा क्रांति के रूप में लिया है। आज के इस डिजिटल और इंटरनेट की दौर में शिक्षा को सुलभ करने का आसान तरीका अपनाया है और मेहनती छात्र छात्राओं के लिये लाइब्रेरी का दरवाजा चौबीस घंटे खुला है। साथ ही साथ फ्री इंटरनेट सुरक्षा की गारंटी, छात्र- छात्राओं के लिए अलग-अलग बैठने की व्यवस्था सहित सभी को पर्सनल लॉकर सहित ऋह पानी की व्यवस्था उपलब्ध कराया गया हैं।

एनएचएआई और भू-अर्जन के खाते से करोड़ों की फर्जी निकासी कर गेमिंग कंपनी में लगाया, ईओयू ने कसा शिकंजा

पटना, एजेंसी। एनएचएआई और भू-अर्जन के खाते से 31.93 करोड़ की फर्जी निकासी मामले में नया खुलासा हुआ है। ईडी की जांच में जानकारी मिली है कि यह राशि विदेश की गेमिंग कंपनियों में निवेश की गयी। नये खुलासे के बाद ईडी पटना के क्षेत्रीय कार्यालय की अनुशंसा पर आरोपी कोटक महिंद्रा बैंक के तात्कालिक मैनेजर सुमित, उसके परिचित शशिकांत व अन्य के खिलाफ आर्थिक अपराध इकाई में मनी लॉन्ड्रिंग का नया मामला दर्ज किया गया है। आधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी से एनएचएआई और पटना जिला भू-अर्जन कार्यालय के बैंक खाते से करोड़ों की फर्जी निकासी का मामला 2019 का है, खुलासा 2021 में हुआ। मामले में आरा निवासी और संबंधित बैंक के मैनेजर सुमित कुमार और अन्य के खिलाफ पटना के गांधी मैदान थाने में मामला दर्ज हुआ। गबन के इस मामले की जांच ईओयू ने की और चार्जशीट दाखिल की। इस बीच मनी लॉन्ड्रिंग की जानकारी मिलने पर ईडी ने जांच शुरू की तो पता चला कि गबन की यह राशि विदेश की गेमिंग कंपनी में निवेश की गयी। राशि को दक्षिण अफ्रीका की गेमिंग कंपनी बिटवे और फिलिपिंस की गेमिंग कंपनी 12 बेट के 21 अलग-अलग खातों में निवेश किए जाने का पता चला है। अब ईओयू मनी लॉन्ड्रिंग सहित धन शोधन के विभिन्न कानूनों के तहत इस मामले की जांच करेगी।

ढोली और कर्पूरीग्राम में बढ़ेगी प्लेटफॉर्म की लंबाई व ऊंचाई

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। सोनपुर डीआरएम विवेक भूषण सूद और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक रौशन कुमार ने शनिवार को ढोली व कर्पूरीग्राम स्टेशनों का औचक निरीक्षण किया। यात्रियों को उपलब्ध सुविधाओं को देखा। निरीक्षण के बाद डीआरएम ने दोनों स्टेशनों के प्लेटफॉर्म की ऊंचाई और लंबाई बढ़ाने का निर्देश इंजीनियरिंग व कंस्ट्रक्शन विभाग के अधिकारियों को दिया। इसके अलावा प्लेटफॉर्म पर यात्रियों के बैठने के लिए पर्याप्त छायादार जगह तैयार करने, दिव्यांग यात्रियों के लिए रैम्प, साइनेज बोर्ड लगाने का निर्देश दिया। इससे पहले डीआरएम ने दोनों स्टेशनों पर यात्री

बोरे में बंद मिला युवती का नरकंकाल : खगड़िया पुलिस ने पानी भरे गड्ढे से किया बरामद

खगड़िया, एजेंसी। खगड़िया में पानी से भरे गड्ढे से बोरे में बंद युवती का नरकंकाल बरामद हुआ है। घटना मड़ैया सहायक थाना क्षेत्र के बहरखाल बहियार की है। कुछ किसान अपने खेत में फसल देखने गए थे, उन्हें पानी से भरे गड्ढे में बोरा तैरता दिखा। एक कुत्ता उस बोरे से हड्डियों को निकालकर नोच-नोच कर खा रहा था, जिससे किसानों को शक हुआ। किसानों ने तत्काल इसकी सूचना मड़ैया पुलिस को दी, और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बोरे को बाहर निकलवाया। पुलिस का मानना है कि शव को गड्ढे में फेंकने से पहले टुकड़ों में काटा गया था। इन टुकड़ों को साड़ी में लपेटकर और लगभग 20 ईंट बांधकर डुबोया गया था। शव को जल्दी गलाने के लिए चूना भी डाला गया था, जिससे यह पता चलता है कि हत्यारों ने सबूत मिटाने की कोशिश की।

ऑनर किलिंग का मामला

मड़ैया थानाध्यक्ष मोहम्मद फिरदौस ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह ऑनर किलिंग का मामला प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने आसपास के सभी थाना क्षेत्रों को लापता व्यक्तियों से संबंधित मामलों की जानकारी देने के लिए सूचित किया है, ताकि शव की शिनाख्त हो सके।

जांच में जुटी एफएसएल : एफएसएल की टीम ने मौके से सभी नरकंकाल को अपने कब्जे में ले लिया, जिसे फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। वहीं गोगरी एसडीपीओ रमेश कुमार ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन की। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

3 महीने पहले खरीदी स्कूटी, खराब हुई तो शोरूम जला डाला

औरंगाबाद, एजेंसी। औरंगाबाद में स्कूटी खराब होने से नाराज युवक के परिजन ने शोरूम में आग लगा दी। आग में ओमकार इंटरप्राइजेज पूरी तरह से जल गया। शोरूम में रखी 36 ई-स्कूटी समेत पूरा सामान जलकर राख हो गया। शोरूम के मालिक अशोक कुमार सिंह सत्येंद्र को करीब 50 लाख का नुकसान हुआ है। मामला एनएच-19 हसौली मोड़ के पास का है। अशोक कुमार का कहना है कि- 25 जून को इस्लाम टोली के रहनेवाले विष्णु शरण अपनी खराब स्कूटी लेकर आए थे। उन्होंने 31 मार्च को स्कूटी खरीदी थी। गाड़ी में वायरिंग की समस्या थी। हम लोगों ने 27 जून को स्कूटी ठीक कर उन्हें सौंप दी। जिसके बाद विष्णु के परिजन प्रेम कुमार शोरूम आए और मारपीट करने लगे। मेरे दाहिने हाथ की उंगली तोड़ दी। हमलावरों ने कट्टा दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। शोरूम में आग लगाने की बात कही। जाते-जाते कहा कि पता कर लेना मैं साइको हूं। युवक के परिजन ने शुक्रवार 27 जून की सुबह धमकी दी थी कि शोरूम में आग लगा देंगे। शाम में जब शोरूम बंद हो गया तो आरोपियों ने आग

लगा दी। उस समय करीब 8 बज रहे होंगे। शनिवार को अशोक कुमार सिंह सत्येंद्र ने नगर थाने में आवेदन दिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रेम को गिरफ्तार कर लिया है।

3 महीने में 2 बार खराब हुई थी स्कूटी : शोरूम मालिक के अनुसार, 31 मार्च को विष्णु शरण ने 40 हजार में ई-स्कूटी खरीदी थी। 3 महीने में दो बार स्कूटी खराब हुई थी। एजेंसी संचालक के अनुसार स्कूटी का स्पीड लिमिट 27 किलोमीटर प्रति घंटा है। लेकिन कंपनी के नॉर्म्स का पालन नहीं किया जाता था। स्कूटी के बैटरी से जुड़ी तार में समस्या आई थी। दोनों बार स्कूटी ठीक करा कर दे दिया गया था। उन्हें समझाया गया था कि स्कूटी का यूज कंपनी के नॉर्म्स के अनुसार करें। लेकिन वे लोग स्कूटी पर तीन-तीन लोग सवार होकर घूमते थे। शुक्रवार को प्रेम कुमार शोरूम में आया। मारपीट करते हुए आग लगाने की धमकी दी थी। जिसके बाद डायल 112 को बुलाया गया था। पुलिस ने दोनों पक्ष का समझाते हुए मामला खत्म कर दिया था।

आरोपी की मौसी ने दुर्व्यवहार का लगाया आरोप : स्कूटी खरीदने वाले विष्णु शरण ने बताया कि उन्होंने स्कूटी अपने एक जानने वाले को बेच दी थी। आरोपी प्रेम उनका रिश्तेदार है। वहीं प्रेम की मौसी ने बताया कि उसने बेटी के लिए स्कूटी खरीदी थी। जानकारी नहीं होने के कारण पड़ोस में रहने वाले विष्णु को शोरूम संचालक से बातचीत करने के लिए ले गई थी। स्कूटी 40 किलोमीटर चलने की बात कह कर दी गई थी। लेकिन 20 किलोमीटर भी सही से नहीं चलती थी।

शोरूम में ही सर्विस सेंटर था : अशोक कुमार के शोरूम में ही सर्विस सेंटर भी है। अशोक कुमार ने बताया कि, जिस बिल्डिंग में शोरूम है, वहां के मालिक ने मुझे सूचना दी कि शोरूम में आग लगी है। मैं तुरंत मौके पर पहुंचा। वहां पहले से काफी अफरा-तफरी मची हुई थी। मैंने देखा कि शोरूम में सब कुछ जलकर राख हो गया है। आग बुझाने में करीब 2 घंटे लग गए थे। अशोक कुमार के अनुसार, शोरूम में लगाई गई आग में 36 ई-स्कूटी, 7 ई-रिक्शा, स्पेयर पार्ट्स, चाइल्ड जीप और बाइक जलकर खाक हो गई । करीब 50 लाख रुपए का नुकसान हुआ।

2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बुझी आग

आग लगाने की खबर पर पहुंचे अशोक कुमार ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। 4 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग की लपटें काफी तेज थीं। दमकल की 4 गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। करीब 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग बुझाई गई। लेकिन सारी गाड़ियां जल गईं। नगर थानाध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। आवेदन प्राप्त हुआ है। जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

दरभंगा में 2 समुदाय के बीच तनाव

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में दो समुदायों के बीच विवाद हो गया। गांव में काफी तनाव है। गांव में जय बाबा डीहबार स्थान है। यह स्थल गांव में सभी समुदायों के लिए पूजनीय है। यहां किसी भी शुभ कार्य से पहले लोग चढ़ावा चढ़ाते हैं। जय बाबा डीहबार स्थान की जमीन पर एक समुदाय के लोगों ने अपना झंडा लगाया था। जिसे दूसरे समुदाय के लोगों ने उखाड़ दिया था। इसके बाद गांव में ताजिया घूमने पर रोक लगा दी गई थी। इसके बाद गांव में पंचायत हुई थी। जगन्नाथपुर ओपी की पुलिस मौके पर पहुंची थी। पंचायत में तय हुआ था कि दोनों पक्षों का झंडा उस स्थल पर लगेगा। इसके बाद स्थिति सामान्य हो गई थी। दूसरे पक्ष के कुछ युवकों ने 2 साल पुराना कुछ फोटो वायरल कर दिया। फोटो दो समुदाय के बीच धक्का-मुक्की का है। जिसके बाद गांव में तनाव हो गया। मामला बिरौल थाना क्षेत्र के भैनी गांव का है।

फिलहाल स्थिति शांतिपूर्ण : बताया गया कि 2 साल पहले एक पक्ष ने दीवार पर लिखे जय बाबा डीहबार स्थान में से जय शब्द मिटा दिया था। इसके बाद दोनों पक्षों में हल्की झड़प हुई थी। धक्का-मुक्की हुई थी, लेकिन कोई घायल नहीं हुआ था। उसी समय थोड़े दिन बाद रामनवमी पर झंडा लगाया गया था, जिसे दूसरे पक्ष ने उखाड़ दिया था। बिरौल थानाध्यक्ष विशाल कुमार सिंह ने बताया कि मौके पर मौजूद हैं। स्थिति शांतिपूर्ण है। किसी तरह की मारपीट या पथराव नहीं हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

गिरीडीह में अवैध कोयला तस्करी पर कार्रवाई:सीसीएल ने कोयला लदी 9 बाइक की जब्त

गिरिडीह, एजेंसी। गिरीडीह जिले में अवैध कोयला कारोबार पर सीसीएल ने बड़ी कार्रवाई की है। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में शनिवार को चलाए गए विशेष अभियान में सीसीएल ने कोयला लदी 9 बाइक जब्त की है। सीसीएल परियोजना पदाधिकारी जीएस मीना के नेतृत्व में सुरक्षा विभाग की टीम ने यह कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान कोयला तस्कर अपनी बाइक छोड़कर फरार हो गए। सभी जब्त बाइक को मुफ्फसिल थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। पुलिस अब बाइक के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज करेगी। क्षेत्र में कोयला तस्कर बड़े पैमाने पर दोपहिया वाहनों का इस्तेमाल करते हैं। वे बाइक पर कई क्विंटल कोयला लादकर लंबी दूरी तक ले जाते हैं। मुफ्फसिल थाना प्रभारी ने बताया कि जब्त बाइक थाने में रखी गई है। सीसीएल की ओर से अज्ञात तस्करों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आवेदन मिला है। तस्कर इस कोयले को अवैध ईट भट्ठों और होटलों में बेचते हैं।

नशे में स्कूटी सवार ने ली बच्चे की जान:गुमला में सड़क किनारे खेल रहे बच्चे को मारी टक्कर,

गुमला, एजेंसी। गुमला जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। भरनो चट्टी मुख्य रोड पर रायकेरा गांव के पास नशे में धुत स्कूटी सवार ने सड़क किनारे खेल रहे 10 वर्षीय बच्चे को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बच्चा काफी दूर जा गिरा। सिर में गंभीर चोट लगने से घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान रायकेरा गांव निवासी चारो उरांव के पुत्र रोशन उरांव के रूप में हुई है। वह स्थानीय सरकारी स्कूल में कक्षा 4 का छात्र था। स्थानीय लोगों ने आरोपी स्कूटी चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। घायल बच्चे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भरनो ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अंचल प्रशासन ने तत्काल सहायता के तौर पर मृतक के परिवार को 5 हजार रुपए की राशि दी है। अंचल कर्मी राजीव रंजन ने अस्पताल पहुंचकर मृतक की मां फूलो उराईन को यह राशि सौंपी। प्रशासन ने आगे की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अतिरिक्त सहायता देने का आश्वासन दिया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

झारखंड में बनेंगे 1117 हेल्थ सब सेंटर, 619 करोड़ रुपए आवंटित

रांची, एजेंसी। झारखंड में अब गांव-गांव में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। पूरे राज्य में 1117 हेल्थ सब सेंटर बनाए जाएंगे। राज्य सरकार ने इसके लिए 619 करोड़ रुपए की राशि आवंटित कर दी है। इसमें सबसे ज्यादा 164 सेंटर गिरिडीह जिले में तो 135 सेंटर धनबाद में खुलेंगे। वहीं रांची जिले में 49 हेल्थ सब सेंटर खोले जाएंगे। यहां प्राथमिक चिकित्सा की सभी सुविधाएं होंगी ।हर सेंटर के भवन निर्माण में 55.50 लाख रुपए खर्च होंगे। इन सेंटरों के निर्माण की स्वीकृति 15वें वित्त आयोग के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 के लिए दी गई है। 15वें वित्त आयोग के लिए राज्य स्तरीय समिति की अप्रैल में हुई बैठक में इस योजना की स्वीकृति दी गई है। जबकि जून में योजना के क्रियान्वयन के लिए राशि भी आवंटित कर दी गई। गौरतलब है कि 2011 की जनगणना के अनुसार झारखंड में कुल 4345 पंचायत हैं, जिनमें 2931 पंचायतों में स्वास्थ्य उपकेंद्र हैं और 167 पंचायतों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र या सामुदायिक स्वास्थ्य या अनुमंडल अस्पताल हैं। निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाएं झारखंड ने 949 स्वास्थ्य सुविधा विहीन पंचायत होने की रिपोर्ट दी थी। यहां स्वास्थ्य उपकेंद्र खोलने की जरूरत बताई थी। इसके बाद 1117 सेंटर खोलने पर सहमति बनी थी।

संविधान के साथ-साथ आपके मताधिकार को भी समाप्त करना चाहती है मोदी सरकार: झामुमो

रांची, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार विधानसभा चुनाव से पहले वहां के वोटर लिस्ट का 25 दिनों के अंदर गहन पुनरीक्षण कराने के फैसला लिया गया है। इसके साथ ही आरएसएस नेता की ओर से संविधान से पंथनिरपेक्षता और समाजवाद हटा देने वाले बयान पर झामुमो ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने केंद्रीय कैंप कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन कर कहा कि चुनाव आयोग और आरएसएस की संधि बनी हुई है।

जेएमएम महासचिव ने कहा कि देश से समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और नागरिक को मिले मताधिकार कैसे छीना जाए, इसका षड्यंत्र रचा जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज एक तरफ सेंसस की बात हो रही है। वहीं दूसरी तरफ मतदाता का अधिकार छीनने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि आज %नो वोटर लेफ्ट बिहाइंड% निर्वाचन आयोग का स्लोगन है। लेकिन मतदाता को छोड़ कर बिहार में चुनाव हो, ऐसा तुगलकी फरमान आया है।

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि बिहार में लगभग 8 करोड़ बिहारी वोटर को मतदाता होने का प्रमाण देना होगा। उन्होंने कहा कि भारत सरकार कहती है आधार मान्य नहीं, मतदाता सूची का एपिक नंबर भी मान्यता नहीं होगी। 2003 के बाद के मतदाता को साबित करना होगा, निर्वाचक मंडल को प्रमाण देना होगा कि आपके माता-पिता का जन्म बिहार में हुआ है या नहीं। उन्होंने कहा कि ये इसलिए हो रहा, क्योंकि बिहार में चुनाव है। उन्होंने कहा कि ये इसलिए हो रहा क्योंकि बीजेपी वहां अपनी निश्चित हार देख रही है।

आरएसएस के सह कार्यवाह का बयान दुखद: सुप्रियो : जेएमएम महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्या ने आरएसएस के सह कार्यवाह के बयान की निंदा की। उन्होंने कहा कि संविधान की प्रस्तावना से समाजवाद और पंथ निरपेक्षता को हटा देना चाहिए आरएसएस नेता का यह बयान तब आया है जब 1976 में सर्वोच्च न्यायालय ने प्रस्तावना को संविधान की आत्मा बताया है। झामुमो नेता ने कहा कि मैं संविधान की प्रस्तावना से पंथनिरपेक्ष और समाजवाद हटाने की मांग करने वाले आरएसएस नेता होसबले से पूछना चाहता हूं कि आप भारत के संविधान को मानते हैं या नहीं।

जेएमएम नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि संविधान समानता की बात करता है, पंथनिरपेक्षता की बात करता है। पंथ धर्म नहीं है। उन्होंने कहा कि 1973 में सुप्रीम कोर्ट का जो फैसला आया उसमें प्रस्तावना को संविधान का अभिन्न अंग बताया गया है। उन्होंने सरकार की ओलचना करते हुए कहा कि आज बजार में नया शब्द आया है। समाजवाद की जगह अब नमो अंबानी अदाणी व्यवस्था चलेगी।

भाजपा अपने विरोधियों को मताधिकार से रोकना चाहती है: झामुमो : झामुमो नेता ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा कि भाजपा की चाहत है कि जो भाजपा और संघ को समर्थन करेगा, उसको मताधिकार प्रयोग का अवसर मिलेगा। यह संविधान के साथ-साथ हमारे मताधिकार पर भी हमला है और दोनों हमले एक साथ करने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि मुसलमान, ईसाई, दलित, ओबीसी, आदिवासी का वोट को कम हो, इसलिए चुनाव आयोग ऐसे-ऐसे कागजात मतदाता सूची सहन पुनरीक्षण के नाम पर मांगे हैं, जो 90 प्रतिशत ग्रामीण आबादी के पास नहीं होगा।

जेएमएम नेता ने कहा कि एक महीने का समय वाला फरमान देना ये एनडीए की हताशा का परिचायक है। उन्होंने कहा कि भाजपा और केंद्र की सरकार, पूरी तरह से व्यवस्था को पंगु बनाना चाहती है। जिससे की सारी शक्ति मुट्ठी भर लोगों के पास हो, जो अपना नेता बीजेपी को मानते हैं। जेएमएम नेता ने कहा कि अब ईडी नहीं आने वाला, अब ईसी आ रहा है, जो गंभीर समस्या है।

अगस्त से झारखंड में भी मतदाता सूची पुनरीक्षण का खेल शुरू होने की संभावना: सुप्रियो : सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि उनको पक्की जानकारी है कि झारखंड में भी यह खेल होने जा रहा है। जिनका लक्ष्य है लोगों के निर्वाचक मंडल में कम से कम मताधिकार का प्रयोग हो। लेकिन यहां कोई चालाकी नहीं चलेगी, देश संविधान से चलेगा। शिबू सोरेन के स्वास्थ्य को लेकर सुप्रियो भट्टाचार्या ने कहा कि उनका स्वास्थ्य स्थिर है। उन्होंने कहा कि जब वह अस्पताल देखने गए थे, तब वह सो रहे थे।

लातेहार में मूसलाधार बारिश का कहर:बेतला के शिव नाला का पुल टूटा, 6 गांवों का संपर्क कटा

लातेहार, एजेंसी। लातेहार में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बेतला पंचायत के कुटमू-सरईडीह मार्ग पर शिव नाला में आई बाढ़ से 30 फीट लंबा पुल क्षतिग्रस्त हो गया है। पुल के बीच का स्लैब टूट गया है। इससे पोखरी कला, कोलपुरवा सहित आधा दर्जन गांवों का मुख्यालय से संपर्क टूट गया है।

किसानों को उड़द और मक्का की बुवाई में परेशानी हो रही : करीब 2000 से अधिक लोग प्रभावित हो गए हैं। लगातार बारिश से खेतों में पानी भर गया है। किसानों को उड़द और मक्का की बुवाई में परेशानी हो रही है। धान का बीज डालना भी मुश्किल हो गया है। मक्का और सूरजमुखी की फसलें प्रभावित हुई हैं। मौसम विभाग के अनुसार, दो जुलाई तक बारिश जारी रहेगी। अगले चार दिन रोजाना बारिश की संभावना है। कुएं, तालाब और नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। कई इलाकों में घर गिरने की सूचना है।

सड़कों के गड्ढों में पानी भर गया है : ग्रामीण इलाकों की सड़कों पर कीचड़ जम गया है। पानी टंकी से पांडेय पूरा, केंद्रीय विद्यालय से मोंगर और चटनाही से नवोदय विद्यालय तक की सड़कें जर्जर हो गई हैं। सड़कों के गड्ढों में पानी भर गया है। इससे राहगीरों को आवागमन में परेशानी हो रही है।

बिहार चुनाव 2025 में सीटों के बंटवारे को लेकर झारखंड में राजनीति तेज, बीजेपी ने कसा तंज

रांची, एजेंसी। विधानसभा चुनाव भले ही बिहार में हों मगर इसको लेकर झारखंड में सियासत जरुर गर्म है। दरअसल इंडिया गठबंधन में सीटों को लेकर चल रही खींचतान पर भाजपा की नजर है। उसे उम्मीद है कि बिहार में इंडिया गठबंधन के अंदर सीट बंटवारे को लेकर होने वाला बिखराव का फायदा कहीं न कहीं झारखंड की राजनीति में भी होगा। शायद यही वजह है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा को बिहार में गठबंधन के अंदर तरजीह नहीं मिलने पर भाजपा भी दुख जताने लगी है।

बिहार में जेएमएम को तरजीह नहीं-बीजेपी : बिहार भाजपा के सह प्रभारी दीपक प्रकाश के बाद पार्टी के पूर्व विधायक अमित मंडल ने कांग्रेस और राजद के रुख की आलोचना करते हुए कहा है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा को यूज एंड थ्रो के रुप में यह महागठबंधन देख रही है। उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा को कांग्रेस और राजद द्वारा ठेंगा दिखाए जाने का अंदेशा जताते हुए कहा कि जिस तरह से झारखंड में जेएमएम बड़े भाई की भूमिका में है। उसी तरह से बिहार में राजद है। जाहिर तौर पर जेएमएम को छोटा भाई मानते हुए वहां उसे सीटें मिलनी चाहिए। मगर कांग्रेस और राजद, जेएमएम को तरजीह नहीं दे रही हैं। जबकि झारखंड से सटे सीमावर्ती जिलों और विधानसभा क्षेत्रों में जेएमएम की पकड़ भी है।

कांग्रेस गन्ने की तरह चूसकर फेंक देती है : दीपक प्रकाश ने कहा कि जिस तरह से संताल में कांग्रेस की गतिविधि बढ़ने के बाद अंतर्कलह बढ़ा है उससे लग रहा है कि सबकुछ ठीक नहीं है और कांग्रेस की नीति भी रही है कि गन्ना की तरह चूसकर क्षेत्रीय दल को वह फेंक देती है।

श्रम और उद्योग विभाग को डमी बनाकर रख दिया गया- अमित मंडल : बीजेपी नेता और पूर्व विधायक अमित मंडल ने राज्य सरकार के कामकाज पर सवाल खड़ा करते हुए कहा है कि श्रम और उद्योग विभाग को डमी बनाकर रख दिया गया है। विभाग के मंत्री को किनारे किए जाने का आरोप लगाते हुए अमित मंडल ने कहा कि पहले मुख्यमंत्री विदेश दौरे में नहीं ले गए और हाल में जमशेदपुर में मुख्य सचिव की मौजूदगी में हुई बैठक में उन्हें नहीं बुलाया गया।

युवाओं को रोजगार कैसे मिलेगा : ऐसी स्थिति में राज्य में लगे उद्योग को देखने वाला कौन है? मुझे लगता है कि झारखंड सरकार के अधीन उद्योग मंत्रालय पूर्णतः फेल है। यदि उद्योग मंत्रालय देखने के योग्य नहीं है तो मुख्यमंत्री को हस्तक्षेप करनी चाहिए लेकिन दुर्भाग्य की बात किया है कि न तो मुख्यमंत्री की प्राथमिकता में यह है और न ही उद्योग मंत्री को इससे मतलब है। आखिर निजी क्षेत्र में युवाओं को कैसे रोजगार मिलेगा और राज्य में उद्योग धंधे कैसे बढ़ेंगे यह सोचने वाली बात है।

महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगा की सदा सुहागिन की कामना

चाईबासा, एजेंसी। सदर बाजार स्थित काली मंदिर में शनिवार को मां विपदतारिणी की पूजा-अर्चना भक्तिभाव से की गई। इस दौरान महिलाओं ने मां दुर्गा के विपदतारिणी रूप के आगे मत्था टेककर अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। महिलाओं ने एक-दूसरे की मांग में सिंदूर लगाकर सदा सुहागिन बने रहने आशीर्वाद दिया। पुजारियों ने भी श्रद्धालु महिलाओं की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर हर विपदा से दूर रहने का आशीर्वाद दिया। पूजा का आयोजन सदर बाजार के श्री श्री काली मंदिर ट्रस्ट कमेटी द्वारा किया गया। मां की पूजा हर साल महाप्रभु जगन्नाथ की रथयात्रा और उनके रथ के पूर्ण यात्रा के बीच में पड़ने वाले शनिवार और मंगलवार के दिन की जाती है। इससे पूर्व महिलाओं ने दिनभर उपवास रखकर विपदतारिणी व्रत रखा।

पूजा मुख्य पंडित दिव्येन्दु राय तथा सहयोगी परिमल गांगुली, अनूप मुखर्जी, नाडू गोपाल राय द्वारा पूरे विधि- विधान से संपन्न कराई गई । इस पूजा में तेरह किस्म की सामग्री और उस सामग्री को तेरह की गिनती से गिनकर मां का भोग लगाया जाता है। भोग में पूड़ी, पुआ, पान, सुपारी, लांग इलायची, मूंगदाल, फल, खीर, मिष्ठान, चेरी इत्यादि से भोग लगाया जाता है।

इस पूजा में सुहागिन महिलाएं सारा दिन उपवास करती हैं। यह पूजा परिवार के मंगल के लिए और परिवार को आपदा से रक्षा के लिए की जाती है। मां विपतारिणी की पूजा-अर्चना करने के लिए काली मंदिर में शनिवार सुबह से ही महिलाएं, पुरुष श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही।

महिलाएं व्रत रखकर मां के दरबार में पहुंची पूजा- अर्चना की साथ ही मन्नतें भी मांगी। पूजा के उपरांत व्रतियों अन्य भक्तों के बीच में मां का प्रसाद वितरण किया गया। मां विपदतारिणी पूजा का सफल संचालन राय परिवार के सदस्यों की देख-रेख में संपन्न हुआ।

अंडर-12 बालक वर्ग में सदर प्रखंड ने जीता खिताब

चाईबासा, एजेंसी। राज्य परियोजना निदेशक, कार्यालय के आलोक में जिला स्तरीय अंडर-12 प्रथम लिटिल चैंप्स फुटबॉल टूर्नामेंट 2025-26 प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार को मुख्यमंत्री उत्कृष्ट +2 जिला स्कूल, चाईबासा मैदान में आयोजित हुआ। झारखंड शिक्षा परियोजना (समग्र शिक्षा) पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में जिला के 18 प्रखंडों की विजेता टीमों ने शिरकत की। जिसमें बालक वर्ग से 14 व बालिका वर्ग से 10 टीमों ने भाग लिया। फुटबॉल प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में जिला खेल पदाधिकारी रूपा रानी तिर्की, जिला शिक्षा परियोजना के एडीपीओ शिव कुमार मल्लिक एवं एपीओ सुभाष हेम्ब्रम मुख्य रूप से उपस्थित रहे। जिला स्तरीय प्रथम लिटिल चैंप्स फुटबॉल प्रतियोगिता के अंडर-12 बालक वर्ग में सदर प्रखंड, चाईबासा की टीम एवं हाटगम्हरिया के बीच में फाइनल मुकाबला का मैच खेला गया। जिसमे सदर, चाईबासा की टीम विजेता रही। वही बालिका वर्ग में फाइनल मुकाबला सदर, चाईबासा एव कुमारडुंगी के बीच खेला गया। जिसमें कुमारडुंगी प्रखण्ड की टीम ने खिताब अपने नाम किया। दोनों फाइनल मुकाबलों के उपरांत मुख्य अतिथि जिला खेल पदाधिकारी रूपा रानी तिर्की के हाथों विजेता व उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं खिलाड़ियों को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिता के सफल संचालन में प्रदीप कुमार, प्रतिमा कलुंडिया या, मनीषा सुंडी, सुन्दर लाल देवगम, शिव शंकर प्रधान, स्वीटी कुमारी, मुकेश कुमार, भूपेन्द्र कुमार, शिवानी सिहं तिरिया, चिंता कुमारी, सुशील सिंकू, मानकी कुदादा एवं अन्य फुटबॉल आफिशियल की भागीदारी रही।

नदी किनारे जमीन में गड़ा बच्चे का शव मिला:गिरिडीह के नवडीहा में मची सनसनी, बच्चे की उम्र लगभग 10 साल, जांच में जुटी पुलिस

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के जमुआ प्रखंड स्थित नवडीहा ओपी थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। रविवार सुबह दमगी उसरी नदी पुल के नीचे एक 10 वर्षीय बच्चे का शव जमीन में गाड़ा हुआ मिला। शव मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर भारी संख्या में स्थानीय लोग जुट गए।

जानवरों के मंडराने पर हुआ शक: बताया जा रहा है कि सुबह गांव के कुछ लोग शौच के लिए नदी की ओर गए थे। उसी दौरान उन्होंने पुल के नीचे रखे बड़े-बड़े पत्थरों के पास कुछ जानवरों को मंडराते हुए देखा। पास ही से तेज दुर्गंध भी आ रही थी। जब लोगों ने वहां जाकर देखा तो शक हुआ कि वहां कुछ गड़बड़ी है। इसके बाद स्थानीय लोगों ने हो-हल्ला किया और देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। सूचना मिलते ही नवडीहा ओपी प्रभारी दीपक कुमार और जमुआ थाना प्रभारी मणिकांत कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने खुदाई कर शव को जमीन से बाहर निकाला। शव को देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि मृत बच्चा करीब 10 वर्ष का है। हालांकि, उसकी पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है।

बच्चे की पहचान की हो रही कोशिश : घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और सनसनी का माहौल है। बच्चे की हत्या कर शव को ठिकाने लगाने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल बच्चे की पहचान कराने की कोशिश की जा रही है। साथ ही आसपास के थानों से लापता बच्चों की सूचना भी मंगवाई जा रही है। पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई की बात कही गई है।

बरवाडीह में 3 किमी सड़क पर 100 से अधिक हैं गड्ढे

बरवाडीह, एजेंसी। बरवाडीह-लंका-बांसडीह मार्ग जर्जर रहने से लोगों को परेशानी हो रही है। तीन किमी लंबी इस सड़क पर 100 से अधिक छोटे-बड़े गड्ढे हैं। सामान्य दिनों में चलना मुश्किल है। बारिश में जलजमाव से हालात और खराब हो गए हैं। लोग रोज दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। इस सड़क के निर्माण के लिए डेढ़ साल पहले ग्रामीण कार्य विभाग ने टेंडर निकाला था। वह अब तक फाइनल नहीं हो सका है।

रोजाना इस सड़क से छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। इसकी चिंता न तो विभाग के अधिकारियों को है और न ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को। नतीजतन मौजूदा समय में इस सड़क मार्ग से आम लोगों का सफर भगवान भरोसे हो गया है। इस संबंध में आरईओ के कार्यपालक अभियंता ओम प्रकाश बड़ाईक ने कहा कि इस सड़क की निविदा हो चुकी है। अब तक कार्य आवंटित नहीं हुआ है। वर्तमान स्थिति की जानकारी नहीं है।

बरवाडीह-लंका-मंगरा मार्ग के पांच किमी हिस्से के निर्माण के लिए ग्रामीण कार्य विभाग (आरईओ) ने फरवरी 2024 में 7 करोड़ 74 लाख की लागत से निविदा निकाली थी। बाद में इसे रद्द कर दिया गया। जून 2024 में फिर से निविदा निकाली गई।

अब तक कार्य आवंटित नहीं हुआ है। इससे बभंडी, चमरडीहा, लंका, बांसडीह, कोकडु, पीढहे समेत दर्जनों गांव के लोगों की उम्मीदें अधर में लटकी है। ग्रामीण स्थानीय विधायक से सड़क निर्माण कराने की मांग कर रहे हैं।

विधायक रामचंद्र सिंह ने कहा कि सरकार के माध्यम से प्रखंड की कई सड़कों की मंजूरी दिलाई गई है। यह सड़क भी उनमें शामिल है। बरसात के बाद हरहाल में निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।

सरकार सभी वर्गों और क्षेत्रों के समुचित विकास को लेकर कृतसंकल्पित : श्रवण कुमार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। ग्रामीण विकास मंत्री सह क्षेत्रीय विधायक श्रवण कुमार ने रविवार को बिहारशरीफ प्रखंड के ग्राम पंचायत राज डुमरावां में कई विकास योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार प्रदेश के हर वर्ग और क्षेत्र के समुचित विकास के लिए प्रतिबद्ध है। आज बिहार सड़कों, पुलों, योजनाओं और सामाजिक उत्थान के माध्यम से एक नए युग में प्रवेश कर चुका है।

इन योजनाओं का हुआ लोकार्पण और शिलान्यासः

बिहारशरीफ-एकंगरसराय-गोलापुर होते हुए लालबाग से डुमरावां तक 3.24 किमी सड़क मरम्मत कार्य।
एनएच-110 स्थित जमालीचक मोड़ से डुमरावां रोड होते हुए मंडाछ महादलित टोला तक 0.64 किमी सड़क मरम्मत कार्य।
डुमरावां में यात्री शेड का उद्घाटन।
कुशवाहा भवन से पैन तक नाले का निर्माण कार्य। इस अवसर पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि आज बिहार की हर बस्ती सड़कों से जुड़ रही है। गांव-टोले हों या शहर-कस्बे, सभी स्थानों को बेहतर संपर्क मार्गों से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब एक महिला आगे बढ़ती है, तो पूरा परिवार और समाज आगे बढ़ता है। मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के अंतर्गत अब तक 85,556 बेटियों को 16.70 करोड़ की राशि वितरित की गई है। यह महिलाओं की सुरक्षा, स्वावलंबन और सम्मान की दिशा में नीतीश जी की दूरदर्शी सोच का प्रमाण है। उन्होंने जानकारी दी कि वर्तमान में राज्य में 1 करोड़ 9 लाख 69 हजार 255 लोगों को पेंशन दी जा रही है। 'बसेरा-2' अभियान के तहत एक वर्ष में 53 हजार से अधिक भूमिहीन परिवारों को आवासीय भूमि सुलभ कराई गई है। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 20 वर्षों का कार्यकाल विकास की मिसाल है। कार्यक्रम में जदयू प्रवक्ता डॉ. धनंजय कुमार देव, प्रखंड अध्यक्ष संजय कुशवाहा, जिला परिषद सदस्य ममता कुमारी, पूर्व मुखिया युगल किशोर, राजकुमार मांझी, ललन कुशवाहा, डी.पी.एस. कुशवाहा, जयंत शर्मा, संजय कुशवाहा, मनोज यादव, विश्वास सिंह, शिवचरण कुशवाहा, सरयुग रविदास, पप्पू सिंह, प्रमोद यादव, मुन्ना पासवान सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता और स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर बीएलओ घर घर जाकर करें वोटरों का भौतिक सत्यापन : डीडीसी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कौआकोल। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर 25 जून से 25 जुलाई तक होने वाले मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण को लेकर निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (गोविंदपुर) सह नवादा के डीडीसी प्रियंका रानी ने रविवार को कौआकोल प्रखण्ड पहुंचकर प्रखण्ड कार्यालय के सभागार कक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बीडीओ, सीओ समेत सभी बीएलओ, बीएलओ के सुपरवाइजर, पर्यवेक्षकीय अधिकारी समेत अन्य सम्बंन्धित कर्मी मौजूद थे। बैठक में उपस्थित बीएलओ को निर्देशित करते हुए डीडीसी प्रियंका रानी ने निर्देश दिया कि सभी बीएलओ घर-घर जाकर प्रत्येक मतदाता का भौतिक सत्यापन करें। मतदाताओं से 11 निर्धारित दस्तावेजों में कोई भी एक दस्तावेज अनिवार्य रूप से जमा करवाना होगा। सत्यापन प्रक्रिया को पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदाता को एक गणना प्रपत्र प्रारूप फॉर्म दो प्रति में उपलब्ध कराया जाएगा,जिसे दस्तावेजों के साथ भर कर एक प्रति स्वंय मतदाता तथा दूसरी प्रति बीएलओ को जमा करना होगा। डीडीसी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि यह संपूर्ण कार्य निर्धारित समय सीमा के अंदर हर हाल में पूरा किया जाए। सही व पात्र मतदाताओं का नाम ही मतदाता सूची में शामिल किया जाए वहीं फर्जी व अपात्र मतदाताओं का नाम सूची से हटाने का भी उन्होंने निर्देश दिया। डीडीसी ने कहा कि मतदाता का पहचान व पते के प्रमाण के तौर पर जमीन रसीद, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, एलआईसी प्रमाण पत्र सहित अन्य वैध दस्तावेज मतदाताओं को जमा करने होंगे। हालांकि, निर्धारित 11 दस्तावेजों के अलावा यदि कोई अन्य वैध दस्तावेज उपलब्ध कराते हैं, तो उस पर भी विचार किया जायेगा लेकिन हर हाल में दस्तावेज जमा करना होगा। बैठक में यह भी कहा गया कि जिन लोगों के पास दस्तावेज नहीं हैं, उनके लिए भी विकल्प तलाशे जाएंगे, ताकि वास्तविक मतदाता वंचित न रहें। बीएलओ तीन बार घर जाकर दस्तावेज लेंगे, इसके अतिरिक्त इच्छुक मतदाता ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से भी दस्तावेज जमा कर सकते हैं। डीडीसी ने आम मतदाताओं से भी अपील की है कि वह बीएलओ का सहयोग करें और समय पर आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराएं, ताकि क्षेत्र में एक सटीक और निष्पक्ष मतदाता सूची तैयार की जा सके।

बिहार के लिए चुनाव लड़ूंगा : चिराग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच रविवार को केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने सीएम नीतीश के गढ़ में हुंकार भरी। चिराग पासवान ने कहा कि जब तक बिहार को विकसित राज्य नहीं बना दूंगा तब तक चैन की सास नहीं लूंगा। उन्होंने कहा कि 'मैं चाहता हूं कि बिहार के लोगों को अपने ही पंचायत में रोजगार के अवसर मिले। लोग डरते है और पूछते हैं कि क्या चिराग पासवान बिहार से चुनाव लड़ेंगे। हां, मैं चुनाव लड़ूंगा। मैं बिहार से चुनाव नहीं लड़ूंगा, मैं बिहार के लिए चुनाव लड़ूंगा। बिहारियों के लिए चुनाव लड़ूंगा। और चिराग पासवान सभी 243 सीटों पर बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट की सोच को रखते हुए मजबूत करने के लिए चुनाव लड़ूंगा। जहां भी गठबंधन के साथी रहेंगे उनके लिए चिराग मजबूती के साथ खड़ा रहेगा।' चिराग पासवान इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे।

चिराग पर जैसे ही लोगों और कार्यकर्ताओं की नजर पड़ी। सभी उनकी गाड़ी की तरफ जुट गए। इस कारण काफी भीड़ हो गई। इसके बाद चिराग अपनी गाड़ी के ऊपर बैठ गए और कार्यकर्ताओं का अभिवादन करने लगे। इस बीच कार्यकर्ता काफी उत्साहित हो गए और वे भी गाड़ी पर चढ़ने लगे।
कुछ कार्यकर्ता तो चिराग की सुरक्षा को दरकिनार करते हुए उनके करीब पहुंच गए और उनका हाथ पकड़ने लगे। इस दौरान चिराग की सिक्योरिटी में खड़ा गार्ड कार्यकर्ताओं को गाड़ी से हटाता दिखा। कार्यकर्ता के गाड़ी पर चढ़ने से बाद में चिराग पासवान ने उन कार्यकर्ताओं के साथ सेल्फी भी ली। हालांकि, कार्यकर्ताओं के गाड़ी पर चढ़ने से चिराग की गाड़ी का बंपर टूट गया। सभा को संबोधित करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि 'आज इस ऐतिहासिक भीड़ और भीड़ के उत्साह को देखकर एक बात तो तय है कि अब वह दिन दूर नहीं जब मेरा बिहार फर्स्ट बनेगा और बिहारी फर्स्ट बनेंगे।'आज आप लोग लाखों की संख्या में यहां उपस्थित हैं। मेरे पिताजी ने यह सपना देखा था कि बिहार को एक विकसित राज्य बनाना और बिहार को विकसित राज्य के श्रेणियां में लाना है। यह साल बिहार के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

डीडीसी ने किया गणना प्रपत्र प्रारूप का वितरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कौआकोल। विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 के सफल क्रियान्वयन को लेकर बूथ लेवल अफसर घर घर दस्तक देकर विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में मतदाता सूची को सत्यापित करने, नये मतदाताओं के नाम जोड़ने, विलोपित करने और संशोधित करने का आवेदन लेगे। जिसके सफल क्रियान्वयन को लेकर डीडीसी प्रियंका रानी ने रविवार को कौआकोल प्रखण्ड मुख्यालय में बैठक आयोजित किया। इसके बाद उन्होंने स्वंय गोविंदपुर विधानसभा अंतर्गत कौआकोल प्रखण्ड के बूथ नम्बर 220 (प्राथमिक विद्यालय बरवाडीह, नावाडीह) में जाकर मतदाताओं के बीच गणना प्रारूप प्रपत्र का वितरण किया। तथा मौके पर मौजूद बीएलओ व शिक्षक अरुण कुमार को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। मौके पर बीडीओ डॉ0 अखिलेश कुमार मौजूद थे।

आम महोत्सव कृषि और संस्कृति का सफल संगम : विजय कुमार सिन्हा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उपमुख्यमंत्री-सह-कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा द्वारा ज्ञान भवन, गांधी मैदान, पटना में आयोजित दो दिवसीय आम महोत्सव-सह-प्रतियोगिता, 2025 के विजेता प्रतिभागियों के बीच पुरस्कार वितरण करने के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। उन्होंने कहा कि किसानों को उद्यानिक कीट अनुदानित दर पर उपलब्ध कराए जाएंगे जिससे उत्पादन लागत में कमी आएगी। उन्होंने बताया कि सरकार आम उत्पादकों को पैकेजिंग पर अनुदान देकर उनके व्यवसाय को प्रोत्साहित करेगी। साथ ही उद्यानिक फार्म में आकर्षक वाटिकाओं का निर्माण कर बच्चों को प्रकृति से जोड़ने और पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि आम महोत्सव में राज्य के विभिन्न जिलों के 806 आम उत्पादक कृषकों एवं उद्यमियों के द्वारा आम एवं इसके उत्पाद के 5214 प्रदर्शों के साथ भाग लिया गया। प्रतिभागियों द्वारा प्रदर्शित विभिन्न वर्गों के अलग-अलग शाखाओं का मूल्यांकन वैज्ञानिकों की कमिटी द्वारा की गई एवं प्रत्येक वर्ग के हर एक शाखा में तीन उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कृषकों एवं कलाकारों को पुरस्कृत किया गया। चयनित 31 प्रथम प्रदर्शों के बीच कुल 1.55 लाख रूपये, 26 द्वितीय प्रदर्शों के बीच कुल 1.04 लाख रूपये एवं 24 तृतीय

प्रदर्शों के बीच कुल 72 हजार रूपये पुरस्कार के रूप में दिये गये। साथ ही सभी को प्रशस्ति-पत्र का वितरण किया गया। प्रथम पुरस्कार के रूप में 5,000 रूपये, 4,000 रूपये का द्वितीय एवं 3,000 रूपये का तृतीय पुरस्कार पारितोषिक दिया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 3.31 लाख रूपये का पुरस्कार प्रदान किया गया। 64 हजार रूपये के साथ सबसे अधिक पुरस्कार राशि प्राप्त करने वाला जिला वैशाली रहा जिसके बाद 54 हजार रूपये भागलपुर, 45 हजार रूपये मधुबनी 29 हजार रूपये समस्तीपुर तथा अन्य जिले हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 05-10 साल के 40 से अधिक बच्चों के बीच आम खाओ प्रतियोगिता में पटना के रियांश राज ने प्रथम, मधुबनी के विप्लव कुमार झा ने द्वितीय तथा पटना के ही अनुशिका नयन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन बच्चों ने क्रमशः 8.20 सेकेण्ड, 9.00 सेकेण्ड तथा 9.80 सेकेण्ड में एक आम खाया। साथ ही चित्रकला प्रतियोगिता में 40 से अधिक स्कूलों के लगभग 200 बच्चों ने भाग लिया जिनमें दिल्ली पब्लिक स्कूल, पटना के सोहन शुभम रेड्डी ने प्रथम, डीएवी स्कूल, खगौल, पटना के श्रीजा शरण ने द्वितीय तथा सेन्ट माइकल्स स्कूल, पटना के जयश्री ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि क्विज प्रतियोगिता में बिहार कृषि महाविद्यालय, सबौर, नालन्दा उद्यान महाविद्यालय, नूरसराय, वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय, डुमरांव तथा डॉ. कलाम कृषि महाविद्यालय, किशनगंज के छात्रों ने 6 टीमों में भाग लिया। इस प्रतियोगिता में नालन्दा उद्यान महाविद्यालय, नूरसराय की टीमों ने प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा बिहार कृषि महाविद्यालय, सबौर की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

समझौते के बहाने बुलाकर होटल में मारपीट, जदयू नेता समेत दो घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। शहर के प्रसाद बीघा स्थित होटल मिलाप में आपसी विवाद के समझौते के बहाने बुलाकर दो युवकों के साथ बेरहमी से मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ितों में न्यू एरिया निवासी एवं प्रखंड 20 सूत्री समिति सदस्य सूर्य नारायण गुप्ता के पुत्र तथा जदयू नेता पवन कुमार और मोहित कुमार शामिल हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, होटल मालिक तरुण कुमार ने दोनों को विवाद सुलझाने के नाम पर होटल में बुलाया और जैसे ही वे पहुंचे, दरवाजा बंद कर लिया गया। इसके बाद होटल के भीतर छिपे 10-15 लोगों ने पवन और मोहित पर अवैध हथियारों और मुक्कों से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। मारपीट के बाद दोनों को होटल के

बाहर अधमरी हालत में छोड़ दिया गया। इस दौरान हमलावरों के भागने के क्रम में चंदन कुमार नामक एक अन्य युवक को भी ईंट-पत्थर से घायल कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और बंद होटल का दरवाजा तोड़ कर होटल मालिक तरुण कुमार को हिरासत में ले लिया। जदयू नेता पवन कुमार ने बताया कि तीन महीने पहले उन्होंने तरुण कुमार की दुकान तीन वर्षों के एग्रीमेंट पर किराए पर ली थी। लेकिन दुकान मालिक ने एग्रीमेंट की अनदेखी कर जबरन दुकान पर कब्जा कर लिया और दुकान में लगे सामान का पैसा भी नहीं दिया। जब उन्होंने अपने सामान के पैसे की मांग की तो लगातार टाल-मटोल और षड्यंत्र शुरू कर दिए गए। पवन कुमार ने आरोप लगाया कि तरुण कुमार ने समझौते का बहाना कर होटल में बुलाया और वहां पहले से छिपे बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया। हमले के दौरान धमकी भी दी गई कि अगर पुलिस को सूचना दी गई तो जान से मार दिया जाएगा। घायलों का इलाज नवादा सदर अस्पताल में चल रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

शिक्षिका की विदाई पर भावूक हुए छात्र-छात्राएं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, पटना के द्वारा किए गए शिक्षकों के तबादले के बाद उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिकंदरा नवादा के दो शिक्षिका-बबीता कुमारी (विशिष्ट शिक्षिका) और मानसी मित्तल (विद्यालय अध्यापक टीआरई-1) का स्थानांतरण अन्यत्र विद्यालय में हो जाने के उपरांत शनिवार को विद्यालय परिसर में विद्यालय परिवार की ओर से नम्र विदाई दी। दोनों शिक्षिकाओं को उपहार स्वरूप गुलदस्ता और सॉल दिया गया। इस दौरान स्कूल का माहौल भावुक हो गया। कई छात्राएं फूट-फूटकर रोने लगी। छात्रा चांदनी कुमारी, ज्योति कुमारी लवली कुमारी, दीपाली कुमारी, संजना कुमारी-I, स्मृति कुमारी और संजना कुमारी-II ने बताया कि पिछले कई वर्षों में दोनों शिक्षकों से पढ़ाई और अनुशासन के क्षेत्र में बहुत कुछ सीखने को मिला।

बच्चों के भविष्य के लिए करें अच्छी सरकार का चयन : प्रशांत किशोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने लोगों से अपने बच्चों की चिंता करने और इस बार बच्चों के भविष्य के लिए एक अच्छी सरकार बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने बिहार बदलाव यात्रा के दौरान नवादा जिला के रोह प्रखंड मुख्यालय के निकट मंडरा खेल मैदान में एक महती जन सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि वे पिछले तीन वर्षों से बिहार के गांव-गांव में घूम कर लोगों से मिल रहें हैं और उनकी समस्याओं को जानने का प्रयास कर रहे हैं। पूरे बिहार की स्थिति यह है कि यहां के बच्चों के तन को कपड़ा और पैरों को चप्पल तक मुयस्सर नहीं है।उन्हों ने यह भी कहा कि किसी भी पार्टी के नेता को बिहार के बच्चों और उनके भविष्य की चिंता नहीं है, इस लिए बिहार के लोगों को अपने बच्चों के भविष्य की चिंता स्वंय करनी होगी। प्रशांत किशोर ने बिहार विधान सभा के आसन्न चुनाव

के तीन माह पूर्व निर्वाचन आयोग द्वारा वोटर लिस्ट को रद्द करके वोटरों से नागरिकता का दस्तावेज पेश करने के विवादस्पद फैसले पर आयोग से साफ-साफ पूरी स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। उन्होंने महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव में वोटर लिस्ट में बदलाव का उदाहरण देते हुए कहा कि आयोग की प्रक्रिया को लेकर उस समय भी कई सवाल उठे थे जिसे आयोग ने अबतक स्पष्ट नहीं किया है। उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने और हटाने का मापदंड स्पष्ट होना चाहिए ताकि लोगों में संदेह नहीं न रहे कि यह कदम राजनैतिक रूप से प्रेरित है। समारोह की अध्यक्षता पार्टी के जिला अध्यक्ष रंजीत कुमार 'चुन्नु' और संचालन पार्टी के प्रवक्ता सैयद मसीह उद्दीन ने की। इस अवसर पर जिला अभियान समिति के अध्यक्ष सुरजदेव वर्मा, महिला अध्यक्ष गायत्री देवी, किसान अध्यक्ष मनोज सिंह, युवा अध्यक्ष राजेश यादव, उदय शंकर सिंह, जिला प्रवक्ता गुलाम मुस्तफा, जिला महासचिव उमेश चंद्रवंशी, विधानसभा प्रभारी मो.मखदूम इस्लाम, राज कुमार, प्रवीण चंद्रवंशी, सरला कर्ण, रवींद्र प्रसाद सिंह, स्वीटी सिंह, नरेश चौधरी, मो. कलाम, कन्हैया सिंह, राहुल कुमार, अनुज कुमार रावत, जयशंकर झा, प्रत्युष यादव तथा त्रिवेणी सिंह भी मंचासीन रहे।

पूरा करेंगे हरेक वादा, हम बनाएंगे विकसित नवादा : डॉ.अनुज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जब इंसान मन में कुछ कर गुजरने की ठान ले तो फिर क्या धूप और क्या बरसात। अपनी जन्मभूमि और कर्मभूमि नवादा के उत्थान का बीड़ा अपने सर पर उठाए मॉडर्न शैक्षणिक समूह के चेयरमैन, जाने माने शिक्षाविद और समाजसेवी तथा जन जागृति फाऊंडेशन के संयोजक डॉ.अनुज सिंह ऐसे ही कर्मवीर हैं जो बिना धूप और बारिश की परवाह किए पिछले छह महीनों से गांव-गांव और घर- घर जा कर नवादा वासियों से मिल रहे हैं और लोगों को अपने मताधिकार का सही उपयोग करने के प्रति जागरूक कर रहे हैं। उन्होंने नवादा जिले के सर्वांगीण विकास का ऐसा सपना संजोया है जिसके लिए उन्हें नवादा वासियों के साथ और समर्थन की आवश्यकता है। इसी सिलसिले में आज डॉ. अनुज ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ नवादा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नहर पर, शाहपुर एवं औरैना गांव में जनसंपर्क अभियान चलाया। ग्राम औरैना में ग्रामीणों और युवाओं के दल ने डॉ अनुज का जोरदार स्वागत ढोल बाजे के साथ अंग वस्त्र पहना कर किया और उन्हें फूल मालाओं से लाद दिया। लोगों से बातचीत के क्रम में पिछले 30 वर्षों में अलग अलग जनप्रतिनिधियों के द्वारा विकास के खोखले दावों की पोल खुलती रही जिसे सुनकर डॉ.अनुज काफी व्यथित दिखे। उन्होंने जनता को भरोसा दिलाया कि अगर लोगों ने उन्हें आगामी विधानसभा चुनाव में जीत मिलती है तो वो पूरी इमानदारी पूर्वक एक एक समस्या का समाधान करेंगे और गांव की तस्वीर बदल देंगे। जिसे सुनकर ग्रामवासियों ने एकसुर में उन्हें समर्थन देने का वचन दिया। डॉ.अनुज ने लोगों से जाति धर्म की भावनाओं से उपर उठकर ऐसे व्यक्ति का समर्थन देने की अपील की शिक्षित और ईमानदार तो ही साथ ही सभी वर्ग के लोगों को साथ लेकर चलने वाला हो। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार मैंने शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन काम किया है वैसे ही नवादा जिले के विकास में भी कोई कमी नहीं रहने दूंगा। चुनाव के बाद भी गांव गाँव जा कर लोगों से मिलूंगा और सभी की समस्याओं का निदान करुंगा।

सड़क हादसे में बुजुर्ग की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। नालंदा में रविवार की सुबह सड़क हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मामला हरनौत थाना क्षेत्र अंतर्गत अलीपुर गांव के पास का है। मृतक की पहचान अलीपुर के रहने वालेव रामचंद्र प्रसाद (65) के रूप में की गई है। हादसा हरनौत-गोनावां मुख्य रास्ते पर हुआ है। रामचंद्र प्रसाद पोआरी गांव साइकिल से दूध देने गए थे। जहां से लौटकर वह घर आ रहें थे। तभी सड़क पार करने के दौरान हरनौत की तरफ से आ रही पथ निर्माण विभाग की गाड़ी ने उन्हें टक्कर मार दी। इस हादसे में बुजुर्ग की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि, गाड़ी बेकाबू होकर सड़क किनारे खाई में चली गई। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने ब्रेकर और मुआवजे की मांग को लेकर सड़क को जाम कर दिया। जिससे आवाजाही बाधित हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि अलीपुर गांव के पास सड़क ढलान लेती है। जिसके कारण गाड़ियों की रफ्तार ज्यादा रहती है। यही वजह है कि आए दिन यहां हादसे होते रहते हैं। मौके पर पहुंचे परिजनों की चीत्कार से गांव का माहौल गमगीन हो गया। करीब ढाई घंटे तक सड़क जाम की स्थिति बनी रही। हरनौत थाना के प्रभारी थानाध्यक्ष गणेश राय ने बताया कि सड़क हादसे में मौत की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और सड़क जाम कर रहे लोगों को समझा-बूझाकर मामले को शांत करा लिया गया।

फरार चल रहे पांच लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। थाना क्षेत्र के छतनी, पहवाचक, कानगो बिगहा व गंगटा के अलावे अकबरपुर थाना क्षेत्र से रजौली थाना के विभिन्न कांडों के पांच फरार चल रहे अभियुक्तों को पुलिस बलों ने गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि शराब मामले में थाना कांड संख्या 349/25 के अभियुक्त छतनी गांव निवासी उमेश प्रसाद के पुत्र मुकेश कुमार व अकबरपुर थाना क्षेत्र निवासी शैलेन्द्र सिंह के पुत्र रितिक कुमार, थाना कांड संख्या 544/21 के अभियुक्त पहवाचक गांव निवासी उमेश प्रसाद के पुत्र मुन्ना कुमार एवं थाना कांड संख्या 314/25 के अभियुक्त कानगो बिगहा गांव निवासी उदय प्रसाद के पुत्र संदीप कुमार को पुलिस बलों के सहयोग से गुप्त सूचना के आलोक में गिरफ्तार किया गया है वहीं दूसरी ओर मारपीट मामले में थाना कांड संख्या 240/25 के अभियुक्त गंगटा गांव निवासी जीतन प्रसाद के पुत्र फूलू प्रसाद को भी गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि सभी गिरफ्तार लोगों का स्वास्थ्य जांच के बाद रविवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

यदुवंशी जागृति एकता मंच का गठन, समाज सुधार की दिशा में शुरू हुई पहल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पकरीबरावां (नवादा)। पकरीबरावां प्रखंड मुख्यालय में रविवार को यदुवंशी समाज के जागरूक युवाओं और बुद्धिजीवियों की उपस्थिति में यदुवंशी जागृति एकता मंच का विधिवत गठन किया गया। इस संगठन का उद्देश्य समाज को संगठित कर आपसी विवादों को सुलझाना, सामाजिक कुरीतियों को दूर करना तथा शिक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देना है।
बैठक में सर्वसम्मति से संगठन के पदाधिकारियों का चयन किया गया। दिनेश यादव को अध्यक्ष, प्रकाश

यादव को उपाध्यक्ष और संजय यादव को महासचिव चुना गया। इसके अतिरिक्त विश्वनाथ यादव और फोसन यादव को सह-महासचिव, काजू यादव को सचिव, प्रमोद यादव को कोषाध्यक्ष और जयराम यादव को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। सदस्य के रूप में मिट्ठू यादव, धर्मेंद्र यादव, भुटटू यादव, राजेश यादव, सत्येंद्र यादव और नागेश्वर यादव को शामिल किया गया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि संगठन गांव-गांव जाकर शिक्षा का अलख जगाएगा, समाज में भाईचारा, शांति और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करेगा और छोटे-छोटे विवादों को आपसी बातचीत व मध्यस्थता से सुलझाने का प्रयास करेगा। संगठन का मानना है कि छोटी बातों को नजरअंदाज करने से बड़ी घटनाएं टाली जा सकती हैं, जिससे समाज की छवि सुरक्षित रह सके। मीडिया प्रभारी जयराम यादव ने कहा कि हाल के दिनों में हसनगंज जैसी घटनाएं, जहां भूमि विवाद में सगे चाचा की हत्या हो गई, पूरे समाज के लिए चेतावनी हैं। ऐसे मामलों से सबक लेते हुए संगठन एकजुट होकर समाज में जागरूकता फैलाएगा और इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए हर स्तर पर कार्य करेगा।

न्याय के साथ विकास के 20 साल बेमिसाल कार्यक्रम आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। जदयू के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर रविवार को नवादा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नारदीगंज प्रखंड के हण्डिया और पेश पंचायतों में 2005 के बाद बदलता बिहार–न्याय के साथ विकास के 20 साल बेमिसाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हण्डिया पंचायत की बैठक की अध्यक्षता पंचायत अध्यक्ष विक्की कुमार ने जबकि पेश पंचायत में अध्यक्षता पवन कुमार ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जदयू जिला अध्यक्ष मुकेश विद्यार्थी ने कहा कि वर्ष 2005 से पहले का बिहार भय, भ्रष्टाचार और अव्यवस्था के अंधकार में डूबा हुआ था। शाम ढलते ही लोग घरों में कैद हो जाते थे। सामाजिक तनाव, जातीय उन्माद और विधि-व्यवस्था की जर्जर स्थिति आम बात थी। ऐसे कठिन समय में जनता ने नीतीश कुमार को राज्य की कमान सौंपी और उन्होंने न्याय के साथ विकास की अवधारणा को धरातल पर उतार कर बिहार की तस्वीर बदल दी। उन्होंने बताया कि 2005 से 2010 के बीच राज्य को भयमुक्त बनाते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे में सुधार की शुरुआत हुई। साइकिल योजना, स्कूलों में शिक्षक नियुक्ति और सड़क निर्माण जैसी योजनाएं लायी गईं। 2010 से 2015 तक बिजली की व्यापक आपूर्ति सुनिश्चित की गई। मुख्यमंत्री ने वादा किया था कि जब तक हर घर तक बिजली नहीं पहुंचेगी, वे वोट नहीं मांगेंगे–और उन्होंने अपना वादा निभाया। वक्ताओं ने कहा कि समाज सुधार अभियानों के तहत शराबबंदी, बाल विवाह और दहेज प्रथा पर कठोर कार्रवाई की गई। अनुसूचित जाति, जनजाति, अति पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक समुदाय और महिलाओं को योजनाओं का लाभ दिया गया। मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के अंतर्गत इंटर उत्तीर्ण छात्राओं को 25,000 और स्नातक पास करने पर 50,000 की आर्थिक सहायता दी जा रही है। कार्यक्रम में जानकारी दी गई कि सिंचाई के लिए नहरों का विस्तार, निजी नलकूपों को बढ़ावा, चेक डैम, आहार-पैन का निर्माण जैसे कार्य तेजी से चल रहे हैं। गांव-टोले में सोलर स्ट्रीट लाइट, शहरों में नागरिक सुविधाओं के विकास और युवाओं को रोजगार देने के लिए सात निश्चय-2 के तहत 12 लाख सरकारी नौकरी और 38 लाख रोजगार का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे वर्ष 2025 के विधानसभा चुनाव से पहले पूरा करने का दावा किया गया।

नारायण सेवा संस्थान दिव्यांगों को न केवल चलना सीखा रहा बल्कि उन्हें जीने की उम्मीद भी दे रहा : राज्यपाल

नारायण सेवा संस्थान के निःशुल्क शिविर में 470 दिव्यांगों को कृत्रिम अंग लगाए गए

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उदयपुर स्थित नारायण सेवा संस्थान द्वारा पटना के दानापुर में आयोजित नारायण लिम्ब एवं कैलिपर्स फिटमेंट शिविर में शनिवार को एक नई मिसाल कायम हुई जब 470 दिव्यांगजनों को उच्च गुणवत्ता के कृत्रिम अंग व कैलिपर्स लगाए गए। इस सेवा के माध्यम से न केवल उन्हें चलने-फिरने की स्वतंत्रता मिली, बल्कि आत्मविश्वास व आत्मनिर्भरता की भावना का नव संचार भी हुआ। इस अवसर पर बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने मुख्य अतिथि के रूप में शिविर का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। दिव्यांगजनों से स्नेहपूर्वक संवाद करते हुए उन्होंने कहा 'भारत की सेवा संस्कृति अमर है। नारायण सेवा संस्थान इस संस्कृति को साकार कर रहा है, जो नर में नारायण देखकर सेवा कर रहा है। नारायण सेवा संस्थान दिव्यांगों को न केवल चलना सिखा रहा, बल्कि उन्हें जीने की उम्मीद भी दे रहा है। संस्थान दिव्यांगजनों को सशक्त बनाकर उनके खोये आत्मविश्वास को लौटा रहा है - यह कार्य अत्यंत प्रशंसनीय है। राज्यपाल ने संस्थान को हर संभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। शिविर में संस्थान ट्रस्टी-निदेशक देवेंद्र चौबीसा सहित बिहार भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं दीघा विधायक डॉ. संजीव चौरसिया, पद्मश्री विमल जैन, एवं समाजसेवी विजय जैन विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचासीन रहे। देवेन्द्र चौबीसा ने अतिथियों का पारंपरिक मेवाड़ी पद्धति से स्वागत करते हुए बताया कि 9 मार्च को आयोजित पूर्व-जांच शिविर में 1100 से अधिक दिव्यांगों का परीक्षण किया गया था जिनमें से 470 का चयन कृत्रिम अंगों के लिए किया गया। आज उन्हें यह उपहार सौंपा गया। शिविर में अपर व लोअर लिम्ब, मल्टीपल कृत्रिम अंग एवं जर्मन टेक्नोलॉजी आधारित कैलिपर्स लगाए गए। लाभार्थियों ने उत्साहपूर्वक अंग पहनकर मार्च पास्ट भी किया जिससे उनकी आत्मशक्ति झलकती रही।

विपक्ष रोजगार के नाम पर युवकों को दे रहा झांसा : संतोष सुमन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष व मंत्री डॉ. संतोष सुमन ने कहा है कि विपक्ष बिहार के युवाओं को रोजगार का झांसा देकर अपनी खुद की बेरोजगारी दूर करना चाहता है। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दो टुकड़ों में सरकार में रोजगार दिया था। श्री सुमन ने कहा कि पहली बार महज 20 महीने बाद ही सीएम ने तेजस्वी यादव को सरकार से निकाल कर बेरोजगार कर दिया था क्योंकि वे अपने ऊपर भ्रष्टाचार व बेनामी सम्पत्ति हथियाने के लगे आरोपों की सफाई नहीं दे सके थे।

उन्होंने कहा कि 2022 में तेजस्वी ने पिछले दरवाजे से दूसरी बार सरकार में अपने लिए रोजगार का जुगाड़ किया मगर तिकड़म के कारण 17 महीने में ही फिर पैदल हो गए। तीसरी बार अब बिहार के युवाओं को झांसा देकर 20 महीने का मौका मांग रहे हैं, मगर उनका पिछला ट्रैक रिकार्ड इतना खराब है कि अब कभी मौका मिलने वाला नहीं है। इसलिए उन्हें 2030 तक बेरोजगार ही रहना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बिहार के युवा और अन्य मतदाता सत्ता के लिए बेचैन तेजस्वी यादव के झांसे को समझ रहा है।

भाजपा की बदौलत ही लालू यादव मुख्यमंत्री बने थे : सम्राट चौधरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव को निशाने पर लेते हुए रविवार को कहा कि उन्हें भाजपा का शुक्रगुजार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि लालू यादव भाजपा की कृपा से ही मुख्यमंत्री बने थे, लेकिन आज वह भाजपा के सबसे बड़े विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को पता भी नहीं होगा कि भाजपा ने ही लालू यादव को मुख्यमंत्री बनाया था। अगर भाजपा ने अपने 32 विधायकों का समर्थन नहीं दिया होता, तो लालू यादव मुख्यमंत्री बने ही नहीं होते, कहीं भजन कीर्तन कर रहे होते। सम्राट चौधरी ने एक इंटरव्यू में लालू यादव पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मेरी राजनीतिक पैदाइश ही नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाने के लिए हुई। मैं तो राजनीति में आता ही नहीं। लालू यादव अगर हमें जेल नहीं भेजा होता, तो मैं राजनीति में आता ही नहीं। उन्होंने कहा कि पहले राजा आए, फिर रानी लाए, फिर राजकुमार लाए, राजकुमारी लाए। यही लालू जी का राजनीतिक विचारधारा है। उनके लिए बिहार के विकास का कोई मॉडल नहीं है, लेकिन मेरी राजनीति स्पष्ट है, अगर 1995 में लालू जी ने मेरे परिवार के 22 लोगों को जेल में नहीं डाला होता, तो मैं राजनीति में भी नहीं आता। मैं तो 3 साल केस लड़ता रहा जिसने मच्छर भी नहीं मारा होगा उसके ऊपर लालू यादव ने 17 मर्डर केस डाले। मैं पीड़ा से राजनीति में आया हूं और संघर्ष भी करता हूं। नीतीश विरोधी राजनीति के सवाल के जवाब में सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार की राजनीति घूमती रहती है। कभी हम सत्ता में होते, कभी विपक्ष में होते हैं जब हम नीतीश जी के खिलाफ में थे तो उनके खिलाफ लड़ता था। आज समर्थन में हैं तो सबसे पहले सम्राट चौधरी उनकी पीठ पीछे खड़ा है। इसमें कहां कोई संशय है। लालू बताएं वो नीतीश के पीछे क्यों जाते हैं? सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार को नीतीश कुमार ने बनाया है, इसमें कोई मतभेद नहीं है। लालू यादव को भी बड़ा मौका मिला था। 15 साल खुद मुख्यमंत्री रहे और फिर अपने मुखौटा को 8 साल रखा, लेकिन बिहार में कुछ नहीं किया। वो कहते हैं सामाजिक न्याय का काम किया, लेकिन सामाजिक न्याय का मतलब ये थोड़े ही होता है कि कोई राजा बन जाए। वो आए थे गरीब का बेटा बनकर और सत्ता में बैठकर राजा हो गए।

चुनाव आयोग की पहल सराहनीय : डा. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार भाजपा के वरीय नेता व बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने बिहार मतदाता सूची में एस आई आर/गहन विशेष पुनरीक्षण मतदाता सूची का समर्थन में कहा कि इसको लागू करना चुनाव आयोग का सराहणीय कदम है। वहीं डॉक्टर कुमार ने विपक्ष के बयान का खंडन करते हुए कहा कि कांग्रेस, राजद, वामदल, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस जैसी पार्टियों देश को, बिहार को, बंगाल को शरणार्थी कैंप/धर्मशाला बनाकर रखना चाहती है। देश के मूल निवासी सभी गरीब-गुरबों के पास देश के नागरिक होने के पर्याप्त सबूत है। अवैध प्रवासी/घुसपैठ कर भारत में रह रहे लोग देश पर आर्थिक बोझ बने हुए हैं। विकास की योजनाओं का नाजायज लाभ लेते हैं। देश के गरीब-गुरबों की हकमारी कर रहे हैं। भारत के मूल निवासी के पास अगर पर्याप्त सबूत नहीं होते तो 7 मार्च 2025 तक 55.05 करोड़ जन धन खाते गरीब के नहीं खुले होते जिसमें 36.63 करोड़ रुपए जमा है। इन खाता के खुलवाने में लोगों ने पर्याप्त दस्तावेज बैंक में जमा कर खाता खुलवाएं हैं। वही आज देश के नौ राज्यों में हिंदू अल्पसंख्यक हो चुके हैं। देश के सीमावर्ती 200 जिलों की जनसंख्या का डेमोग्राफी बदल चुका है। देश में 10 करोड़ से अधिक अवैध बांग्लादेशी, रोहंगिया रह रहे हैं। देश में पांच ऑस्ट्रेलिया देश के बराबर भारत में अवैध प्रवासी रह रहे हैं। जनसंख्या का बोझ देश की आर्थिक तरक्की में बाधक है। कांग्रेस, तृण मूल, वामदल, राजद, सपा जैसी पार्टियों वोट की लालच में अवैध प्रवासियों को मतदाता बनाए हुए हैं जिन्हें हटाना आवश्यक है। विशेष ग्रहण पुनरीक्षण मतदाता सूची का होने से अवैध मतदाता का नाम हटेगा। देश के गरीबों का हाकमरी बंद होगी। देश तेजी से तरक्की करेगा। चुनाव आयोग के इस कदम का मैं समर्थन करता हूं।

लैब टेक्नीशियन जल्द कहलाएंगे 'लैब टेक्नोलॉजिस्ट' : मंगल पांडेय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

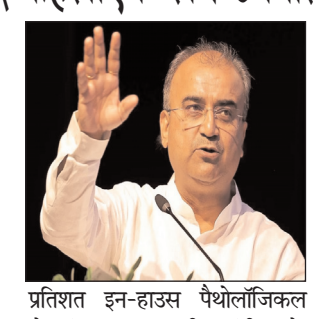

पटना। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय ने रविवार को पटना के आईजीआईएमएस ऑडिटोरियम में एआईएमएलटीए की ओर से आयोजित लैबटेकॉन - 2025 राज्यस्तरीय सम्मेलन एवं वैज्ञानिक संगोष्ठी को संबोधित किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पिछले 5-6 वर्षों में सरकार ने लगभग 2,200 से अधिक लैब टेक्नीशियन की नियुक्ति की है और 2350 पदों पर वैकेंसी निकाली गई है। 2300 पदों पर होने वाली बहाली किसी तकनीकी कारणों से पूर्ण नहीं की गई जो प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि सभी सदर अस्पतालों में 100 प्रतिशत इन-हाउस पैथोलॉजिकल सेवाएं उपलब्ध करायी जाएंगी इसके लिए आवश्यक केमिकल्स और उपकरण जिलों को भेजे जा रहे हैं। एआईएमएलटीए निजी क्षेत्र में काम कर रहे लैब टेक्नोलॉजिस्ट को भी नीतिगत समर्थन दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले टेक्नीशियन को भी ट्रेनिंग, आर्थिक और संस्थागत मदद मिल सके ताकि वे भी स्वास्थ्य सेवा के स्तर को ऊपर उठाने में भागीदार बनें। श्री पांडेय ने कहा कि सरकार शीघ्र ही एआईएमएलटीए द्वारा रखे गए प्रस्तावों पर कार्रवाई करेगी और जल्द ही लैब टेक्नीशियन की 'लैब टेक्नोलॉजिस्ट' के नामांकन की औपचारिक प्रक्रिया शुरू की जाएगी। यह सिर्फ नाम परिवर्तन नहीं, बल्कि उनके परिश्रम और तकनीकी ज्ञान का सम्मान है। उन्होंने कहा कि आपका काम सिर्फ नमूनों की जांच नहीं बल्कि किसी भी बीमारी के निदान की पहली और निर्णायक कड़ी है। स्वास्थ्य सेवा की रीढ़ अगर कोई है, तो वो आप हैं।

कांग्रेस हमेशा वंचितों के साथ खड़ी रही : दिग्विजय सिंह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने रविवार को राष्ट्रीय घरेलू कामगार संगठन की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस आपकी मांगों के साथ खड़ी है। हमारी सरकार बनती है तो हम आपके लिए सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा की व्यवस्था करेंगे। हम इसे अभी बिहार के चुनाव घोषणापत्र में भी डालेंगे। आप हमारे लिये अपना घर बार सब छोड़ कर अठारह घंटे काम करते हो, यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम आपके साथ खड़े हों। उन्होंने कहा कि घरेलू कामगार अपना सब कुछ छोड़ लोगों के पास जाती है, पर न तो उसे सामाजिक सुरक्षा ही मिल पाती है और न ही आर्थिक सुरक्षा है।

विश्व की शिक्षा राजधानी बिहार को भाजपा-जेडीयू ने बदहाल कर दिया : दिग्विजय सिंह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार की शिक्षा का परचम पूरे विश्व में लहराता था। नालंदा विश्वविद्यालय हो या विक्रमशिला विश्वविद्यालय तिब्बत, चीन, जापान, कोरिया, सुमात्रा, मंगोलिया आदि देशों से विद्यार्थी यहां शिक्षा लेने आते थे। चीनी यात्री ह्वेनसांग और इ-त्सिंग ने इसके वैभव की बहुत प्रशंसा करते नहीं थकते थे। आज उसी बिहार को भाजपा और जेडीयू की सरकार ने युवाओं के भविष्य बेचने का केंद्र बना दिया है। भर्ती प्रवेश परीक्षा के घोटाले, जर्जर स्कूल भवन और युवाओं का पलायन ये बिहार की शिक्षा का भाग्य बन गया है। आज मोदी सरकार खुद कह रही है कि बिहार को बर्बाद भाजपा जेडीयू ने किया है। ये बातें बिहार कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राज्यसभा सांसद और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कही। राज्यसभा सांसद एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने क्रमवार आंकड़े पेश करके विस्तार से निम्नांकित बातों को प्रमुखता से संवाददाता सम्मेलन में रखी। उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार की स्कूली शिक्षा की रिपोर्ट बिहार के लिए चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा कि सरकारी स्कूलों की बदहाली और ड्रॉपआउट रेट देश में सबसे ज्यादा, न स्कूलों में बिजली न शिक्षक, न कंप्यूटर न लाइब्रेरी मौजूद है। पटना यह प्रदर्शन पूरे देश में सबसे खराब है। बिजली की सुविधा से वंचित स्कूल पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि 78,120 में से 16,529 स्कूलों में अब भी बिजली नहीं है। कंप्यूटर रहित स्कूल और कुल 78,120 शासकीय स्कूलों में से मात्र 5,057 स्कूलों में कंप्यूटर हैं, अर्थात मात्र 6.5% स्कूलों में यह सुविधा मौजूद है । बिहार में 2,637 स्कूल ऐसे हैं जहां सिर्फ एक शिक्षक है और इन स्कूलों में 2.91 लाख छात्र नामांकित हैं। वहीं राज्य में 117 स्कूल ऐसे हैं जहां एक भी छात्र नहीं पढ़ता है, फिर भी इन स्कूलों में 544 शिक्षक तैनात हैं। स्कूलों से ड्रॉप-आउट रेट भी सबसे अधिक बिहार का ही है जिसमें प्राइमरी (1-5): 8.9%, अपर प्राइमरी (6-8): 25.9%, सेकेंडरी (9-10): 25.63% ड्रॉप-आउट रेट है।

वक्फ और संविधान दोनों को बचाना है : सलमान खुर्शीद

सांप्रदायिक सद्भाव और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद ने रविवार को कहा कि वक्फ को भी बचाना है और संविधान को भी बचाना है। उन्होंने कहा कि यह हमारे देश की सांप्रदायिक सद्भावना और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक है। सलमान खुर्शीद पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। वह वक्फ कानून के विरोध में यहां आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने पटना पहुंचे थे। उन्होंने बिहार में चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण पर भी गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर सभी राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी चिंताएं जाहिर की है। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर इसे गंभीरता से देखा जाना चाहिए क्योंकि मतदाता सूची में अनियमितताएं लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं। सलमान खुर्शीद ने कहा कि भारत आज एक ऐसे मोड़ पर है जहां हमें यह देखना जरूरी है कि हम कहां हैं और किस दिशा में जा रहे हैं। हम झगड़ते और लड़ते हुए पीछे हट रहे हैं। इसलिए पूरे देश को इस स्थिति पर ध्यान देना चाहिए और मिलकर यह समझना होगा कि हम कहां-कहां पिछड़ रहे हैं। उन्होंने संविधान की गरिमा और लोकतंत्र की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि सभी वर्गों और समुदायों के अधिकारों की सुरक्षा जरूरी है। सलमान खुर्शीद ने इस बात पर भी बल दिया कि राजनीतिक दलों को एकजुट होकर देश के संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करनी चाहिए ताकि भारत विकास के पथ पर निरंतर आगे बढ़ सके। पटना में उनके आगमन के दौरान, विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे, जिन्होंने वक्फ कानून के संरक्षण और मतदाता सूची के उचित पुनरीक्षण की मांग को समर्थन दिया।

चिकित्सा क्षेत्र के मसीहाओं को मारवाड़ी हेल्थ सोसाइटी ने दिया सम्मान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। समाज के लिए समर्पित चिकित्सकों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए मारवाड़ी हेल्थ सोसाइटी पटना ने रविवार को एक गरिमामय समारोह में कई प्रतिष्ठित चिकित्सकों को सम्मानित किया। डॉक्टर्स डे की पूर्व संध्या पर राजेन्द्र नगर रोड नंबर 7 स्थित सोसाइटी परिसर में यह यादगार आयोजन हुआ। समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि बिहार विधान परिषद के उपनेता एवं समाजसेवी ललन सर्राफ और विशिष्ट अतिथि पद्म श्री से सम्मानित डॉ. हेमंत कुमार ने किया। इस मौके पर ललन सर्राफ ने कहा कि चिकित्सक समाज की रीढ़ हैं। उनके बिना न केवल बीमार व्यक्ति, बल्कि पूरा सामाजिक ढांचा असंतुलित हो जाता है। डॉक्टर केवल इलाज नहीं करते, वे जीवन की आशा लौटाते हैं। उन्होंने ऐसे आयोजनों को समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने वाला बताया और हेल्थ सोसाइटी की सराहना की। साथ ही चिकित्सा क्षेत्र में गरीबों के लिए चलाई जा रही लाभकारी सरकारी योजनाओं के बारे में भी बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सोसाइटी के अध्यक्ष राधेश्याम बंसल ने कहा कि यह सम्मान केवल चिकित्सकों का नहीं, उनके समर्पण, सेवा और उस मानवीय संवेदना का है जो उन्होंने वर्षों से समाज के प्रति दिखाई है। कार्यकारी अध्यक्ष हनुमान गोयल ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य सिर्फ सम्मान करना नहीं, बल्कि युवाओं में सेवा और स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता जागृत करना भी है।

इस अवसर पर अत्याधुनिक एक्स-रे मशीन एवं ब्लड जांच मशीन का लोकार्पण भी किया गया। सचिव दिनेश अग्रवाल ने बताया कि इससे गरीब व वंचित तबके के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ हो सकेंगी।

अल्पसंख्यकों के प्रति राजद की हमदर्दी महज दिखावा : उमेश सिंह कुशवाहा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि राजद की अल्पसंख्यकों के प्रति हमदर्दी महज दिखावा है। यह केवल राजनीतिक स्वार्थ और वोट बैंक की लालसा से प्रेरित रही है। उन्होंने कहा कि परिवारवाद की मानसिकता रखने वाले लोग समाज के सच्चे हितैषी नहीं हो सकते और बिहार की जनता इस सच्चाई को भली-भांति समझ चुकी है। उन्होंने जारी बयान में कहा कि लालू-राबड़ी शासनकाल के 15 वर्षों में अल्पसंख्यकों के वास्तविक सशक्तिकरण हेतु ऐसा कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं हुआ जिसे उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जा सके। कुशवाहा ने कहा कि राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने भागलपुर दंगे के मुख्य आरोपी को संरक्षण दिया और उसे सार्वजनिक मंच पर सम्मानित कर अल्पसंख्यक समाज की भावनाओं को गहरा आघात पहुंचाया जिसे समाज आज तक नहीं भूल पाया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अल्पसंख्यक समाज के अधिकारों की रक्षा, उनके सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए जो ऐतिहासिक कार्य किए गए हैं, वे पूरे देश में अनुकरणीय हैं। वर्ष 2005 में जहां अल्पसंख्यक कल्याण बजट मात्र 3.53 करोड़ था, वह अब बढ़कर 1004.22 करोड़ से अधिक हो चुका है, जो इस दिशा में सरकार की संकल्पबद्धता का प्रमाण है।

वाणिज्य महाविद्यालय, पटना विश्वविद्यालय के 1980-84 के स्टार बैच ग्रुप के छात्रों का द्वितीय पुनर्मिलन सम्पन्न

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। वाणिज्य महाविद्यालय, पटना विश्वविद्यालय के 1980-84 के स्टार बैच ग्रुप के छात्रों का द्वितीय पुनर्मिलन 28 जून 2025 को संध्या वाराणसी में ओम विलास रिसॉर्ट बहुत धूमधाम से सम्पन्न हुआ। इस पुनर्मिलन का मुख्य उद्देश्य चालीस वर्षों के पुराने मित्रों को जो पूरे देश-विदेश में रहते उन लोगों एकत्रित करना और उन मित्रों समन्वय स्थापित करना साथ कुछ सामाजिक कार्य करना भी है इसमें मुख्य भूमिका के रूप में ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी संजय किशोर के साथ अजय जी, पवन जी अमरेंद्र जी के साथ में अन्य मित्र भी थे। ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी संजय किशोर ने बताया कि हमारे पुनर्मिलन की पहली बैठक 17 मई 2025 को होटल मौर्या में हुई थी जिसमें हमने पर्यावरण संरक्षण के लिए कई काम करने का निर्णय लिया था साथ हम लोग प्रत्येक महीने में बैठक करेंगे और अपने 40 वर्षों पुराने मित्रों के साथ समन्वय स्थापित करेंगे। इस द्वितीय बैठक में हम अपनी पहली बैठक की चर्चाओं की पुनः समीक्षा किए और आगे के कार्यों की योजना बनाएंगे जिसमें मुख्य रूप से अगले बैठक संभावित रांची में आयोजित करने के लिए विचार विमर्श किया गया।

राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस समारोह आज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारत सरकार द्वारा हर वर्ष 29 जून को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस के रूप में मनाया जाता है, ताकि देश के नागरिकों, विशेषकर युवाओं को सांख्यिकी के सामाजिक-आर्थिक योजना निर्माण में महत्व के प्रति जागरूक किया जा सके। यह दिन भारत के महान सांख्यिकीविद् प्रो. प्रशांत चंद्र महालनोबिस की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार के अधीनस्थ राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (क्षे. सं. प्र.), क्षेत्रीय कार्यालय, पटना द्वारा राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस वर्ष का थीम 'राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के 75 वर्ष' है। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन एवं प्रो. महालनोबिस की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन उप महानिदेशक एवं क्षेत्रीय प्रमुख रोशन लाल साहू के द्वारा किया गया। उपमहानिदेशक रोशन लाल साहू ने अपने संबोधन में प्रो. पी. सी. महालनोबिस के योगदान को याद करते हुए कहा कि सांख्यिकी न केवल अनुसंधान का माध्यम है, बल्कि सुशासन की नींव भी है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे आंकड़ों के महत्व को समझें और इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए आगे आएं। इसके पश्चात महेश प्रसाद, उपनिदेशक, अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, श्रीमती रश्मि, उपनिदेशक, अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय के अलावे विशिष्ट अतिथियों (डॉ. नम्रता सहायक प्राध्यापक, मगध महिला कॉलेज पटना, डॉ. प्रमीत कुमार विनीत सहायक प्राध्यापक, साइंस कॉलेज पटना, विशाल विजय सहायक प्राध्यापक बी.डी.कॉलेज पटना, डॉ. शान्तनु साहू सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र विभाग पटना विश्वविद्यालय) ने अपने सारगर्भित वक्तव्यों के माध्यम से उपस्थित जनसमूह को सांख्यिकी के मूलभूत सिद्धांतों एवं उसकी उपयोगिता से अवगत कराया।

वैश्य समाज बिहार की अर्थव्यवस्था की रीढ़ : तेजस्वी यादव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने महागठबंधन की सरकार बनने पर व्यापारियों, युवाओं और गरीबों के लिए कई वादे किए। इसके साथ ही उन्होंने यह भी समझाया कि बनिया होने का मतलब क्या होता है? तेजस्वी ने वैश्य समाज से अपील की कि वे महागठबंधन को वोट देकर बिहार को नई दिशा दें।

तेजस्वी यादव पटना के बापू सभागार में आयोजित वैश्य प्रतिनिधि सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। सम्मेलन का आयोजन राष्ट्रीय वैश्य सभा ने किया था। तेजस्वी यादव ने कहा कि वैश्य समाज बिहार की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। हमारी सरकार बनने पर व्यापारियों को हर संभव सहायता दी जाएगी। स्मार्ट मीटर हटाकर 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली दी जाएगी और गैस सिलेंडर के दाम 1200 से घटाकर सस्ते किए जाएंगे। उन्होंने छोटे-मोटे उद्योगों और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए इंडस्ट्रियल क्लस्टर और टेक्सटाइल पार्क स्थापित करने का वादा किया। साथ ही जमीन सर्वे में गड़बड़ियों को रोकने और डोमिसाइल नीति लागू करने का आश्वासन दिया ताकि बिहार के मूल निवासियों को नौकरियों में प्राथमिकता मिले।

वक्फ कानून की लगातार लड़ाई लड़ेगी कांग्रेस : डॉ सैय्यद नासिर हुसैन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। वक्फ संशोधन कानून पर पटना में आयोजित विरोध प्रदर्शन में शामिल होने पटना पहुंचे अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के राष्ट्रीय महासचिव व सांसद डॉ सैय्यद नासिर हुसैन ने विरोध प्रदर्शन के बाद प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। राष्ट्रीय महासचिव व सांसद डॉ सैय्यद नासिर हुसैन ने कहा कि पटना में वक्फ एक्ट को लेकर गांधी मैदान में बड़ा विरोध प्रदर्शन हुआ। इस विरोध प्रदर्शन में देश के नेता विपक्ष राहुल गांधी और हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को आमंत्रण था, लेकिन पूर्व कार्यक्रम के कारण उन्होंने अपना संदेश आज यहां भेजने का काम किया। संसद में बिल संख्या बल पर कानून बन जाती है। भाजपा सेक्युलर शब्द को संविधान से निकालने के लगातार प्रयास में है और अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की पहचान को खत्म करने की कवायद यह चल रही है। ये भाजपा के द्वारा संगठित तौर पर देश की संविधान को खत्म करने की ओर कदम है। ये संविधान बदलने की पूरी तैयारी कर रखे थे और इसीलिए बार-बार संविधान में प्रदत्त अनुच्छेद का ही इस्तेमाल करके भाजपा अंतिम प्रयास कर रही है। संविधान के संशोधन पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा देश में नफरत फैलाने, ऊंच नीच को बढ़ाने, असमानता बढ़ाने और देश की निरपेक्षता पर हमला कर रहे हैं। विकास और देश की बेहतरी के मुद्दे पर भाजपा चुनाव नहीं लड़ना चाहती है इसलिए वो ऐसे मुद्दों को चुनकर हमेशा देश को दंगे फसाद में झोंकने की ओर कोशिश की जा रही है।

संपादकीय

शुभांशु की उड़ान से गगनयान को मिला नया आत्मविश्वास

अंतरिक्ष अब कुतूहल का विषय नहीं, बल्कि कारोबारी संभावनाओं के अनंत आकाश में तब्दील हो चुका है। इसीलिए दुनिया के तमाम उन्नत देश अंतरिक्ष में अपनी पहचान अंकित करने की होड़ में नजर आते हैं। भारत भी पिछले कुछ वर्षों से अपने तकनीकी विकास, अनुसंधान क्षमता और प्रणाली के बल पर अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस जैसे अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी देशों की कतार में शामिल हो गया है। उपग्रह प्रक्षेपण के कारोबार में तो वह दुनिया के कई देशों को चुनौती देने लगा है। अब भारत अपनी महत्त्वाकांक्षी गगनयान योजना पर काम कर रहा है। उस दिशा में एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। अमेरिकी अंतरिक्ष अनुसंधान एजंसी नासा ने एक्सिओम मिशन-4 के तहत जिन चार अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजा है, उनमें भारतीय वायुसेना के कप्तान शुभांशु शुक्ल भी शामिल हैं। शुभांशु को खासतौर पर गगनयान मिशन की दृष्टि से ही तैयार किया गया था। वे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंच कर सात प्रयोग करेंगे। यह भारत के लिए इसलिए भी बड़ी उपलब्धि है कि लंबे समय बाद उसका तैयार किया हुआ कोई अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में गया है। राकेश शर्मा के बाद शुभांशु को दूसरे भारतीय अंतरिक्ष यात्री का गौरव प्राप्त हुआ है।अंतरिक्ष में मानव को भेजना इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि उन्नत अंतरिक्ष यानों, ताकतवर कैमरों, रोबोटिक यंत्रों आदि के विकास के बावजूद अंतरिक्ष के विस्तार को पूरी तरह खंगाल पाना संभव नहीं है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित किया गया, ताकि वहां रह कर अंतरिक्ष यात्री विभिन्न क्षेत्रों का अध्ययन कर सकें। मगर उस स्टेशन तक मानव को भेजना और वापस लाना अब भी बड़ी चुनौती है। सुनीता विलियम्स के वहां लंबे समय तक फंस जाने की घटना से इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।जिन यात्रियों को वहां भेजा जाता है, उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से विशेष प्रशिक्षण की जरूरत होती है, क्योंकि अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने के लिए जिस तरह शरीर को ढालने की जरूरत होती है, वह कम ही लोग कर पाते हैं। फिर, उस स्टेशन तक यात्रियों को भेजने के लिए भरोसेमंद यान अभी तक अमेरिका ही विकसित कर पाया है। शुभांशु के अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने से भारत को अपने अंतरिक्ष यात्री तैयार करने का रास्ता खुलेगा और गगनयान मिशन के लिए काम करने में काफी मदद मिलेगी।अंतरिक्ष के बहुत सारे रहस्य अभी खुलने बाकी हैं। उसका अध्ययन केवल इसलिए महत्त्वपूर्ण नहीं है कि उसमें जीवन की संभावनाओं की तलाश हो सकेगी। विभिन्न ग्रहों पर खनिजों और नए तत्त्वों की खोज से विज्ञान व मानवता के लिए नए रास्ते भी खुल सकेंगे। भविष्य में धरती के कई खनिज बढ़ती जरूरतों के आगे अपर्याप्त पड़ सकते हैं। इसलिए दूसरे ग्रहों पर उनकी तलाश अभी से करनी पड़ेगी। फिर, अब तो अंतरिक्ष पर्यटन पर जोर बढ़ रहा है। इस दिशा में कई सरकारी व निजी प्रयास हो रहे हैं।गगनयान मिशन को भी इसी दृष्टि से विकसित किया जा रहा है कि अंतरिक्ष पर्यटन की संभावनाओं को भुनाया जा सके। ऐसे में शुभांशु जैसे अंतरिक्ष यात्रियों की जरूरत बढ़ेगी।

दुनियाभर में माता-पिता आमतौर पर अब तक बेटियों की तुलना में बेटों को ज्यादा पसंद करते आ रहे हैं, लेकिन प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में एक सूक्ष्म, महत्वपूर्ण और बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि अब लड़के की तुलना में लड़कियों को अधिक पसंद किया जाने लगा है। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि लड़कियों के प्रति पूर्वाग्रह कम है और संभवतः लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह ज्यादा है। नए साक्ष्य एवं अध्ययन इस बदलाव का संकेत देते हैं, जो संभवतः बढ़ते एकल परिवार परम्परा, तथाकथित आधुनिक-सुविधावादी जीवनशैली एवं कैरियर से जुड़ी प्राथमिकताओं के चलते लड़कों से जुड़े एक सूक्ष्म भय, उपेक्षा एवं उदासीनता को उजागर करते हैं। 'द इकोनॉमिस्ट' द्वारा ताजा प्रकाशित रिपोर्टों में, लिंग प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में कुछ ऐसे ही दिलचस्प रुझान सामने आए हैं, जिसमें लड़कों के प्रति सदियों पुराना झुकाव अब कम हो रहा है।

बेटियों के लिये मोह बढ़ना संतुलित समाज का आधार

(ललित गर्ग)

इक्कीसवीं सदी की चौखट पर खड़ी दुनिया में बड़े व्यापक बदलाव हो रहे हैं। इंसानी रिश्तों की अहमियत को लेकर भी नई सोच पनप रही है। अब अमेरिका, दक्षिण कोरिया, भारत और चीन में, लिंग अनुपात सामान्य या यहां तक कि बेटी की पसंद के संकेत दिखाने लगा है।

दुनियाभर में माता-पिता आमतौर पर अब तक बेटियों की तुलना में बेटों को ज्यादा पसंद करते आ रहे हैं, लेकिन प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में एक सूक्ष्म, महत्वपूर्ण और बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि अब लड़के की तुलना में लड़कियों को अधिक पसंद किया जाने लगा है। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि लड़कियों के प्रति पूर्वाग्रह कम है और संभवतः लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह ज्यादा है। नए साक्ष्य एवं अध्ययन इस बदलाव का संकेत देते हैं, जो संभवतः बढ़ते एकल परिवार परम्परा, तथाकथित आधुनिक-सुविधावादी जीवनशैली एवं कैरियर से जुड़ी प्राथमिकताओं के चलते लड़कों से जुड़े एक सूक्ष्म भय, उपेक्षा एवं उदासीनता को उजागर करते हैं। 'द इकोनॉमिस्ट' द्वारा ताजा प्रकाशित रिपोर्टों में, लिंग प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में कुछ ऐसे ही दिलचस्प रुझान सामने आए हैं, जिसमें लड़कों के प्रति सदियों पुराना झुकाव अब कम हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में माता-पिता अब लड़कों की तुलना में लड़कियों को भविष्य की सुरक्षा को लेकर अधिक पसंद कर रहे हैं। विकासशील देशों में, लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह कम हो रहा है, जबकि अमीर देशों में लड़कियों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, युवा पुरुषों और महिलाओं के बीच लैंगिक भूमिकाओं को लेकर विचारों में अंतर बढ़ता जा रहा है।

ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 में, भारत 148 देशों में 131वें स्थान पर है, जो पिछले वर्ष की तुलना में दो स्थान नीचे है, और इसका लैंगिक समानता स्कोर 64.1 प्रतिशत है। वर्तमान प्रगति की दर से, पूर्ण लैंगिक समानता प्राप्त करने में 134 वर्ष लगेंगे, जो दर्शाता है कि प्रगति की समग्र दर धीमी है। इन रिपोर्टों से पता चलता है कि दुनिया भर में लैंगिक समानता की दिशा में प्रगति हो रही है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। भारत के लिये लैंगिक समानता की दिशा में दो पायदान की गिरावट का सबसे बड़ा कारण महिला समानता को लेकर चल रहे आन्दोलन है। भारत की बेटियां आज अंतरिक्ष से लेकर खेल के मैदान तक में बुलंदियां छू रही हैं। वे परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने में उल्लेखनीय भूमिकाओं का निर्वाह कर रही है। सरकार द्वारा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', 'सुकन्या समृद्धि योजना' जैसे सराहनीय पहल के जरिए बेटियों को आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं।

इक्कीसवीं सदी की चौखट पर खड़ी दुनिया में बड़े व्यापक बदलाव हो रहे हैं। इंसानी रिश्तों की अहमियत को लेकर भी नई सोच पनप रही है। अब अमेरिका, दक्षिण कोरिया, भारत और चीन में, लिंग अनुपात सामान्य या यहां तक कि बेटी की पसंद के संकेत दिखाने लगा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस बदलाव की असल वजह क्या है? दरअसल, माता-पिता में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि बेटियां उनकी ढलती उम्र में धीरे-धीरे अधिक विश्वसनीय

देखभाल करने वाली साबित हो सकती हैं। उन्हें परिवार से गहरे तक जुड़े रहने की अधिक संभावना के रूप में देखा जाने लगा है। आज बेटियों को बेटों के मुकाबले बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शनकर्ता, परिवार सार-संभालकर्ता, माता-पिता के प्रति जिम्मेदारी निर्वाहकर्ता के रूप में देखा जाने लगा है। तेजी से कामकाजी दुनिया का हिस्सा बनने के कारण वे आर्थिक रूप से स्वावलंबी होने से अनेक पारिवारिक जिम्मेदारियों के लिये अधिक संवेदनशील है। ऐसा माना जाने लगा है कि बेटियां बेटों के मुकाबले में ज्यादा संवेदनशील होती हैं और जीवन के अंतिम पड़ाव में मां-बाप को सुरक्षा कवच प्रदान कर सकती हैं। जिसके चलते लोग बेटों के मुकाबले बेटियों को अपनी प्राथमिकता बनाने को तरजीह देने लगे हैं।

पश्चिमी देशों में गोद लेने और आईवीएफ के डेटा दिखाते हैं कि बेटियों को चुनने की दिशा में स्पष्ट झुकाव है। दरअसल, पश्चिमी देशों के एकल परिवारों में बेटे अपनी गृहस्थी बसाकर मां-बाप को उनके भाग्य पर छोड़ जाते हैं। भारत में भी यही स्थितियां देखने को मिल रही है। जबकि सदियों से भारत की समाज-व्यवस्था एवं परिवार-परम्परा पुत्र मोह की ग्रंथि से ग्रस्त रहा है। जिसके चलते शिशु लिंग अनुपात में असंतुलन बढ़ता गया है। देश में हुई 2016 की जनगणना में लड़कों की तुलना में लड़कियों की घटती संख्या के आंकड़े चौंकाते ही नहीं बल्कि दुखी भी करते हैं। जिस तरह से लड़के-लड़कियों का अनुपात असंतुलित हो रहा है, उससे ऐसी चिन्ता भी जतायी जाने लगी है कि यही स्थिति बनी रही तो लड़कियां कहां से लाएंगे? हालत यह है कि आंध्र प्रदेश में 2016 में प्रति एक हजार लड़कों के मुकाबले महज आठ सौ छह लड़कियों का जन्म दर्ज किया गया। हालांकि, अब आधिकारिक आंकड़े बता रहे हैं कि देश में शिशु लिंग अनुपात दर में सुधार हुआ है।

जन्म से पहले ही पता चल जाए कि लड़की यानी बालिका पैदा होगी तो माता-पिता उसकी जान लेने से भी नहीं कतराते। कन्या भ्रूण हत्या की बढ़ती घटनाएं इसी सोच का परिणाम बनी। पिछली सदी में समाज के एक बड़े वर्ग में यह एक विभीषिका ही थी कि परिवार की धुरी होते हुए भी नारी को वह स्थान प्राप्त नहीं था जिसकी वह अधिकारिणी थी। उसका मुख्य कारण था सदियों से चली आ रही कुरीतियाँ, अंधविश्वास व बालिका शिक्षा के प्रति संकीर्णता। कितनी विडम्बना है कि देश में हम 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा बुलन्द करते हुए एक जोरदार मुहिम चला रहे हैं उस देश में लगातार बालिकाओं की संख्या घटने का दाग लगता रहा है। यह दाग 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प पर भी लगा है और यह दाग हमारे द्वारा नारी को पूजने की परम्परा पर भी लगा है। लेकिन प्रश्न है कि हम कब बेदाग होंगे? लेकिन अब इस संकीर्ण सोच में बदलाव आना एक सुखद संकेत है।

अच्छे भविष्य के लिए हम बेटियों की पढ़ाई से ही सबसे ज्यादा उम्मीदें बांधते हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारे हमारे संकल्प को बताते हैं, हमारी सदिच्छा को दिखाते हैं, भविष्य को लेकर हमारी सोच को जाहिर करते हैं, लेकिन वर्तमान की हकीकत इससे उलट है, इसे बदलने में अभी भी लम्बा सफर तय करना होगा। बालिकाएं पढ़ाई में अपने झंडे भले ही गाड़ दें, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने से रोकने की क्रूरताएं कई तरह की हैं। शताब्दियों से हम साल में दो बार नवरात्र महोत्सव मनाते हुए कन्याओं को पूजते हैं। लेकिन विडम्बना देखिये कि सदियों की पूजा के बाद भी हमने कन्याओं को उनका उचित स्थान और सम्मान नहीं दे पाये हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) का सर्वे चिंता बढ़ाने वाला है। सर्वे के अनुसार, लगभग 15 फीसदी भारतीय माता-पिता अभी भी बेटियों की तुलना में बेटों की आकांक्षा रखते हैं। यही वजह है कि हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में विषम शिशु लिंगानुपात चिंता का विषय बना हुआ है।

लड़कियों को भावनात्मक लगाव या घरेलू स्थिरता के लिये तो महत्व दिया जा सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि पोषण, शिक्षा या विरासत तक उन्हें समान पहुंच दी जाए। भारतीय समाज में दहेज जैसी सांस्कृतिक प्रथाएं आज भी बेटी के माता-पिता की बड़ी चिंता बनी रहती हैं। परंपरावादी समाज में यह धारणा बलवती रही है कि बेटियां दूसरे परिवार की हैं। यही वजह है कि ग्रामीण और शहरी गरीब समुदायों में लड़कियां हाशिये पर रख जाती हैं। लेकिन इसके बावजूद भारत को लिंग समानता के वैश्विक आंदोलन की किसी भी तरह अनदेखी नहीं करनी चाहिए। ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 वैश्विक लैंगिक अंतर का आकलन और तुलना करने के लिए एक समझने योग्य ढांचा प्रदान करके और उन देशों को उजागर करके जो इन संसाधनों को महिलाओं और पुरुषों के बीच समान रूप से विभाजित करने में रोल मॉडल हैं, रिपोर्ट अधिक जागरूकता के साथ-साथ नीति निर्माताओं के बीच अधिक आदान-प्रदान के लिए उत्प्रेरक का काम करती है। भारत में समान संपत्ति अधिकार लागू करने, दहेज प्रथा की कुरीति को समाप्त करने की दिशा में सख्त कदम उठाने चाहिए। तभी भारतीय समाज में लिंगभेद की मानसिकता खत्म होगी और लैंगिक समानता की दिशा में मार्ग प्रशस्त होगा। साथ ही देश में तेजी से बढ़ती बुजुर्गों की आबादी के लिये बालिकाएं सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में आधार बन सकेगी। लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

शहरों में स्कूल, प्राइवेट फुल

(सरयूसुत मिश्रा)

सरकार हमेशा प्रयोगशाला में ही रहती है। सरकार का विज्ञान नए-नए प्रयोग करता है. इन प्रयोगों का सर्वाधिक शिकार स्कूली शिक्षा होती है. मध्य प्रदेश में तो स्कूली शिक्षा में हर मुख्यमंत्री ने नए-नए प्रयोग किए.. !!

किसी प्रयोग को अपना इच्छित लक्ष्य मिला है, ऐसा तो नहीं लगता. अभी स्कूल शिक्षा विभाग में तबादलों में भी इच्छाधारी प्रयोग किए गए हैं. कहने को तो शिक्षकों के सारे ट्रांसफर ऑनलाइन पोर्टल पर पारदर्शी ढंग से किए गए हैं. लेकिन मनमर्जी चलाने वाले को तो पोर्टल नहीं रोक सकता।

पोर्टल का सबसे बड़ा खेल तो व्यापम के रूप में परीक्षा में हो चुका है। तमाम सारी जांच, न्यायालय के आदेश, गिरफ्तारियां और सब तरह के प्रयोगों के बाद भी व्यवस्था में सुधार परिलक्षित नहीं हुआ. फिर अभी पुलिस की भर्तियों में ऐसे मामले प्रकाश में आए हैं. दूसरे को बिठाकर परीक्षा पास करने के आरोप में बहुत सारी गिरफ्तारियां हुई हैं. मुद्दे की बात है, कि मनमर्जी और करप्शन का वायरस ख़त्म ही नहीं होता, वह अपने रूप बदल लेता है. फाइलों से निकलकर पोर्टल पर पहुंच जाता है. फिर भी होता वही है, जो पदधारी इच्छा करते हैं।

तारीफ़ तो उन अखबारों की होना चाहिए जो जनहित से जुड़े मामले में पीड़ा उठाकर ऐसी खबरें सार्वजनिक कर देते हैं. ऐसी एक खबर में यह तथ्य सामने आया है, कि स्कूलों में शिक्षा विभाग ने तबादलों में गांव के स्कूल खाली कर दिए हैं और शहरों में जरूरत से ज्यादा शिक्षक भेज दिए गए।

सरकार की मंशा यही रही होगी, कि इन तबादलों में पारदर्शिता रखी जाए. लेकिन फिर भी ऑनलाइन पोर्टल पर भी विभाग के इच्छाधारियों ने अपनी इच्छा चलाने में सफलता प्राप्त कर ली. शिक्षकों के तबादले में शिक्षा विभाग की कार्य प्रणाली पर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं. यह सवाल तो ऐसे हैं, जो खड़े होने के लिए होते हैं. जिनके खिलाफ़ खड़े होते हैं, उनको भी पता होता है, कि सवाल खड़े होते रहेंगे और सब चलता रहेगा. इसीलिए तो सिस्टम में शामिल लोग ऐसा साहस कर पाते हैं।

इसका एक ही मतलब हो सकता है या तो ऐसी अनैतिकता में ऊपर से नीचे तक पूरा सिस्टम शामिल होगा. सिस्टम का कोई एक पार्ट गड़बड़ी करके बच नहीं सकता है. उसको तो पकड़ लिया जाएगा. वह इसी सूरत में बच सकता है जब पूरा सिस्टम मिलजुल कर किसी प्रयास को अंजाम दे रहा हो।

खबर में ऐसा बताया गया है, कि कई दूरस्थ गांवों में कई स्कूल ऐसे हैं, जहां सभी शिक्षकों के तबादले कर दिए गए. जिससे वह पूरी तौर से खाली हो गए. शहरी स्कूलों में जहां पहले से ही जरूरत से ज्यादा शिक्षक थे, वहां और भेज दिए गए हैं. कुछ स्कूल तो ऐसे भी हैं, जहां एक भी विद्यार्थी दर्ज नहीं है, फिर भी वहां शिक्षकों की पोस्टिंग की गई है।

गड़बड़ी की खबर उजागर होने के बाद प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा विभाग इस मामले को गंभीर मानते हुए कहते हैं, इसके लिए जिला शिक्षा अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी और कार्रवाई की जाएगी. पारदर्शिता के लिए बने पोर्टल में जानबूझकर ऐसी कमियां छोड़ी गईं, जिसमें चहेते लोगों का ट्रांसफर किया जा सके. खबर में यह भी दावा किया गया है, कि 18 जिलों के 80 स्कूलों की पड़ताल की गई, उसके आधार पर ही तबादलों में गड़बड़ियां उजागर हुई हैं।

अब इसमें तो कोई संदेह नहीं है, कि वही अभिभावक अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में भेजते हैं, जो प्राइवेट स्कूलों का खर्च उठाने में सक्षम नहीं होते. शिक्षा विभाग चलाने वाले सिस्टम के बड़े और छोटे सारे अपने बच्चों को प्रायवेट स्कूलों में ही भेजने की कोशिश करते हैं. स्टेट बोर्ड और सीबीएसई बोर्ड की अलग व्यवस्थाएं हैं, अलग पाठ्यक्रम है।

शिक्षा के लोकव्यापीकरण के नाम पर कभी यह व्यवस्था शिक्षा कर्मियों के हाथ में चली गई थी. अब धीरे-धीरे वह व्यवस्था सुधर रही है. शिक्षा एक सतत नीति और व्यवस्था की मांग करती है. एक ही दल की सरकार में भी शिक्षा की नीतियों में बदलाव देखा जाता है।

नाम बदलने का तो ट्रेंड जैसे इसलिए होता है, कि हर नए नेता को अपनी उपस्थिति जनता के बीच स्थापित करना जरूरी होता है. सीएम राइज स्कूल के रूप में जिन स्कूलों को चुना गया था उनमें जो सुधार और निर्माण होने थे, गुणवत्ता के हिसाब से जो बदलाव किए जाने थे, वह सब तो अभी भी अधूरे पड़े हुए हैं. इतना जरूर हुआ कि सीएम राइज स्कूल का नाम बदलकर संबंधित सांदीपनी स्कूल कर दिया गया है. नाम बदलने से गुणवत्ता कैसे सुधरेगी. यह बात आम आदमी तो नहीं समझ सकता. सरकारी सिस्टम ही इस रहस्य को समझने में सक्षम हो सकता है। सांदीपनी वह आश्रम है, जहां भगवान कृष्ण ने शिक्षा ग्रहण की थी. मध्य प्रदेश की उज्जैनी को यह गौरव हासिल हुआ है, कि कृष्ण ने वहां शिक्षा पाई है. पहली बार उज्जैन को यह गौरव मिला है, कि वहां के राजनेता को मुख्यमंत्री का पद हासिल हुआ है. स्कूलों का नामकरण सांदीपनी के नाम पर तो पहले से ही किया जाना चाहिए था. इससे अधिक उपयुक्त नाम स्कूलों के लिए नहीं हो सकता. सीएम राइज स्कूल वह फीलिंग नहीं देता जो सांदीपनि नाम से मिलती है।

केंद्र सरकार द्वारा लाई गई नई शिक्षा नीति में त्रिभाषा का फॉर्मूला लागू किया गया है. दक्षिण भारत और महाराष्ट्र में हिंदी को लेकर विवाद खड़े किए जा रहे हैं. भाषा अनुभव देती है. जितनी ज्यादा भाषा का ज्ञान होगी उतना ही रोजगार की संभावना बढ़ेगी।

सरकारों को स्कूली शिक्षा में बार-बार प्रयोग से बचने की जरूरत है. स्कूली शिक्षा की अधोसंरचना के विकास के साथ ही शिक्षा की गुणवत्ता पर सियासत से ऊपर उठकर काम करने की जरूरत है. शिक्षा ही भविष्य है. इसमें कोई भी गड़बड़ी भविष्य प्रभावित कर सकती है।

शिक्षा व्यवस्था इच्छाधारी ढंग से नहीं बल्कि गुणवत्ता और निरंतरता में होना जरूरी है. तबादलो में गड़बड़ियां सुधारने की बातें ही नहीं बल्कि वास्तव में किया जाना चाहिए. सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता बढ़ेगी, तो प्राइवेट स्कूलों में अधिक धन खर्चकर बच्चों को भेजने की प्रवृति भी घटेगी। वक्त ही है, जो चलता रहता है. किसी की प्रतीक्षा नहीं करता. वक्त के साथ वक्त पर जो सटीक कदम उठा लेगा, वही कल्याणकारी और विजयी साबित होगा। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

बाढ़ज़नित हादसों में कब तक होती रहेगी जन-धन की हानि

देश में सरकारी मशीनरी की तंद्रा तब भंग होती है, जब कोई बड़ा हादसा हो जाए। दूसरे शब्दों में कहें तो सरकारी तंत्र जागने के लिए बड़े हादसे की इंतजार में रहता है। पहले हुए हादसों से सबक सीखने की जरूरत महसूस नहीं की जाती। इसकी प्रमुख वजह है जिम्मेदारी का अभाव। यदि यह जिम्मेदारी तय कर दी जाए कि किसी तरह के हादसे के जिम्मेदारी संबंधित विभागों के अफसरों की होगी और हादसा होने की सूरत में उन्हें सख्त सजा मिलेगी, तभी हादसों पर लगाम लगाई जा सकती है। अभी मानसून की शुरुआत है।

(योगेंद्र योगी)

भारत में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले आर्थिक नुकसान में तेजी से वृद्धि हुई है। 2013-2022 के दशक में हर साल औसतन 8 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 66,000 करोड़ रुपये) का नुकसान हुआ। यह 2003-2012 के दशक की तुलना में 125 फीसदी अधिक है, जब यह आंकड़ा 3.8 अरब डॉलर था।

देश में सरकारी मशीनरी की तंद्रा तब भंग होती है, जब कोई बड़ा हादसा हो जाए। दूसरे शब्दों में कहें तो सरकारी तंत्र जागने के लिए बड़े हादसे की इंतजार में रहता है। पहले हुए हादसों से सबक सीखने की जरूरत महसूस नहीं की जाती। इसकी प्रमुख वजह है जिम्मेदारी का अभाव। यदि यह जिम्मेदारी तय कर दी जाए कि किसी तरह के हादसे के जिम्मेदारी संबंधित विभागों के अफसरों की होगी और हादसा होने की सूरत में उन्हें सख्त सजा मिलेगी, तभी हादसों पर लगाम लगाई जा सकती है। अभी मानसून की शुरुआत है। हर साल मानूसन के दौरान देश में बाढ़ जनित हादसों में सैकड़ों लोगों की मौत होती है। भारी बारिश से देश को अरबों रुपयों की सम्पत्ति का नुकसान होता है। जन-धन की इस हानि की किसी जिम्मेदारी तय नहीं है। आखिर कौन हर साल होने वाले ऐसे हादसों के लिए जिम्मेदार है। हादसा होने के बाद सिर्फ लकीर पीटी जाती है। ऐसे उपाय नहीं किए जाते कि हादसों की पुनरावृत्ति नहीं हो, या फिर इनकी संख्या में कमी लाई जा सके।

भारत में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले आर्थिक नुकसान में तेजी से वृद्धि हुई है। 2013-2022 के दशक में हर साल औसतन 8 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 66,000 करोड़ रुपये) का नुकसान हुआ। यह 2003-2012 के दशक की तुलना में 125 फीसदी अधिक है, जब यह आंकड़ा 3.8 अरब डॉलर था। वर्ष 2024 के नुकसान की गणना अभी बाकी है, जो इतिहास में भारत का सबसे गर्म साल रहा है। यह वृद्धि बताती है कि या तो प्राकृतिक आपदाएं अधिक बार आ रही हैं, अधिक गंभीर हो गई हैं, या दोनों ही बातें हो रही हैं।

1970 से 2021 तक का डेटा दिखाता है कि समय के साथ प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले आर्थिक नुकसान में लगातार बढ़ोतरी हुई है। कुछ वर्षों में नुकसान की मात्रा में बड़ी छलांग देखी गई, जो विनाशकारी घटनाओं, जैसे कि बड़े चक्रवातों, बाढ़, या सूखे के कारण हुई। वर्ष 2023 में, भारत को प्राकृतिक आपदाओं से 12 अरब अमेरिकी डॉलर (एक लाख करोड़ रुपये से अधिक) का नुकसान हुआ। यह 2013-2022 के औसत 8 अरब डॉलर से काफी ज्यादा था। स्विस रे की रिपोर्ट के अनुसार,

ये बड़े नुकसान उन क्षेत्रों में हुए जहां संपत्तियों और आर्थिक गतिविधियों की संख्या ज्यादा है। स्विस रे एक प्रमुख पुनर्बीमा कंपनी है, जो विभिन्न प्रकार की रिपोर्ट और अध्ययन प्रकाशित करती है।

जून 2023 में, चक्रवात बिपरजॉय ने गुजरात के कच्छ जिले में भारी नुकसान पहुंचाया। इसके कारण सौराष्ट्र और कच्छ के सभी बंदरगाह, जैसे कांडला और मुंदरा बंदरगाह, बंद हो गए। तेज हवाओं, भारी बारिश और समुद्री तूफान ने राज्य में भारी तबाही मचाई। इस चक्रवात ने महाराष्ट्र और राजस्थान जैसे पड़ोसी राज्यों को भी प्रभावित किया। दिसंबर 2023 में, चक्रवात मिकाउंग के चलते चेन्नई में भारी बारिश और बाढ़ के कारण बड़े नुकसान हुए। इसके अलावा, जुलाई 2023 में उत्तरी भारत और सिक्किम में आई बाढ़ ने हिमाचल प्रदेश और दिल्ली को बुरी तरह प्रभावित किया। स्विस रे के विश्लेषण में पाया गया कि भारत में पिछले दो दशकों में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले कुल वार्षिक नुकसान का लगभग 63 फीसदी हिस्सा बाढ़ से जुड़ा हुआ है। इसका कारण भारत की जलवायु और भौगोलिक स्थिति है। भारत में गर्मी का मॉनसून (जून से सितंबर) और पूर्वोत्तर मॉनसून (अक्टूबर से दिसंबर) भारी बारिश लाते हैं, जिससे गंभीर बाढ़ की स्थिति पैदा होती है। कुछ बड़ी घटनाओं में 2005 में मुंबई, 2013 में उत्तराखंड, 2014 में जम्मू और कश्मीर, 2015 में चेन्नई और 2018 में केरल की बाढ़ शामिल हैं। साल 2023 में उत्तर भारत की बाढ़ ने भी एक अरब डॉलर से अधिक का नुकसान पहुंचाया। रिपोर्ट कहती है कि नुकसान में वृद्धि के कई कारण हैं। इनमें जलवायु परिवर्तन प्रमुख है।

बढ़ते तापमान से चक्रवात, बाढ़ और सूखे जैसी घटनाओं की तीव्रता और आवृत्ति बढ़ी है। इसके अलावा संवेदनशील क्षेत्रों में बढ़ता निर्माण और आबादी आपदा के समय अधिक नुकसान का कारण बनते हैं। बाढ़ जैसी आपदाओं से सड़कों, पुलों और सार्वजनिक उपयोगिताओं जैसे बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान होता है। इससे ना केवल आर्थिक गतिविधियां बाधित होती हैं बल्कि यह लोगों की जिंदगी को भी प्रभावित करता है। कुदरती आपदाओं के कारण ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में घरों का बड़े पैमाने पर नुकसान होता है। इससे हजारों लोग बेघर हो जाते हैं और फिर से निर्माण में भारी खर्च आता है। प्राकृतिक आपदाओं से भारत के कुछ क्षेत्र अधिक प्रभावित हैं। तटीय राज्य, जैसे ओडिशा, आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल अक्सर चक्रवात और समुद्री तूफानों का सामना करते हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे गंगा के मैदान हर साल बाढ़ से प्रभावित होते हैं। राजस्थान और गुजरात बार-बार सूखे का सामना करते हैं। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे हिमालयी क्षेत्र भूकंप और भूस्खलन के लिए संवेदनशील है। साथ ही, मुंबई, चेन्नई और दिल्ली जैसे बड़े शहर बाढ़ और जलभराव के लिए अधिक संवेदनशील हैं। वर्ष 2005 की मुंबई बाढ़ और 2015 की चेन्नई बाढ़ भारत की सबसे महंगी प्राकृतिक आपदाओं में से हैं। इनसे क्रमशः 5.3 अरब डॉलर और 6.6 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। रिपोर्ट कहती है कि इन घटनाओं से स्पष्ट है कि बेहतर योजना और आपदा प्रबंधन की सख्त जरूरत है।

जलवायु परिवर्तन के चलते भविष्य में प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता और बढने की संभावना है। स्विस रे के मुताबिक भारत को आपदा प्रबंधन और तैयारी के लिए बेहतर कदम उठाने होंगे और ऐसा इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना होगा जो आपदाओं का सामना कर सके। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए स्विस रे की रिपोर्ट में कुछ उपाय भी सुझाए गए हैं। जैसे कि डेटा और प्रभावित केंद्रों की पहचान कर संवेदनशील क्षेत्रों का विस्तृत नक्शा बनाना होगा। आधुनिक तकनीकों और डेटा का इस्तेमाल कर नुकसान का सटीक आकलन किया जाए। ऐसी बीमा योजनाएं तैयार की जाएं, जो अधिक लोगों तक पहुंच सकें और प्राकृतिक आपदाओं के बाद वित्तीय सुरक्षा प्रदान कर सकें। फ़रवरी 2021 में उत्तराखंड में एक हिमनद के फटने के कारण बर्फ, हिम और मलबे का स्खलन होने से व्यापक 'फ्लैश फ्लड' उत्पन्न हुआ। भारत में बाढ़ प्रतिवर्ष लगभग 75 लाख हेक्टेयर भूमि क्षेत्र को प्रभावित करती है और फसलों, घरों एवं सार्वजनिक उपयोगिताओं की क्षति के रूप में 1,805 करोड़ रुपए मूल्य की हानि का कारण बनती है। सवाल यह है कि आखिर देश के लोग बाढज़नित आपदाओं की मार कब तक झेलते रहेंगे। हर साल होने वाली मौतें और हजारों करोड़ की सम्पत्ति की बर्बादी आखिर कब थमेगी। सिर्फ प्रकृति को दोष से देने से जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। लापरवाही की बहानेबाजी का यह सिलसिला तब तक चलता रहेगा, जब तक सजा का कठोर प्रावधान नहीं होगा। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

त्रिवेणी सैनिक के जीएम विमल सिन्हा ने किया रक्तदान

हजारीबाग/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। इंसानियत की मिसाल पेश करते हुए त्रिवेणी सैनिक के वरिष्ठ महाप्रबंधक विमल सिन्हा ने एक जरूरतमंद महिला के लिए रक्तदान किया। बरकट्ठा कीमनिया निवासी बसवा देवी सदर अस्पताल हजारीबाग में भर्ती हैं, जिनका पैर का ऑपरेशन होना है। उन्हें इ+ रक्त की आवश्यकता थी। उनके परिजनों ने पब्लिक वेलफेयर फाउंडेशन झारखंड के सचिव सुनिल कुमार पाण्डेय से मदद की गुहार लगाई। सुनिल पाण्डेय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरन्त त्रिवेणी सैनिक के जीएम विमल सिन्हा को सूचित किया। उन्होंने बिना देर किए रक्तदान किया और स्वयं अस्पताल पहुंचकर महिला को आर्थिक सहायता भी प्रदान की। इस पुनीत कार्य के लिए पब्लिक वेलफेयर फाउंडेशन ने विमल सिन्हा का आभार जताया। मौके पर भीम कुमार सहित विमल सिन्हा की पुत्री वैष्णवी सिन्हा और पुत्र अक्षराज सिन्हा भी उपस्थित रहे। यह घटना समाज में सहयोग और मानवता के प्रति प्रेरणादायक संदेश देती है।

उसरी नदी पुल के पास 10 वर्षीय बच्चे का शव बरामद

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नवडीही ओपी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दमगी के उसरी नदी पुल के पास एक लगभग 10 वर्षीय बच्चे का शव जमीन के नीचे गड़ा हुआ पाया गया। इसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई। बताया गया कि सुबह जब लोग नदी के तरफ मॉर्निंग वॉक के लिए गए थे। उस दौरान बदबू आ रही थी और कुत्ते शव को निकालने का प्रयास कर रहा था। इसके बाद कुछ लोग नजदीक गए तो पाया कि एक बच्चे का शव 3 फीट जमीन के अंदर गड़ा हुआ है। इसकी सूचना तुरंत जमुआ और नवडीहा थाना पुलिस को दी गई। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया । वहीं आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक अब तक शव की पहचाने नहीं हो पाई है। बहरहाल इस घटना से वहां आसपास के लोगों में सनसनी फैल गई।

शिबू सोरेन के जल्द स्वस्थ होने की कामना

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के उत्तम स्वास्थ्य की कामना को ले पारसनाथ पर्वत पर मरांग बुरु दिशोम मांझी थान में की गयी पूजा - अर्चना, आदिवासी समाज के कई लोग हुए शामिल एभीबी : दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में इलाजरात झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के उत्तम स्वास्थ्य की कामना को लेकर आज आदिवासी समाज के सैकड़ों की संख्या में लोगों ने पारसनाथ पर्वत पर स्थित मरांग बुरु दिशोम मांझी थान में पुरे विधि - विद्यान के साथ पूजा - अर्चना की गयी. इस दौरान उनकी स्वास्थ्य के लिए मरांग बुरु संस्थान और आदिवासी समाज पीरटांड़ के लोगों ने दिशोम मांझी थान में बोंगा बुरु (पूजा पाठ) किया ओर शिबू सोरेन के जल्द स्वस्थ होने की कामना की.

स्टेट कोच व रेफरी सेमिनार का सफल आयोजन

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखंड स्टेट कोच व रेफरी सेमिनार का आयोजन अत्यंत सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। सेमिनार में झारखंड के विभिन्न जिलों से कोचों एवं रेफरियों ने भाग लिया व गतका खेल के तकनीकी पक्षों पर महत्वपूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस अवसर पर पलामू गतका संघ की टीम ने गतका फेडरेशन ऑफ इंडिया के सचिव सरदार बलजिंदर सिंह तूर को अंगवस्त्र व भगवान बुद्ध की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया।यह पल एक सम्मान व गौरव का प्रतीक रहा। इससे पलामू जिले की सांस्कृतिक गरिमा भी प्रदर्शित हुई। पलामू जिले से सेमिनार में प्रदीप मेहता, दीपेंद्र सिंह व अमरेश मेहता ने प्रतिनिधित्व करते हुए सहभागिता दर्ज की व जिले का नाम गौरवान्वित किया। यह आयोजन न केवल खेल के तकनीकी ज्ञान को समृद्ध करने का अवसर बना बल्कि राज्य में गतका जैसे पारंपरिक खेल को बढ़ावा देने की दिशा में एक सशक्त कदम भी साबित हुआ। इधर पलामू गतका संघ के सचिव व नेशनल रेफरी सुमित बर्मन ने झारखंड कोच व रेफरी सेमिनार के क्लोजिंग शिरोमणि सत्र में रेफरीशिप करते हुए अपनी उत्कृष्ट निर्णायक क्षमता और तकनीकी समझ का शानदार परिचय दिया। उनकी उपस्थिति व सक्रिय भागीदारी ने पलामू जिले की गरिमा को और उंचा किया है।

एके सिंह कॉलेज के लाइब्रेरियन रहे बबन सिंह का निधन

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रखंड के बसडीहा गांव निवासी बबन प्रसाद सिंह का हृदयगति रुकने के कारण रविवार की सुबह करीब 9 बजे निधन हो गया। वे जपला स्थित एके सिंह कॉलेज के सेवानिवृत्त लाईब्रेरी विभाग में भी कार्य कर चुके हैं। बबन प्रसाद सिंह के दो पुत्र व एक पुत्री हैं। वर्तमान में ये जपला हैदरनगर रोड के हुसैनाबाद में रहते हैं। उनके असामयिक निधन से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। उनका दाह संस्कार सोमवार को मुक्ति धाम देवरी सोन नदी तट पर किया जाएगा। इसकी जानकारी उनके परिवार के सदस्य ने दी। उनके निधन पर पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष रामेश्वर राम, मंजय चौधरी, जयप्रकाश तिवारी, आत्मेश कुमार सिंह, मनोज शर्मा, सुनील अग्रवाल, छोटू अग्रवाल, अभय सिंह, राजेश सिंह, उदय विश्वकर्मा, ओम प्रकाश सिंह समेत राजनीतिक एवं सामाजिक लोगों ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त किया है।

हूल दिवस पर वीर योद्धा नीलांबर व पीतांबर को आज कराया जाएगा दुग्धाभिषेक : राकेश - आशुतोष

मेदिनीनगर (पलामू) /नवबिहार टाइम्स संवाददाता। फूल दिवस के अवसर पर वीर योद्धा नीलांबर व पीतांबर की प्रतिमा को दुग्धाभिषेक कराया जाएगा। भीषण लड़ाई लड़ते हुए अंग्रेजों के दांत खट्टे करने वाले वीर योद्धाओं को नमन किया जाएगा। उक्त बातें लोक जनशक्ति पार्टी के जिला अध्यक्ष राकेश सिंह व हम पार्टी के जिला अध्यक्ष आशुतोष तिवारी ने संयुक्त रूप से कही। दोनों नेता स्थानीय नावाटोली तालाब स्थित झारखंड के वीर योद्धा नीलांबर- पीतांबर की प्रतिमा स्थल की साफ सफाई करने के बाद बोल रहे थे। द्वय नेताओं ने घोषणा किया कि हुल दिवस के अवसर पर दोनों वीर योद्धाओं को दूध से स्नान कराकर व फूल माला चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। कहा कि पलामू जिला प्रशासन, नगर निगम, झारखंड सरकार व स्थानीय जनप्रतिनिधि इन वीर योद्धाओं की अनदेखी करते हैं। इनके उदासीन रवैया के कारण वीर योद्धाओं की प्रतिमा स्थल पर गंदगी का अंबार लगा हुआ था, जिसे दोनों पार्टी के संयुक्त अभियान में झारखंड के वीर नीलांबर -पीतांबर की प्रतिमा स्थल की साफ सफाई व श्रद्धांजलि सभा का व्यवस्था की गई है। मौके पर विवेक कुमार सिंह, मुकेश पाठक, रजत पासवान, मोहम्मद अयान, मोहम्मद अमजद खान, चंदन भुईयां व संजय सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

खेल से होती है शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास : कौलेश्वर महतो

विष्णुगढ़ (नवबिहार टाइम्स, संजय पांडेय) हूल दिवस के अवसर पर चानो पंचायत के तेलनियादाह स्थित मेड़वाटांड़ मैदान में शनिवार से सिद्धू-कान्हू जुवान गंवाता सेचेद आसरा तीन दिवसीय फुटबॉल टूनार्मेंट की शुरूआत हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन जेएलकेएम के प्रखंड अध्यक्ष कौलेश्वर महतो ने फीता काटकर एवं फुटबॉल को किक मारकर विधिवत रूप से किया। उद्घाटन मैच किस्कू इलेवन बनाम पड़सबेडा टीम के बीच खेला गया, जिसमें पड़सबेडा की टीम ने दो गोल से शानदार जीत दर्ज की। मुख्य अतिथि कौलेश्वर महतो ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और कहा कि खेल न सिर्फ शरीर को बल्कि मानसिक और बौद्धिक क्षमताओं को भी मजबूत करता है। उन्होंने युवाओं से खेल को कैरियर के रूप में अपनाने का आग्रह किया और हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा (झारखंड प्रदेश) की कार्यकारिणी बैठक जमशेदपुर में संपन्न

जमशेदपुर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड प्रदेश कार्यकारिणी की बहुप्रतीक्षित बैठक आज प्रातः 10:00 बजे एग्रीको क्लब हाउस, जमशेदपुर में संपन्न हुई। यह बैठक न केवल संगठनात्मक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण रही, बल्कि समाज के भावी स्वरूप को गढ़ने की दिशा में भी कई निर्णायक पहल की गई। बैठक के मुख्य अतिथि थे कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री माननीय श्री सुबोध कांत सहाय, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में धनबाद के लोकप्रिय विधायके माननीय श्री राज सिन्हो ने अपनी उपस्थिति से सभा को गौरवान्वित किया। बैठक की अध्यक्षतो प्रदेश अध्यक्ष, प्रख्यात चिकित्सके डॉ. सी. बी. सहाये ने की एवं कुशल संचालने प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष संजीव श्रीवास्तव द्वारा किया गया। सभी प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों ने सर्वप्रथम भगवान चित्रगुप्त की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर आरती की और दीप प्रज्वलन के साथ इस गरिमामयी सभा का शुभारंभ हुआ। प्रदेश के 15 ज़िलों के अध्यक्षों एवं प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने इस बैठक को ऐतिहासिक बना दिया। बैठक में सर्वसम्मति से निम्नलिखित प्रस्ताव पारित किए गए:

पारित किए गए समाज के भविष्य को दिशा देने वाले महत्वपूर्ण प्रस्ताव

निःशुल्क सामूहिक विवाह योजना

समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाएगा, जिससे विवाह जैसे पवित्र संस्कार को सरल, गरिमामयी एवं सामूहिक सहयोग के साथ संपन्न किया जा सके।

ज़िलावार स्टार्टअप प्रोत्साहन योजना

कायस्थ युवाओं के लिए रोजगार सृजन एवं स्व-रोजगार के अवसर बढ़ाने हेतु प्रत्येक जिले में स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने की कार्ययोजना बनाई जाएगी। इससे उद्यमिता को बल मिलेगा और युवा आत्मनिर्भर बनेंगे।

'जिंगल ऐप' को डिजिटल संचार का सशक्त माध्यम बनाना

सभी कायस्थ बंधुओं को एक-दूसरे से जोड़ने, संवाद बनाए रखने तथा सूचना प्रसारण के लिए 'जिंगल ऐप' को अधिक सक्रिय और सशक्त रूप देने का निर्णय लिया गया।

रांची में भव्य राज्य स्तरीय सम्मेलन का आयोजन (नवंबर 2025)

आगामी नवंबर माह में रांची में एक विशाल कायस्थ सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रदेश सहित अन्य राज्यों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। सम्मेलन में शिक्षा, रोजगार, सामाजिक सरोकार एवं संगठन की भावी दिशा पर गंभीर विमर्श होगा।

नगर निगम चुनाव में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना

महासभा ने यह भी निर्णय लिया कि आगामी नगर निगम चुनावों में समाज की सशक्त भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। हर वार्ड में कायस्थ समाज का प्रतिनिधित्व हो, इसके लिए ज़िला एवं नगर इकाइयों को रणनीति बनाने का निर्देश दिया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष सुबोध कांत सहाय का उद्बोधनः

पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री सुबोध कांत सहाय ने सभा को संबोधित करते हुए अत्यंत मार्मिक शब्दों में कहा कायस्थ समाज आज विभिन्न राजनीतिक दलों की उपेक्षा का शिकार हो रहा है। एक समय था जब इस समाज ने देश की राजनीति, प्रशासन, न्याय और शिक्षा में शीर्ष नेतृत्व दिया था। यह समाज नेतृत्व के लिए बना है, न कि जातीय सीमाओं में बंधने के लिए। दुर्भाग्यवश, आज स्थिति यह है कि केंद्र और राज्यों की सत्ता में हमारे प्रतिनिधियों की भागीदारी नगण्य है। यह समय है आत्मचिंतन का- हमें एकजुट होकर अपनी सामाजिक, राजनीतिक और बौद्धिक विरासत को पुनर्स्थापित करना होगा।ह्व उन्होंने जोर देते हुए कहा कि एकता, सम्मान और सहयोग की भावना से ही हम आने वाले कल में एक सशक्त और सम्मानित समाज का निर्माण कर सकते हैं, जो राष्ट्र निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाए।

संगठनात्मक योगदान और भागीदारी

बैठक का स्वागत भाषण जमशेदपुर जिला अध्यक्षे श्री मदन मोहन प्रसादे ने दिया। धन्यवाद ज्ञापने जिला महामंत्री श्री अनिल सिन्हो द्वारा किया गया। प्रदेश महामंत्री श्री सुशील कुमार लाले ने झारखंड में संगठन की वर्तमान स्थिति और भविष्य की योजनाओं पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की।

इस ऐतिहासिक बैठक में निम्न प्रमुख पदाधिकारी एवं गणमान्य सदस्य उपस्थित थेः

राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष एवं झारखंड प्रभारी- श्री मुकेश कुमार

प्रदेश अध्यक्ष- डॉ. सी. बी. सहाय

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष- श्री विवेक अखोरी

देश महासचिव - श्री सुशील कुमार लाल

कार्यकारी अध्यक्ष कोल्हान प्रभारी- श्री संजीव श्रीवास्तव

साथ ही बड़ी संख्या में समाज के कर्मठ कार्यकर्ता और विभिन्न जिलों के प्रतिनिधि, जिनमें राजेश सिन्हा, संदीप रंजन, दीपक मलिक, रवि कुमार, सज्जन सहाय, संजय वर्मा, डॉ. एक लाल, अजय सिन्हा, प्रीति सिन्हा, रितिका श्रीवास्तव, रंजीत श्रीवास्तव, अमरेश श्रीवास्तव, सुमित परिहार, अनीशा सिन्हा, आभा वर्मा, सोना सिन्हा, शाहिद, सुनील श्रीवास्तव एवं अन्य सैकड़ों प्रतिनिधि शामिल हुए।

उड़ान 3.0 कार्यक्रम के समापन समारोह में हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद हुए शामिल

विधायक ने किया स्टॉलों का निरीक्षण, आयोजकों को दी भव्य आयोजन की शुभकामनाएं

हजारीबाग/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो/नवीन सिंहा

जीतो लेडीज विंग, हजारीबाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित मेगा इवेंट उड़ान 3.0 का समापन समारोह रविवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। विधायक श्री प्रसाद ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर पूरे मेले का निरीक्षण किया और विभिन्न स्टॉलों पर जाकर महिला उद्यमियों द्वारा प्रदर्शित उत्पादों को सराहा। उन्होंने महिलाओं के आत्मविश्वास, रचनात्मकता और परिश्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन वास्तव में समाज में नारी शक्ति के सशक्त रूप को उजागर करते हैं। उन्होंने कहा की उड़ान 3.0 नारी सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल है। इस कार्यक्रम में महिलाओं ने जिस आत्मबल और प्रतिभा का प्रदर्शन किया है, वह अत्यंत सराहनीय है। ऐसे आयोजन न केवल स्थानीय महिलाओं को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि उनके उत्पादों को मंच देकर आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। आयोजक मंडली इस हेतु बधाई की पात्र है विधायक ने कार्यक्रम की आयोजक मंडली से संवाद भी किया और उनके उत्साह, कार्यकुशलता एवं सामाजिक योगदान की सराहना की। उन्होंने आयोजकों को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन देते हुए कहा की इस प्रकार के आयोजन हजारीबाग जैसे शहर को भी एक नई पहचान देते हैं। इस अवसर पर जीतो लेडीज विंग की ओर से विधायक का स्वागत व अभिनंदन किया गया। आयोजक मंडली ने उनके आगमन को गौरव की बात बताते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। समापन समारोह में भीड़ का उत्साह देखने लायक था, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि दो दिनों तक चले इस कार्यक्रम ने न केवल महिलाओं को मंच दिया बल्कि पूरे शहर को एकजुट कर दिया। उड़ान 3.0 अब अपने पीछे सशक्तिकरण, सहभागिता और सामाजिक समरसता की एक प्रेरणादायक छाप छोड़ गया है। आयोजकों ने भविष्य में भी ऐसे आयोजन करने की प्रतिबद्धता जताई और सभी के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

हजारीबाग जिला कांग्रेस कमेटी कार्यकारणी की महत्वपूर्ण बैठक

हजारीबाग/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में जिला कांग्रेस में कार्यकारणी की महत्वपूर्ण बैठक जिला कांग्रेस के अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव के अध्यक्षता में की गई । बैठक में मुख्य रूप से जिला पर्यवेक्षक पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो पूर्व मंत्री जय प्रकाश भाई पटेल जिला के ट्रेनिंग कॉडीनेटर जकीउल्लाह साहब उपस्थिति रहे । कार्यक्रम का संचालन जिला मीडिया अध्यक्ष निसार खान और धन्यवाद ज्ञापन महानगर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज नारायण भगत ने किया । कांग्रेस पार्टी संगठन सृजन 2025 कार्यक्रम जो पूरे भारत में चल रहा है उसी कड़ी में बैठक की गई । इस अवसर पर जिला पर्यवेक्षक पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो ने बताया कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के निर्देश पर जिला कमेटी को साथ ही जिला के अध्यक्ष को और सशक्त बनाया जाएगा। प्रखंड कमेटी को विस्तार करने को लेकर आवश्यक निर्देश दिया और प्रखंड अध्यक्षों की उपस्थित में नव नियुक्त मंडल अध्यक्षयो के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण किया । जिला कांग्रेस की बैठक 1 से 15 तारीख हर महीने बैठक करना है और कार्य करने के सभी सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है इसी प्रकार हजारीबाग जिला के सभी प्रखंडों में 5 तारीख को बैठक की जाएगी। जिसमें प्रखंड के प्रभारी मुख्य रूप से उपस्थित रहकर प्रखंड में संगठन सृजन कार्यक्रम को आगे बढ़ाएंगे । अप्रैल से जून तक 3 महीना या 100 दिनों का एक निश्चित कार्यक्रम दिया गया है। कार्यकर्ता ईमानदारी से अपने कार्य पूरा करेंगे। आने वाले दिनों में संविधान बचाओ अभियान भी चलाई जाएगी और लोगो को जोड़ने का कार्य करना है । जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने सभी प्रखंड अध्यक्षों प्रखंड के प्रभारी को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए पांच तारीख को हर प्रखंड में बैठक करने और लोगों की समस्याओं को सुनने पार्टी के संगठन सृजन को आगे बढ़ाने और पार्टी के कार्यक्रमों को सही दिशा देने का आग्रह किया। राहुल गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे द्वारा दिए गए कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाना कार्यकताओं का दायित्व है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री जय प्रकाश भाई पटेल ने कहा की वर्तमान परिस्थितियों में पार्टी को संगठित कर मजबूत करना और राहुल गांधी के हाथ को मजबूत करना बहुत आवश्यक है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री जय प्रकाश भाई पटेल ने कहा की भारतीय जनता पार्टी जिस प्रकार से लगातार असंवैधानिक कानून को बना कर और संविधान को क्षति पहुंचाने का काम कर रही है। उसको रोकने के लिए कांग्रेस का संगठित होना और लोगों को जोड़ना आवश्यक है। सरकार के योजना का लाभ अंतिम वर्ग तक पहुंचाना है इसके लिए संगठन के माध्यम से लोगों को जागरूक करना है और कार्यकताओं को सशक्त और मजबूत करना हमारा उद्देश्य है। ट्रेनिंग कॉडीनेटर जकीउल्लाह साहब नें प्रखंड अध्यक्ष तथा मंडल अध्यक्षों को संगठन युद्ध स्तर पर मजबूत कैसे होगी उसकी विस्तार पूर्वक जानकारी दी। नियुक्ति पत्र पाने वालों मंडल अध्यक्षों में चुरचू प्रखंड के भानू प्रताप सिंह, कटकम सांडी प्रखंड के इन्द्र देव यादव सदर प्रखंड के इदरिश अंसारी बसंत रविदास डाड़ी प्रखंड के रकीब अंसारी, राज किशोर महतो बरकट्ठा प्रखंड के लेखराज प्रसाद बड़कागांव प्रखंड के रामेश्वर सिंह भोक्ता, श्याम भार्गव, धर्मनाथ महतो इचाक प्रखंड के गिरधारी महतो, चन्द्रदेव प्रसाद मेहता चौपारण प्रखंड के मोहम्मद शारिक अख्तर पदमा प्रखंड के विजय रविदास कटकमदाग प्रखंड के मोहम्मद खुर्शीद विष्णुगढ़ प्रखंड के हिरामन महतो बरही प्रखंड के बबलू साहू, जितेन्द्र गीरी, विष्णुधारी महतो केरेड़ारी प्रखंड के चंदन कुमार गुप्ता, मोहम्मद मकसुद आलम चलकुशा प्रखंड के मोहम्मद एजाज शामिल हैं । कार्यक्रम में प्रदेश पदाधिकारीगण प्रदेश प्रतिनिधिगण जिला कार्यकारणी के सदस्यगण जिला तथा नगर के पदाधिकारीगण प्रखंड अध्यक्षगण प्रदेश महासचिव बिनोद कुशवाहा प्रदेश सचिव बिनोद सिंह ओबीसी प्रदेश सचिव रेणु देवी, बाबर अंसारी, शशि सिंह, जय प्रकाश यादव, अनिल कुमार भुईया, मुस्ताक अंसारी युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रकाश यादव, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष बेबी देवी, कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष गुड्डू सिंह, किसान प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष ज्ञानी मेहता, परवेज अहमद के अतिरिक्त कांग्रेस के सभी प्रकोष्ठ तथा मंच मोरचा के अध्यक्ष व पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

छतरपुर को जिला बनाने की मांग को ले वित्त मंत्री से मिला मुखिया संघ

मेदिनीनगर (पलामू) /नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। छतरपुर मुखिया संघ ने छतरपुर को जिला बनाने की मांग को लेकर रविवार को झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर से उनके रांची स्थित आवास पर मुलाकात किया। साथ ही 15वें वित्त की राशि भुगतान के बात भी कही। इस दौरान मुखिया संघ के संरक्षक हरेंद्र कुमार सिंह ने मंत्री के समक्ष इस बात को रखा कि छतरपुर जिला बनने की आहताएं पूरा करता है। इसलिए छतरपुर को जिला बनाया जाए। साथ ही उन्होंने 15वें वित्त की राशि भुगतान के बारे में कहा। संघ के सचिव राजेश्वर राम ने बताया कि मांग पत्र के माध्यम से वे सभी मंत्री को इस बात से अवगत कराया कि छतरपुर को जिला बन जाने से यहां के आम आवाम को बहुत सारी सुविधाएं मिल सकती है। बताया कि छतरपुर को जिला बनाने से जो लोग अपने छोटे-छोटे कामों को लेकर रोज जिला मुख्यालय का चक्कर काटते हैं उन्हें आसानी से काम हो जाएगा। उन्होंने बताया कि यदि 15 वें वित्त की राशि का भुगतान नहीं किया गया तो पंचायत के विकास कार्य पूरी तरह से ठप हो जायेगा। वे सभी जनता के कोई भी सवाल का जवाब देने से कतरा रहे हैं। कहा कि 15 वें वित्त की राशि का भुगतान नहीं किया गया तो वे सभी बाध्य होकर आंदोलन करने के लिए विवश हो जाएंगे। मौके पर संघ के उपाध्यक्ष सह मुखिया कुमारी पूजा के प्रतिनिधि मुन्ना कुमार सिंह ने बताया कि छतरपुर को जिला बनने से न सिर्फ छतरपुर वासी को बल्कि इससे जुड़ने वाले हर शहर को फायदा होगा। मौके पर मुखिया चिंता देवी के प्रतिनिधि सुदामा कुमार पासवान ने कहा कि छतरपुर को जिला बनाया जाए। मुखिया जनता के विश्वास पर खरे नहीं उतर रहे हैं।

गांडेय प्रखंड के कई गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगों की समस्याओं की ली जानकारी

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक द्वारा गांडेय प्रखंड के कई गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगों की समस्याओं की जानकारी ली गई जनसमस्याओं के लिए मौजूदा केंद्र तथा राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया गया जनता के सवालों पर फॉरवर्ड ब्लॉक के बैनर तले एकजुट होकर संघर्ष शुरू करने की अपील के साथ 30 जून हूल दिवस पर गांडेय में जनाधिकार सम्मेलन में भाग लेने की अपील की गई।

पल्लवी राज कंस्ट्रक्शन के सीएमडी संजीव श्रीवास्तव को उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया सम्मानित

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। स्मार्ट इन्वेस्टमेंट-सिक्योर फ्यूचर कार्यक्रम का पटना को होटल चाणक्य में एक निजी संस्थान द्वारा आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पल्लवी राज कंस्ट्रक्शन के सीएमडी संजीव श्रीवास्तव को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के द्वारा कंस्ट्रक्शन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किए जाने के लिए सम्मानित किया गया। इस मौके पर श्री चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि स्मार्ट निवेशक सुरक्षित भविष्य के लिए निवेश करते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखते हैं। इस कार्यक्रम से आम जनता अपने पैसे को कहां इन्वेस्ट करें, किस उद्यमी के पास सुरक्षित भविष्य है इसको देखकर करें। पल्लवी राज कंस्ट्रक्शन प्रा.लिमिटेड के सीएमडी संजीव श्रीवास्तव को सम्मान करने के दरम्यान उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि हमें प्रसन्नता होती है कि बिहार में युवा पीढ़ी बेहतर काम कर रही है। श्री श्रीवास्तव के दो प्रोजेक्टों पर तेजी से काम किया जा रहा है। इससे उपभोक्ताओं में प्रसन्नता है कि उन्हें निर्धारित समय से पहले उनका फ्लैट उन्हें मिल जाएगा। वहीं पल्लवी राज कंस्ट्रक्शन प्रा. लिमिटेड के सीएमडी संजीव श्रीवास्तव ने कहा कि हमारी कंपनी अपने लक्ष्यों को निर्धारित करते हुआ काम करती है। हर स्तर पर जोखिमों का आकलन किया जाता है।

पारस एचएमआरआई में निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का किया गया आयोजन

कई तरह की बीमारियों की जांच और परामर्श निःशुल्क दिए गए

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पारस एचएमआरआई पटना की ओर से रविवार 29 जून को निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इसमें कई तरह की बीमारियों की जांच और परामर्श निःशुक्ल दिए गए। इनमें बीपी, आरबीएस, स्पाइरोमेट्री, बीएमडी, आई स्कैनिंग, डेंटल स्क्रीनिंग और कंसल्टेशन शामिल हैं। शिविर में 632 मरीजों ने पारस एचएमआरआई की आधुनिक तकनीक के साथ जांच और अनुभवी डॉक्टरों से मुफ्त परामर्श का लाभ उठाया। शिविर में सभी प्रकार की लैब और रेडियोलॉजी सेवाओं पर 50 प्रतिशत की बड़ी छूट भी दी गई। इसके अलावा, इंटरनल मेडिसिन, ऑर्थोपेडिक्स, ओंकोलॉजी, कार्डियोलॉजी, डेंटल, फिजियोथेरेपी, यूरोलॉजी, पेडियेट्रिक्स, जेनरल सर्जरी, गायनेकोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, ईइनटी, न्यूरोलॉजी, गैस्ट्रोइन्टेरोलॉजी, डायटेटिक्स और पल्मोनोलॉजी के मरीजों को पारस एचएमआरआई के अनुभवी डॉक्टरों की टीम ने परामर्श दिया। शिविर का आयोजन पारस एचएमआरआई परिसर में सुबह 10 बजे से शाम 3 बजे तक किया गया था। सुबह से ही मरीजों का आना शुरू हो गया था और यह कारवां शाम तक चलता रहा। मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर के संबंध में पारस एचएमआरआई के जोनल डायरेक्टर अनिल कुमार ने कहा कि पारस एचएमआरआई आम जनता के लिए हमेशा फिक्र मंद रहता है। पारस एचएमआरआई और मरीजों के बीच संबंध अटूट बना रहे है, इसके लिए इस तरह के आयोजन जरूरी होते हैं। हम आम जन की सेवा के लिए उपलब्ध हैं, यह मैसेज आमलोगों तक जाना चाहिए। आगे भी इस तरह के मुफ्त जांच शिविर आयोजित होते रहेंगे। इस मेगा हेल्थ जांच शिविर में डॉक्टरों की टीम में डॉ. प्रकाश सिन्हा (पल्मोनोलॉजी), डॉ. शशि कुमार (गुर्दा रोग विशेषज्ञ), डॉ. सिद्धनाथ सिंह (हृदय रोग विशेषज्ञ), डॉ अभिषेक चौधरी (इंटरनल मेडिसिन), डॉ दीपिका (जनरल सर्जरी) डॉ जानकी शरण (हड्डी रोग विशेषज्ञ), डॉ. सुधांशु (नेत्र रोग विशेषज्ञ) डॉ हेमन्त (न्यूरोलॉजी), डॉ रश्मि प्रसाद (ई.एन.टी.) डॉ. राजीव रंजन (बाल रोग विशेषज्ञ), डॉ. स्मिता सिंह (स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ. शिवांगी सिंह (त्वचा रोग विशेषज्ञ), डॉ. विकाश कुमार (यूरोलॉजी), डॉ. सुकृति कुमारी (डाइटेशन) डॉ. बीएम प्रकाश (डेंटल) ने निःशुल्क परामर्श दिया।

प्रधानमंत्री जी के विचारों को एकाग्रता से सुना और राष्ट्र सेवा के लिए नई ऊर्जा प्राप्त कीःमुकेश जालान

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रेरणादायक मासिक रेडियो कार्यक्रम ह्यमन की बातह्व की 123वीं कड़ी का सीधा प्रसारण गिरिडीह जिले के नारायणी फार्महाउस, झगरी से अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ यह विशेष अवसर भाजपा गिरिडीह के जिला कोषाध्यक्ष श्री मुकेश जालान जी के सौजन्य से आयोजित किया गया, जिसमें जिले के प्रमुख उद्योगपति, महिला स्वयंसेवी समूह, युवा साथी और अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सबसे गौरवपूर्ण क्षण तब आया जब गिरिडीह प्रत्यक्ष रूप से देशभर के साथ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से सीधे जुड़ा। यह क्षण गिरिडीह वासियों के लिए अत्यंत गर्व का, प्रेरणादायक और ऐतिहासिक रहा। यह आयोजन न केवल एक प्रसारण था, बल्कि यह लोकतंत्र, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण की चेतना का उत्सव बन गया। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित अतिथियों में उद्योगपति अमरजीत सिंह सलूजा, चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष निर्मल झुनझुनवाला , सीए विकास खतान, लायंस क्लब के अध्यक्ष निर्मल स्लामपुरिया , रूपेश सिंह, अंजनी बालासिया, रवि राज, कवी राज, हर्ष, विकास झाझरिया, राजेश जालान, दिनेश जालान, रितेश जैन, नीलकमल भारतीय, सुबोध, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री महादेव दुबे, संजीव कुमार (प्रदेश मंत्री, भाजयुमो एवं ह्यमन की बातह्व कार्यक्रम संयोजक), संजीत सिंह पप्पू, प्रकाश सेठ, दिनेश यादव, बिनय सिंह, रंजीत राय, शिवपूजन, सवासनी बैसाकर, रितेश पांडेय, उज्ज्वल तिवारी, मन्तु मुर्मू, रवि कुमार एवं भाजपा आईटी सेल संयोजक श्री साहिल शर्मा शामिल रहे। सभी ने प्रधानमंत्री जी के विचारों को एकाग्रता से सुना और राष्ट्र सेवा के लिए नई ऊर्जा प्राप्त की।

एग्रोफॉरेस्ट्री को बढ़ाने के लिए बड़ा कदम, कृषि भूमि पर पेड़ कटाई के लिए जारी किए गए मसौदा नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने के लिए नए नियम जारी किए हैं। इसके तहत खेतों के बाहर हरित क्षेत्र बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन को कम करने के उद्देश्य से कृषि भूमि पर पेड़ों की कटाई के लिए आदर्श नियम लाए गए हैं। इससे एग्रोफॉरेस्ट्री को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। एग्रोफोरेस्ट्री यानी कृषि वानिकी, ऐसी प्रणाली है जिसमें एक ही जमीन पर पेड़ और फसलें या जानवर एक साथ उगाए जाते हैं। इससे न केवल पैदावार बढ़ेगी, बल्कि मिट्टी की सेहत भी सुधरेगी और पर्यावरण भी बेहतर होगा।

पर्यावरण मंत्रालय ने 19 जून को सभी राज्यों को पत्र भेजकर कृषि भूमि में पेड़ों की कटाई के लिए आदर्श नियम साझा किए। मंत्रालय ने बताया कि इसका उद्देश्य कृषि वानिकी के क्षेत्र में व्यापार सुगमता को बढ़ाना और किसानों को अपने कृषि प्रणालियों में पड़ों को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

पेरिस जलवायु लक्ष्यों को मिलेगा समर्थन– सरकार लंबे समय से कृषि वानिकी को बढ़ावा दे रही है ताकि किसानों की आय दुगनी की जा सके, जंगलों के बाहर वृक्षों की संख्या बढ़े, जलवायु परिवर्तन को कम किया जा सके, लकड़ी का आयात घटे, और भूमि उपयोग अधिक टिकाऊ बने। यह पहल पेरिस जलवायु समझौते के तहत भारत की जलवायु प्रतिबद्धताओं को भी समर्थन देती है।

नियमों की कमी एक बड़ी बाधा – मंत्रालय के अनुसार कृषि भूमी पर पेड़ काटने के लिए स्पष्ट और एक समान नियमों की कमी अब तक किसानों के लिए एक बड़ी बाधा रही है। यह कृषि वानिकी उत्पादों की खेती और विपणन को प्रभावित करता है।

राज्य स्तरीय समिति का गठन – नए नियमों के अनुसार, लकड़ी आधारित उद्योग (स्थापना एवं विनियमन) दिशा-निर्देश, 2016 के तहत पहले से बनी राज्य स्तरीय समिति (एसएलसी) ही इन नियमों के लिए समिति का काम करेगी। इसमें अब राजस्व और कृषि विभाग के अधिकारी भी शामिल होंगे। यह समिति राज्य सरकार को कृषि वानिकी के नियम सरल बनाने और खेतों से वाणिज्यिक मूल्य वाले पेड़ों की कटाई और परिवहन के लिए सलाह देगी।

एनटीएमएस पोर्ट पर करना होगा आवेदन – आवेदकों को अपनी कृषि भूमि को शनल टिंबर मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल पर पंजीकृत करना होगा। उन्हें भूमि स्वामित्व और स्थान से संबंधित जानकारी देनी होगी। साथ ही, उन्हें लगाए गए पौधों की संख्या, प्रजाति, रोपण तिथि और औसत ऊंचाई जैसी जानकारी भी अपलोड करनी होगी। आवेदकों को एसएलसी द्वारा अपेक्षित जानकारी भी अपडेट करनी होगी। हर पेड़ की जियोटैग तस्वीर केएमएल फॉर्मेट में पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। इन जानकारियों की निगरानी वन, कृषि और पंचायती राज विभाग के क्षेत्रीय अधिकारियों करेंगे।

10 से अधिक पेड़ों के लिए फील्ड जांच जरूरी

अगर किसी किसान की भूमि पर 10 से अधिक पेड़ हैं और वह उन्हें काटना चाहता है, तो उसे एनटीएमएस पोर्टल पर आवेदन करना होगा। इसके बाद एक सत्यापन एजेंसी फील्ड विजिट करेगी और जमीन, पेड़ों और लकड़ी की अनुमानित मात्रा के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ एक रिपोर्ट तैयार करेगी। इसके आधार पर कटाई की अनुमति दी जाएगी।

सत्यापन के लिए हो सकती हैं जांच

10 पेड़ों तक की कटाई के लिए आवेदन करने के लिए, आवेदकों को पेड़ों की तस्वीरें एनटीएमएस पर अपलोड करनी होंगी। सिस्टम पेड़ के आकार (परिधि, ऊंचाई), उपज और प्रजाति का अनुमान लगाएगा। आवेदकों को नियोजित कटाई की तारीख की भी जानकारी देनी होगी। कटाई के बाद, उन्हें स्टंप की तस्वीरें अपलोड करनी होंगी। संबंधित विभाग सत्यापन के लिए अधिकारी भी भेज सकता है। ऐसी स्थिति में फेलिंग की अनुमति अपने आप पोर्टल से जारी हो जाएगी। प्रभागीय वन अधिकारी इस बात की निगरानी करेंगे कि सत्यापन एजेंसियां कैसे काम कर रही हैं। वे इन एजेंसियों के प्रदर्शन पर हर तिमाही में एसएलसी को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

सुकन्या, पीपीएफ समेत छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरें होंगी कम अगले सप्ताह आएगा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। पीपीएफ, एनएससी और अन्य छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों की समीक्षा 30 जून, 2025 को की जाएगी। नई दरें वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए प्रभावी होंगी। इस साल अब तक सुकन्या समृद्धि योजना और वरिष्ठ नागरिक बचत योजना सहित डाकघर बचत योजनाओं की

ब्याज दरें अपरिवर्तित रही हैं। लेकिन 1 जुलाई, 2025 से इसमें बदलाव हो सकता है। इस बीच, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इस वर्ष रेपो दर में 100 आधार अंकों की कटौती किए जाने के बाद, अटकलें लगाई जा रही हैं कि आगामी जुलाई संशोधन में सार्वजनिक भविष्य निधि की ब्याज दरें 7 प्रतिशत से नीचे आ सकती हैं। जबकि, एनालिस्ट संभावित दर कटौती के संकेतक के रूप में गिरते बॉन्ड यील्ड और नीतिगत फार्मुलों की ओर इशारा कर रहे हैं।

एनालिस्ट की राय– पीपीएफ, जो वर्तमान में 7.10 प्रतिशत की पेशकश कर रहा है। श्यामला गोपीनाथ समिति के फॉर्मूले के अनुसार, पीपीएफ रिटर्न औसत 10 साल की जी-सेक यील्ड से 25 आधार अंक अधिक होना चाहिए। अब यील्ड 6.325 प्रतिशत पर मंडरा रही है, फॉर्मूला उचित पीपीएफ दर को लगभग 6.575 प्रतिशत पर रखता है, जो संभावित रूप से मौजूदा दर से 52.5 आधार अंकों की कटौती को ट्रिगर करता है। स्क्रिपबॉक्स के फाउंडर और सीईओ अतुल सिंघल ने कहा, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 2025 में रेपो दर में कुल 100 आधार अंकों की कटौती के साथ, अब ध्यान छोटी बचत योजना (एसएसएस) ब्याज दरों के आगामी तिमाही संशोधन पर है।

भारत की जीडीपी में निजी खपत दो दशक के उच्चतम स्तर पर, निर्यात 6.3 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की निजी खपत में मजबूत वृद्धि देखी गई है। यह दो दशकों में देश के सकल घरेलू उत्पाद में उच्चतम हिस्सेदारी तक पहुंच गई है। वित्त मंत्रालय के नवीनतम मासिक रिपोर्ट में यह जानकारी मिली। निजी खपत का मतलब है, व्यक्तिगत या घरेलू स्तर पर वस्तुओं और सेवाओं पर किया जाने वाला खर्च। यह किसी

देश की अर्थव्यवस्था में वस्तुओं और सेवाओं की कुल मांग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2025 में भारत की जीडीपी में निजी खपत की हिस्सेदारी बढ़कर 61.4 प्रतिशत हो गई। यह वित्त वर्ष 2024 में 60.2 प्रतिशत थी। यह पिछले दो दशकों में दूसरा सबसे ऊंचा स्तर है, जो उपभोग मांग में निरंतर मजबूती का संकेत देता है। निजी खपत में यह वृद्धि मुख्य रूप से स्थिर निवेश गतिविधि और शुद्ध निर्यात में बढ़तोरी से प्रेरित थी।

निजी अंतिम उपभोग में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि – मंत्रालय ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 में निजी अंतिम उपभोग में 7.2 प्रतिशत की तीव्र वृद्धि हुई। वहीं, वित्त वर्ष 2024 में इसमें 5.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। यह सुधार खासतौर से ग्रामीण मांग में उछाल से समर्थित था। निजी अंतिम उपभोग व्यय, घरों और गैर-लाभकारी संस्थाओं द्वारा वस्तुओं और सेवाओं पर किए गए कुल खर्च को दर्शाता है। वहीं निवेश के मामले में सकल स्थिर पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) में वित्त वर्ष 2025 में 7.1 प्रतिशत का उछाल आया है। यह वित्त वर्ष 2024 में दर्ज 8.8 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में थोड़ा कम है।

12 दिन में दोगुना हो गया पैसा... बिना तकनीकी ज्ञान के 56 साल के शख्स ने कमा डाले 85 हजार करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। आज जब भी हम किसी अरबपति या बड़ी कमाई वाले शख्स की बात करते हैं तो उनमें ऐसे लोग ज्यादा मिलेंगे तो टेक्नोलॉजी के महारथी हों। लेकिन क्या कभी सोचा है कि कोई शख्स बिना तकनीकी ज्ञान के भी 85 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर सकता है यह संभव कर दिखाया है कोरवीवकंपनी के को-फाउंडर और सीईओ माइकल इंट्रेटर ने। 56 साल के माइकल की संपत्ति मात्र 12 दिनों में दोगुनी हो गई है। कोरवीवकभी एक छोटी सी एआइ क्लाउड स्टार्टअप कंपनी थी। मार्च में यह कंपनी 40 डॉलर प्रति शेयर पर अमेरिकी शेयर मार्केट में लिस्ट हुई थी। लेकिन अचानक कंपनी के स्टॉक की कीमत बढ़ गई। सिर्फ दो महीनों में इसकी कीमत लगभग तीन गुना हो गई। मिंट की खबर के मुताबिक इस उछाल ने न केवल बाजार को आकर्षित किया है, बल्कि इसके शेयरधारकों की किस्मत भी बदल दी है। इसमें माइकल इंट्रेटर भी शामिल हैं।

माइकल कैसे बने अरबपति– माइकल इंट्रेटर पहले हेड फंड मैनेजर थे। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार, उनकी संपत्ति पिछले 12 दिनों में दोगुनी से भी ज्यादा हो गई है। यह 5 अरब डॉलर से बढ़कर 10 अरब डॉलर (करीब 85.49 हजार करोड़ रुपये) हो गई है। कंपनी की शुरुआत बाजार में धीमी रही थी। लेकिन इंट्रेटर को विश्वास था कि कोरवीव आगे चलकर अच्छा प्रदर्शन करेगी। माइकल ने पहले फॉर्च्यून को बताया था, मुझे वास्तव में परवाह नहीं है कि यह आज, कल या उसके बाद कहां है। लेकिन मेरा मानना है कि हमारे पास जो बिजनेस मॉडल है, सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन हैं, इसे बनाने और वितरित करने की क्षमता और हमारे सामने जो मांग है, वह समय के साथ हमारे ग्राहकों के लिए बहुत अधिक मूल्य लाएगी। माइकल अकेले ही स्टॉक की सफलता से लाभान्वित नहीं हो रहे हैं। अन्य को-फाउंडर की संपत्ति में भी काफी वृद्धि हुई है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, कोरवीव के मुख्य रणनीति अधिकारी ब्रायन वेंटुरो की संपत्ति अब 6.4 अरब डॉलर है।

सरकार की स्किल ट्रेनिंग स्कीम पर सवाल, 71 प्रतिशत छोटी कंपनियों ने कहा- नहीं मिला कोई फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। कुशमैन एंड वेकफील्ड की एक रिपोर्ट में एक चौंकाने वाली बात सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार 71 प्रतिशत छोटी कंपनियों का कहना है कि सरकार की स्किल ट्रेनिंग स्कीम से उन्हें कोई मदद नहीं मिली है। इसका मतलब है कि सरकार की स्किल डेवलपमेंट की पहल माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज तक ठीक से नहीं पहुंच रही है। एमएसएमई वे छोटी कंपनियां होती हैं जो मैन्युफैक्चरिंग के काम में लगी होती हैं।

रिपोर्ट में यह भी देखा गया कि लगभग 61 प्रतिशत एमएसएमई ने कहा कि सरकार की स्किल और टैलेंट की पहल उन तक नहीं पहुंची। वहीं, 39 प्रतिशत ने माना कि उन्हें इन योजनाओं से कुछ फायदा हुआ है। यह रिपोर्ट एक सर्वे के जरिए तैयार हुई है। इस सर्वे में छोटी कंपनियों में 500 से कम कर्मचारी शामिल थे।

क्या कहा गया है रिपोर्ट में

रिपोर्ट में कहा गया है, हमारे सर्वे से पता चलता है कि सरकार की स्किल और टैलेंट की पहल इस सेक्टर तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंच रही हैं। सबसे बड़ी दिक्कत छोटी कंपनियों के साथ है। 71 प्रतिशत छोटी कंपनियों का कहना है कि सरकार की स्किल ट्रेनिंग योजनाओं से उन्हें कोई मदद नहीं मिली है। इस रिपोर्ट का नाम भारत की विनिर्माण क्षमता को बढ़ाना~ आत्मनिर्भरता का मार्ग तैयार करना है।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में एमएसएमई का कितना योगदान

एमएसएमई मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के 4 में से 5 कर्मचारियों को नौकरी देते हैं। वे इस सेक्टर के 40 प्रतिशत प्रोडक्शन के लिए जिम्मेदार हैं। लेकिन एमएसएमई में काम करने वाला हर कर्मचारी एक बड़े प्लांट के कर्मचारी की तुलना में सिर्फ 14 प्रतिशत प्रोडक्शन ही कर पाता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि उभरती अर्थव्यवस्थाओं में इसी तरह के मैन्युफैक्चरर

कमियां करनी होंगी दूर

कुशमैन एंड वेकफील्ड के एग्जीक्यूटिव मैनेजिंग डायरेक्टर (मुंबई और न्यू बिजनेस) गौतम सराफ ने कहा कि भारत को लॉजिस्टिक्स, एकीकृत सुविधाओं और एमएसएमई प्रोडक्टिविटी में गहरी पैठ वाली लागत और क्षमता की कमियों को दूर करना होगा।

मई 2025 में सीमेंट उद्योग ने पकड़ी रफ्तार; खपत 9 प्रतिशत बढ़ी, कीमतों में 8 फीसदी का उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। सीमेंट उद्योग में मई 2025 में सालाना अधार पर 9 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए की नवीनतम रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार सीमेंट की खपत 39.6 मिलियन मीट्रिक टन (एमटी) हो गई है, जबकि औसत सीमेंट कीमतों में भी करीब 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसमें बताया गया कि कम बिक्री के बाद भी सीमेंट उद्योग ने मई 2025 में 50 किलोग्राम बैग की कीमत 8 प्रतिशत बढ़कर 360 रुपये रही, जबकि वित्त वर्ष 2025 में यह कीमत 340 रुपये थी। यह साल-दर-साल आधार पर 7 प्रतिशत कम थी। हालांकि, चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों (अप्रैल और मई) में कीमतों में 7 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी देखी गई है।

इनपुट लागत में स्थिरता से मिला समर्थन– इसके अलावा, रिपोर्ट में कहा गया है कि इनपुट लागत में स्थिरता के कारण परिचालन मार्जिन में भी सुधार हुआ है। इसका कारण कोयले और पेटकोक की ऊर्जा कीमतें कम हैं तथा डीजल की कीमतें स्थिर हैं।

कुल बिक्री वॉल्यूम में 8 प्रतिशत की गिरावट– वहीं, अप्रैल और मई 2025 में कुल बिक्री वॉल्यूम 8 प्रतिशत बढ़कर 78.7 मिलियन मीट्रिक टन रहा, जबकि पूरे स्नङ्ग2025 में यह आंकड़ा 6.3 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 453 मिलियन मीट्रिक टन पर पहुंचा। आईसीआर को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2026 में सीमेंट की मांग 6 से 7 प्रतिशत बढ़कर 480 से 485 मिलियन मीट्रिक टन तक पहुंच सकती है। इसे आवासीय और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों से निरंतर मांग का समर्थन मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि आईसीआर कंपनियों के मार्जिन वित्त वर्ष 2026 में 80 से 150 आधार अंक बढ़कर 16.3 प्रतिशत से 17 प्रतिशत तक पहुंच सकते हैं।

कोयले और पेटकोक की कीमतों में आई गिरावट– ईंधन लागत की बात करें तो जून 2025 में कोयले की कीमतें 19 प्रतिशत घटकर 100 डॉलर प्रति टन और पेटकोक की कीमतें 2 प्रतिशत घटकर 10,880 रुपये प्रति टन हो गईं। डीजल की कीमत 88 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रही। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के दौरान कोयले की कीमतों में 6 प्रतिशत कम थीं, पेटकोक में 1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और डीजल की कीमतें स्थिर रहीं। सीमेंट निर्माता संघ (सीएमए) के अनुसार, भारत में सीमेंट उत्पादन की कुल स्थापित क्षमता 690 मीट्रिक टन है।

लाखों नौकरियां जाएंगी... एलन मस्क ने कह दी बड़ी बात

नई दिल्ली, एजेंसी। अरबपति उद्यमी एलन मस्क ने शनिवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रमुख टैक्स और खर्च प्रस्ताव की आलोचना की और तथाकथित बिग ब्यूटीफुल बिल के लेटेस्ट सीनेट ड्राफ्ट को बेहद पागलपन भरा और विनाशकारी बताया। मस्क ने कानून के खिलाफ पब्लिक कैंपन जारी रखते हुए एक्स पर लिखा, लेटेस्ट सीनेट ड्राफ्ट बिल अमेरिका में लाखों नौकरियों को खत्म कर देगा और हमारे देश को बहुत बड़ा नुकसान पहुंचाएगा।

क्या है डिटेल– 940 पन्नों का यह विधेयक (जिसे अभी सीनेट में तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है) फेडरल प्रोग्राम्स जैसे मेडिकेड और खाद्य टिकटों पर भारी कटौती के साथ-साथ कर में छूट और रक्षा और सीमा प्रवर्तन के लिए विस्तारित निधि प्रदान करता है। सीनेट रिपब्लिकन द्वारा समर्थित, जो ट्रम्प की 4 जुलाई की समयसीमा को पूरा करने का लक्ष्य रखते हैं, इस उपाय में राष्ट्रपति के आव्रजन एजेंडे के लिए केंद्रीय 350 बिलियन डॉलर की राष्ट्रीय सुरक्षा योजना भी शामिल है। रिपब्लिकन नेता अपने सीनेट बहुमत का उपयोग करके विधेयक को डेमोक्रेटिक आपत्तियों से आगे बढ़ाने के लिए कर रहे हैं, लेकिन कुछ जीओपी सीनेटर मेडिकेड और खाद्य टिकटों जैसे कार्यक्रमों में कटौती को लेकर चिंतित हैं। मुख्य प्रावधानों में यूएस-मेक्सिको सीमा दीवार विस्तार के लिए 46 बिलियन डॉलर, 100,000 प्रवासी हिरासत बिस्तरों के लिए 45 बिलियन डॉलर और 10,000 नए आइसीइ अधिकारियों की भर्ती, जिनमें से प्रत्येक को 10,000 डॉलर का साइनिंग बोनस शामिल है, शामिल हैं। ट्रम्प ने जीओपी को निर्देश दिया है, जिसके पास जीओपीं सदनों में बहुमत है, कि वह बिना किसी देरी के कानून को पारित करे। यह बिल 2017 के टैक्स कटौती को बढ़ाने, रक्षा और आव्रजन प्रवर्तन निधि को बढ़ाने और लोन लिमिट को बढ़ाने का प्रयास करता है। जबकि ट्रम्प के वफादारों ने इसे राष्ट्रीय पुनरुत्थान की रूपरेखा बताया है, मस्क ने इसे घृणित घृणा करार दिया है।

विनिर्माण की मजबूती के लिए प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्क जरूरी, कुशमैन एंड वेकफील्ड की रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में विनिर्माण गतिविधयों को बढ़ाने के लिए प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्कों के विकास में तेजी की जरूरत है। रियल एस्टेट कंसल्टेंसी फर्म कुशमैन एंड वेकफील्ड की नई रिपोर्ट एलेवेटिंग इंडियाज मैन्युफैक्चरिंग रेजिलिएंस~ चार्टिंग द पाथ टू सेल्फ-रिलायंस में यह जानकारी दी गई है। यह रिपोर्ट भारत के विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों के 94 वरिष्ठ निर्णयकर्ताओं के सर्वेक्षण पर आधारित है। इसमें बड़े उद्योगों से लेकर एमएसएमई तक का दृष्टिकोण शामिल है।

प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्क क्यों है खास

प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्क का मतलब है सारी सुविधाओं से लैस होना। जहां आवश्यक बुनियादी ढांचे, जैसे कि सड़क, बिजली, पानी, और कनेक्टिविटी, पहले से ही मौजूद होते हैं। व्यवसायों को बिना किसी देरी के तुरंत अपने परिचालन शुरू करने की अनुमति मिलती है, जिससे निर्माण और रखरखाव में लगने वाले समय और लागत में कमी आती है।

विनिर्माण क्षेत्र एक संचनात्मक बदलाव के दौर से गुजर रहा है

कुशमैन एंड वेकफील्ड के मुंबई और न्यू बिजनेस के कार्यकारी प्रबंध निदेशक गौतम सराफ ने कहा कि भारत का विनिर्माण क्षेत्र एक संरचनात्मक बदलाव के दौर से गुजर रहा है। हमारी रिपोर्ट में यह सामने आया कि बुनियादी ढांचे में निवेश, स्पष्ट नीतियां और उद्योग की मंशा, मजबूती से जुड़ी हैं। सर्वे के अनुसार 88 प्रतिशत निर्माता बुनियादी ढांचे में सुधार के चलते अपने संचालन का विस्तार कर रहे हैं और 95 प्रतिशत से अधिक ने सरकार समर्थित कार्योक्रमों के मध्यम से बेहतर लॉजिस्टिक्स पहुंच की सूचना दी है।

प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्कों का महत्व बढ़ रहा है

कुशमैन एंड वेकफील्ड में लॉजिस्टिक्स व इंडस्ट्रियल सर्विसेज इंडिया के प्रबंध निदेशक अभिषेक भूटानी ने कहा कि भारत का विनिर्माण क्षेत्र एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है, जो नीतिगत समर्थन और बुनियादी ढांचे में सुधार के कारण तीव्र वृद्धि के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि हमारे शोध से एक महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह निकला है कि प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्कों का महत्व बढ़ रहा है। ये पूर्व-स्वीकृत बुनियादी ढांचे के लिए तैयार क्षेत्र बाजार में आने के समय को कम करने, अग्रिम पूंजीगत व्यय को कम करने और परिचालन जोखिमों को कम करने में मदद कर रहे हैं, खासकर एमएसएमई के लिए जो विस्तार करना चाहते हैं। भूटानी ने यह भी कहा कि जैसे-जैसे कंपनियां नए क्षेत्रों में विस्तार कर रही हैं, उनके लिए लॉजिस्टिक्स, कुशल प्रतिभा और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी से युक्त ऐसे टर्नकी इकोसिस्टम की उपलब्धता निर्णायक साबित होगी।

ओमंग कुमार की फिल्म के लिए जमकर पसीना बहा रहे हर्षवर्धन

फिल्म सनम तेरी कसम फेम एक्टर हर्षवर्धन राणे निर्माता-निर्देशक ओमंग कुमार की फिल्म में नजर आएंगे। अपनी इस आगामी फिल्म के लिए हर्षवर्धन जोर-शोर से तैयारी कर रहे हैं। वे फिल्म में बिल्कुल नए अवतार में दिखाई देंगे और इसके लिए बाकायदा ट्रेनिंग ले रहे हैं। इसकी झलक उन्होंने फैंस से शेयर की है।

दर्शकों को हैरान करेंगे हर्षवर्धन

हर्षवर्धन राणे ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। वे वर्कआउट करते दिख रहे हैं। इसके अलावा वे बॉक्सिंग का अभ्यास कर रहे हैं। वीडियो के साथ हर्षवर्धन ने कैप्शन लिखा है, ओमंग सर की फिल्म के लिए प्रशिक्षण ले रहा हूं, मेरा कुछ ऐसा अवतार होगा, जैसा मैंने पहले कभी स्क्रीन पर नहीं दिखाया।

जुलाई में शुरू हो रही शूटिंग

हर्षवर्धन राणे सेलिब्रिटी कोच कुलदीप शशि की निगरानी में यह प्रशिक्षण ले रहे हैं। कुलदीप शशि ने भी हर्षवर्धन के ट्रेनिंग सैशन की वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करते हुए लिखा है, आशिक बॉय जंग के लिए पूरी तरह तैयार है। हर्षवर्धन ने यह जानकारी भी शेयर की है कि इस फिल्म की शूटिंग 01 जुलाई से शुरू होने जा रही है।

यूजर ने लिखा, बंदा हमेशा दिल जीत लेता है

हर्षवर्धन का धमाकेदार वीडियो देख नेटिजन्स कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, आप जिस तरह से चैलेंज स्वीकार करते हैं, किरदार के लिए तैयारी करते हैं, वह वाकई प्रेरणा देने वाला है। एक यूजर ने लिखा, वाह, एक और शानदार काम देखने को मिलेगा। वीडियो देखकर एक्साइटमेंट बढ़ गई है। एक यूजर ने लिखा है, ये बंदा हमेशा दिल जीत लेता है।

इस फिल्म में नजर आएंगे हर्षवर्धन

हर्षवर्धन के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे फिल्म एक दीवाने की दीवानियत में नजर आएंगे। यह फिल्म इसी साल रिलीज होने वाली है। फिल्म 02 अक्तूबर 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म का निर्देशन मिलाप जावेरी द्वारा किया गया है।

टीवी इंडस्ट्री की हालत डामाडोल! नायरा बनर्जी ने बताई मुश्किलें

टेलीविजन एक्ट्रेस नायरा बनर्जी, जो पिशाचिनी और नागिन जैसे शोज के लिए जानी जाती हैं, कुछ समय से छोटे पर्दे से गायब हैं। नायरा ने बिग बॉस को टॉक्सिक लोगों का शो बताते हुए कहा कि वो अब रियलिटी शोज के लिए नहीं बनी हैं। फेमस टेलीविजन एक्ट्रेस नायरा बनर्जी, जिन्हें पिशाचिनी और नागिन जैसे शोज के लिए जाना जाता है, वो कुछ समय से डेली सोप सर्किट से गायब हैं। बिग बॉस 18 के बाद नायरा ने ज्यादातर शोबिज, खासकर टेलीविजन से दूरी बना ली है, जिससे इस बात को लेकर चिंता बढ़ गई है कि उनके गायब होने का क्या कारण हो सकता है। हाल ही में नवभारत टाइम्स ऑनलाइन के साथ इंटरव्यू में नायरा ने इस बारे में बात करते हुए बताया कि इसका क्या कारण है। इसी के साथ उन्होंने कई सवालों के जवाब दिए। उनसे पूछा गया कि एक जैसे ही रोल्स करना वो पसंद करेंगी या नहीं, तो इस पर नायरा बनर्जी ने कहा, पिशाचिनी का रोल आया तो करूंगी लेकिन पॉजिटिव आया तो मतलब चुड़ैल या भूत प्यारी है तो मैं जरूर उसको करूंगी।

बिग बॉस में टॉक्सिक लोग

बिग बॉस के बाद की लाइफ पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि, बिग बॉस के बाद लाइफ ज्यादा नहीं बदली। मैं कभी उस शो में नहीं जाऊंगी। वो टॉक्सिक लोगों का शो है। मैं रियलिटी शोज के लिए नहीं बनी हूं।

टीवी इंडस्ट्री का खस्ता हाल

टीवी इंडस्ट्री में कम सैलरी मिलने को लेकर भी नायरा ने बात की और कहा, टीवी इंडस्ट्री में कम सैलरी वाली चीज चल रही रही। मार्केट सच में बहुत खराब है। हम इतनी मेहनत इसीलिए करते हैं ताकि हमारी ब्रांड वैल्यू बढ़े लेकिन पैसे कहीं नहीं बढ़ते हैं। हर जगह यही बोला जाता है कि मार्केट खराब है। पैसे नहीं हैं। हम अपनी मुंह मांगी रकम नहीं मांग सकते।

शादी से लगता है डर

शादी की बात पर भी उन्होंने बात की और बोलीं, शादी से बहुत डर लगता है। बहुत डरी हुई हूं। अकेले रहना बेहतर लगता है। अपने हिसाब से जिंदगी तो जी रहे। हमें कोई मारने पीटने और लूटने की कोशिश नहीं कर रहा है। लेकिन फिर हम ये भी सोचते हैं कि कोई होना चाहिए। एक इंसान की कमी तक महसूस होती है। पार्टनर तो चाहिए। उस चीज का सुख तो मुझे भोगना है।

ब्रुकलिन नाइन... के रीमेक में दिखेंगे कुणाल

अभिनेता कुणाल खेमू ने फिल्म मडगांव एक्सप्रेस को डायरेक्ट किया था। अब कुणाल एक नई वेब सीरीज के साथ वापसी करने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... कुणाल को अमेरिकी सीरीज ब्रुकलिन नाइन-नाइन के हिंदी रीमेक में लीड रोल के लिए चुना गया है। नेटफ्लिक्स इस सीरीज को भारतीय दर्शकों के लिए तैयार कर रहा है और कुणाल इसमें जासूस जेक पेराल्टा की भूमिका निभाएंगे। दरअसल सीरीज की कहानी एक मजेदार और अनोखे पुलिस स्टेशन के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां जासूसों की एक टीम अपराध सुलझाते हुए हंसी और ड्रामा का तड़का लगाती है। कुणाल इसमें एक स्मार्ट और मस्तमौला कॉप जेक पेराल्टा का किरदार निभाएंगे। वहीं बाकी कलाकारों की कास्टिंग अभी फाइनल नहीं हुई है। बता दें कि अमेरिकी सीरीज 2013 से 2021 तक चली थी। इसमें एंडी सैमबर्ग ने जेक पेराल्टा का रोल निभाया था।

अर्शी खान ने बताया दुल्हन बनने में क्यों कर रहीं देरी

एक्ट्रेस अर्शी खान बिग बॉस 11 से फेमस हुई थीं और अक्सर किसी न किसी वजहों से सुर्खियों में छाई रहती हैं। उनका कइयों के साथ नाम जुड़ा। लेकिन आज भी वह कुंवारी हैं। अब उन्होंने एक इंटरव्यू में शादी के बारे में बात की। बताया कि वह सेटल होना चाहती हैं। उन्होंने इस दौरान कहा कि असफल शादी से अच्छा कि शादी देर से ही हो। एक्ट्रेस 32 साल की हैं और अभी वह खुद को सिंगल ही बताती हैं। अर्शी खान ने बातचीत में अपनी शादी से जुड़े सवाल पर रिएक्ट किया। उन्होंने कहा, शादी से जुड़े सवाल मुझे बहुत बार डरा देते हैं। मुझे कोई दिक्कत नहीं है। ये मेरी लाइफ है और मैं इसे अपने तरह से जी रही हूं। मैं ऐसे परिवार में पैदा होने के लिए खुद को खुशनसीब मानती हूं, जो मुझ पर भरोसा करते हैं। मुझे समझते हैं और सपोर्ट करते हैं। बाकी मुझे किसी को कोई जवाब नहीं देना। फैंस और दर्शकों की शुक्रगुजार हैं अर्शी खान अर्शी खान ने आगे कहा, मै अपने फैंस और दर्शकों की आभारी हूं और शुक्रगुजार हूं कि वह मेरे साथ हैं। और ट्रोल्स तो मेरे लिए मायने ही नहीं रखते। उनका कोई अस्तित्व ही नहीं है। लोग अक्सर मुझे घर बसाने की सलाह देते हैं। मगर मैं शादी के पहले अपने पार्टनर के बारे में श्योर होने के लिए वक्त ले रही हूं। ऐसा इसलिए है क्योंकि शादी कोई खेल नहीं है, जिसे करो और फिर बाद में छोड़कर चले जाओ।

अर्शी खान ने शादी और तलाक पर कहा

अर्शी खान ने बताया, मेरे लिए ये बहुत सेशल रिलेशनशिप होगा। और देर से शादी करने में मुझे कोई दिक्कत नहीं। लेकिन मैं बिना किसी रिस्क से अपनी शादी पर काम करना चाहती हूं और उसे सफल बनाना चाहती हूं। और मैं यही दूसरों को भी सलाह देती हूं। लोग चार्म के लिए शादी कर लेते हैं और फिर शिकायत करते हैं। और मैंने देखा है लोगों को शादी के सालों बाद तलाक लेते हुए, जो कि दिल तोड़ने वाला होता है। मुझे लगता है कि लोगों तो तभी शादी करना चाहिए, जब वो कंफर्म हो। फिर चाहे कुछ भी हो। हम साथ रहेंगे और उम्र को ध्यान में रखकर तो शादी नहीं करनी चाहिए कि इतने साल के हो गए तो अब कर लो फिर चाहे सही पार्टनर मिले या न मिले।

आनंद एल राय के जन्मदिन पर कृति सेनन ने किया स्पेशल पोस्ट

अभिनेत्री कृति सेनन जल्द ही आनंद एल राय की फिल्म 'तेरे इश्क में' में नजर आएंगी। फिल्म के कुछ हिस्सों की अभी शूटिंग चल रही है। आज आनंद एल राय अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर कृति सेनन ने निर्देशक को बर्थडे विश करते हुए एक खास नोट लिखा है।

कृति ने लिखा दिल छू लेने वाला पोस्ट

कृति सेनन ने अपने इंस्टाग्राम पर आनंद एल राय के साथ कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। ये तस्वीरें शूटिंग के दौरान ही फिल्म के सेट की हैं। इन तस्वीरों में कृति काफी खुश नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए कृति ने आनंद एल राय के लिए एक खास नोट भी लिखा है। इस नोट में कृति ने लिखा, 'जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं सर। आपके साथ काम करना बहुत खुशी की बात रही और यह एक ऐसा सफर है जिसे मैं कभी नहीं भूल पाऊंगी। आपका विजन, आपका जुनून और आपका दिल जो इतने प्यार से भरा है। आपको खास बनाता है। आप जिस तरह से प्यार फैलाते हैं, वैसे ही फैलाते रहें और अपनी लव स्टोरीज बनाते रहें और हमारे दिलों को मुस्कुराहट देते रहें। - आपकी मुक्ति।

मुक्ति के किरदार में नजर आएंगी कृति

कृति सेनन 'तेरे इश्क में' के जरिए पहली बार आनंद एल राय के साथ काम कर रही हैं। इस फिल्म में कृति के साथ धनुष प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में कृति मुक्ति का किरदार निभा रही हैं, जबकि धनुष के कैरेक्टर का नाम शंकर है। आनंद एल राय द्वारा निर्देशित इस फिल्म को 2013 में आई उनकी फिल्म 'रांझणा' का सीक्वल बताया जा रहा था। हालांकि, मेकर्स की ओर से इस बात से इंकार किया जा चुका है।

28 नवंबर को रिलीज होगी फिल्म

'तेरे इश्क में' की कहानी एक जुनूनी लव स्टोरी मालूम पड़ती है। हालांकि, अभी तक मेकर्स की ओर से फिल्म को लेकर अधिक जानकारी नहीं दी गई है। सिर्फ शूटिंग की तस्वीरें ही सामने आई हैं। इससे पहले इस शाल की शुरुआत में फिल्म से धनुष और कृति के लुक टीजर जारी किए गए थे। 'तेरे इश्क में' इसी साल 28 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है।

अर्जुन रामपाल ने बच्चों को बनाया अपना क्रिटिक, राणा दग्गुबाती को बताया 'साइलेंट जीनियस'

नेटफ्लिक्स की क्राइम ड्रामा सीरीज 'राणा नायडू' के दूसरे सीजन में एक नया चेहरा चर्चा में है-राउफ। रहस्यमय, शांत और भीतर से टूटा यह किरदार अर्जुन रामपाल ने निभाया है। हाल ही में अमर उजाला डिजिटल से खास बातचीत में अर्जुन ने बताया कि राउफ जैसा किरदार करना उनके लिए आसान नहीं था। यह रोल उनके लिए सिर्फ एक्टिंग नहीं थी बल्कि एक गहरा अनुभव था।

'अगर कोई कलाकार सच्चाई ढूंढ रहा हो, तो ऐसे रोल डराते नहीं'

सीरीज राणा नायडू 2 में निभाए अपने किरदार के बारे में अर्जुन कहते हैं, मैं कोई रोल सिर्फ इसलिए नहीं करता कि उसमें स्क्रीन पर ज्यादा समय मिले या वो दिखने में अलग लगे। मेरे लिए जरूरी होता है कि वो इंसान अंदर से क्या महसूस कर रहा है। राउफ बहुत कम बोलता है, लेकिन अंदर से बहुत कुछ जी रहा होता है। बाहर से वो शांत लगता है, लेकिन अंदर से टूटा और उलझा हुआ है। राउफ के किरदार को निभाना नहीं था, राउफ को जीना था। और ऐसा करने के लिए पहले अपने आप से सच्चा होना जरूरी होता है। अगर कोई कलाकार सच्चाई ढूंढ रहा हो, तो ऐसे रोल डराते नहीं, बल्कि खुद बुलाते हैं। अर्जुन ने बताया, मैंने राणा नायडू का पहला सीजन देखा था और मुझे वो वाकई बहुत पसंद आया था। उसकी जो टोन थी...कच्ची, अलग और बहुत इमोशंस से भरी, वो आजकल कम देखने को मिलती है। शो के हर किरदार में कमियां थीं, लेकिन फिर भी उनसे जुड़ाव महसूस होता था।

'अगर किरदार में कुछ नया नहीं, तो करने का क्या फायदा'

जब अर्जुन रामपाल को 'राणा नायडू' के दूसरे सीजन का ऑफर मिला, तो उन्होंने फौरन हां नहीं कहा? इस सवाल के जवाब में वह कहते हैं, 'नहीं, मैंने तुरंत हां नहीं कहा था। लेकिन मुझे शो की राइटिंग और टोन पहले सीजन में ही बहुत पसंद आई थी। कहानी पेचीदा थी, हर किरदार का एक पूरा आर्क था। ये आजकल कम देखने को मिलता है। राणा कोई टिपिकल हीरो नहीं है, उसका किरदार भी ग्रे है। बाकी कैरेक्टर भी बेहद रियल लगते हैं। यही चीजें मुझे इस सीजन से जोड़ ले गईं। वह कहते हैं, जब लगा कि ये वही फिल्ममेकर हैं जो हटकर सोचते हैं और अगर इसे उसी ईमानदारी और सेंसिबिलिटी से बनाएंगे तो मुझे लगा, इसका हिस्सा बनना चाहिए।

'मुझे स्क्रीन टाइम नहीं, किरदार की सच्चाई चाहिए'

अर्जुन रामपाल ने डायरेक्टर करण अंशुमान के साथ काम को भी एक शानदार अनुभव बताया। 'मैंने करण से साफ कहा था कि मैं ये शो इसलिए कर रहा हूं क्योंकि आपकी सोच अलग है। लेकिन आप भी तब पूरी तरह खुलकर लिखिए। कुछ भी रोकिए मत। अगर बाद में लगेगा कि कुछ ज्यादा हो गया है, तो उसे एडिट कर लेंगे। लेकिन शुरुआत से ही कम करके मत चलिए।

रितेश की राजा शिवाजी में नजर आएंगी विद्या बालन

अभिनेता, निर्माता और निर्देशक रितेश देशमुख पिछले काफी समय से फिल्म राजा शिवाजी को लेकर चर्चा में हैं। वह न सिर्फ इसमें लीड रोल निभा रहे हैं, बल्कि इसके निर्देशन की कमान भी संभाल रहे हैं। अब फिल्म को लेकर एक नया अपडेट सामने आ रहा है। इसकी कास्ट और बड़ी हो गई है, क्योंकि रितेश और उनकी टीम ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए विद्या बालन को फिल्म में शामिल कर दिया है। विद्या एक ऐसी फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हैं, जो भारतीय इतिहास के सबसे दमदार अध्यायों में से एक की कहानी कहती है। उन्होंने फिल्म के लिए फौरन हां कर दी। रितेश भी विद्या के साथ काम करने के लिए उतावले हो रहे हैं। सूत्र ने आगे बताया कि विद्या ने फिल्म के लिए अपना लुक टेस्ट पहले ही करवा लिया है और अब वह जल्द ही सेट पर शूटिंग में शामिल होंगी। इस फिल्म में अभिषेक बच्चन, फरदीन खान और संजय दत्त भी अहम भूमिका निभाने वाले हैं।

नेपाल अगस्त में ऑस्ट्रेलिया में जाकर खेलेगा टॉप एंड टी20 सीरीज

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि ऑस्ट्रेलिया के डारविन में 14 से 24 अगस्त के बीच होने वाली टॉप एंड टी20 सीरीज में वह चार में से एक अंतर्राष्ट्रीय टीम होगी। नेपाल के लिए ये सीरीज 2026 टी20 विश्व कप में जगह बनाने की तैयारी के तौर पर बड़ी भूमिका अदा कर सकती है। 2026 टी20 विश्व कप में अभी भी तीन स्थान खाली हैं, ये विश्व कप अगले साल भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेला जाना है। आईसीसी टी20 विश्व कप क्वालिफायर्स अक्टूबर में ओमान में आयोजित किया जाएगा, जिसके जरिए नेपाल के पास विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने का मौका होगा। नेपाल अगस्त की शुरुआत में डारविन पहुंच जाएगी, जहां उन्हें कम से कम छह टी20 मुकाबले खेलने हैं। ये सभी मैच कैजली एरेना के स्टेडियम में खेले जाएंगे।

क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ़ नेपाल (सीएएन) के सचिव पारस खड़का ने कहा, टॉप एंड सीरीज में शिरकत करते हुए हम काफी उत्साहित हैं। इससे हमें खुद को प्रतिस्पर्धी माहौल में तैयार करने के लिए बड़ी मदद मिलेगी। हमारा लक्ष्य इस सीरीज के जरिए खुद को इस तरह तैयार करने पर है ताकि 2026 टी20 विश्व कप के लिए हमें क्वालिफाई करने में मदद मिल सके।

एशिया कप भारत में, लेकिन पाकिस्तान यहां नहीं खेलेगा

भारत भी चैंपियंस ट्रॉफी खेलने पाकिस्तान नहीं गया था ; 10 सितंबर से हो सकता है टूर्नामेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप होने को लेकर लंबे समय से चल रहा विवाद अब धीरे-धीरे कम होता दिख रहा है। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में होने वाला एशिया कप 10 सितंबर से शुरू हो सकता है। हालांकि, एशियन क्रिकेट काउंसिल ने इस पर अब तक कुछ भी नहीं कहा है। टूर्नामेंट में पाकिस्तान के सभी मैच हाइब्रिड मॉडल यानी दूसरे देश में खेले जाएंगे। ऐसे में न्यूट्रल वेन्यू UAE हो सकता है। इससे पहले भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण टूर्नामेंट पर सवाल उठ रहे थे। फरवरी में हुई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद भारत के सभी मैच UAE में खेले गए थे।

बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन:

तन्वी और आयुष ने उलटफेर के साथ किया फाइनल में प्रवेश

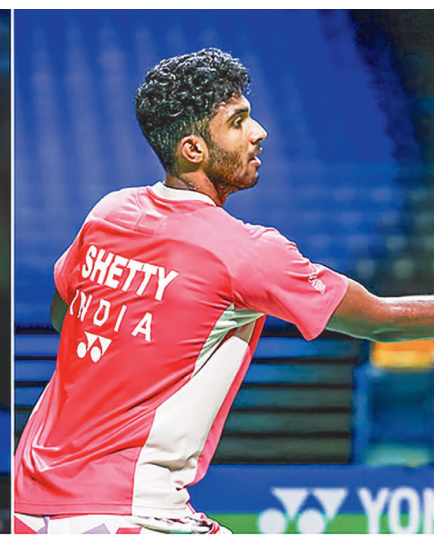

काउंसिल ब्लफ्स, एजेंसी। बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा ने यूक्रेन की पोलिना बुहरोवा को मात दी। उनके अलावा 20 वर्षीय आयुष शेट्टी ने वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-6 खिलाड़ी चोउ टिएन चेन को शिकस्त देकर अपने करियर के सबसे बड़े फाइनल में जगह बना ली है। दोनों ही खिलाड़ी बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन के अपने-अपने फाइनल में पहुंच गए हैं। महिला सिंगल इवेंट में तन्वी ने वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-40 खिलाड़ी बुहरोवा को 21-14, 21-16 से हराकर मुकाबले को 34 मिनट में अपने नाम कर लिया।

वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-66 तन्वी शर्मा ने मई में डेनमार्क चैलेंज जीता था। वह पिछले साल ओडिशा मास्टर्स में सुपर 100 फाइनल में पहुंची थीं। बाई ने अपने एक्स पोस्ट में तन्वी की तारीफ करते हुए लिखा, वह जाल बिछाती हैं, और उसमें सबसे बेहतरीन भी फंस जाते हैं। हमारी टीन टाइटन समझदार, होशियार, साहसी हैं। वह सधे हुए शॉट्स और बेखौफ खेल से हर रैली में दिल जीत रही हैं! गुवाहाटी में बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ट्रेनिंग लेने वाली तन्वी अब समिट क्लैश में चीन की विश्व की 21वें नंबर की खिलाड़ी बेइवेन झांग से भिड़ेंगी। वहीं, दूसरी ओर विश्व में 34वें नंबर के खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने ताइपे ओपन 2025 के सेमीफाइनल में चोउ से मिली हार का बदला चुकता किया। पहले गेम में मिली करीबी हार के बाद उन्होंने चोउ को 21-23, 21-15, 21-14 से हराया। अब फाइनल में शेट्टी का सामना ब्रायन यांग से होगा, जिन्होंने लियाओ झूओ फू पर 21-10, 21-12 से आसान जीत दर्ज की है। शेट्टी की नजरें अपने पहले वर्ल्ड टूर खिताब जीतने पर होंगी, क्योंकि यांग पर उनका रिकॉर्ड 2-0 है। बीडब्ल्यूएफ ने एक्स पर लिखा, 16 वर्षीय तन्वी शर्मा और 20 वर्षीय आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन-2025 के सेमीफाइनल में सबका ध्यान अपनी ओर खींचा।

इससे पहले, तन्वी ने क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की पिचामोन ओपटनीपुथ को सीधे गेम में 21-18, 21-16 से हराया था, जो दुनिया की 58वें नंबर की खिलाड़ी हैं। वह 2023 की जूनियर विश्व चैंपियन भी हैं। दूसरी ओर, आयुष ने पुरुष एकल के राउंड ऑफ 16 में हमवतन थारुन मन्नेपल्ली पर 21-12, 13-21, 21-15 से कड़ी टक्कर में दर्ज की, जो दुनिया में 54वें नंबर के खिलाड़ी हैं।

स्मृति मंधाना सभी प्रारूपों में शतक बनाने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मृति मंधाना ने इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में खेले गए पहले टी20 मैच में शतक लगाकर इतिहास रच दिया। वह तीनों प्रारूपों में शतक बनाने वाली पहली भारतीय महिला बन गई। वह हरमनप्रीत कौर के बाद टी20 शतक बनाने वाली दूसरी भारतीय महिला भी बन गई हैं। इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए मैच में मंधाना ने 62 गेंदों पर 15 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 112 रन की पारी खेली। इस पारी की बदौलत भारत ने 20 ओवरों में 210/5 का विशाल स्कोर बनाया। यह टी 20 मैचों में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय महिला टीम का शीर्ष स्कोर है। भारतीय टीम ने 14.5 ओवर में इंग्लैंड को 113 रन पर समेट कर मैच 97 रन से जीता और पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। मंधाना नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर के सिर में चोट लगने की वजह से इस मैच में कप्तान भी थी।

मंधाना के टी 20 करियर पर नजर डालें तो 149 मैचों में एक शतक और 30 अर्धशतक की मदद से 3,873 रन बनाए हैं। मंधाना भारत की तरफ से टी 20 फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हैं। वहीं, ओवरऑल न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के बाद दूसरे नंबर पर हैं। हरमनप्रीत कौर भारत की तरफ से दूसरे और ओवरऑल तीसरे स्थान पर हैं। 102 वनडे मैचों में 11 शतक और 31 अर्धशतक की मदद से मंधाना ने 4,473 रन बनाए हैं। वहीं सात टेस्ट मैचों में दो शतक की बदौलत उन्होंने 629 रन बनाए हैं। मंधाना ने 2024 में वनडे फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन किया था। पिछले साल उन्होंने चार वनडे शतक लगाए। किसी अन्य महिला बल्लेबाज ने एक साल में तीन से अधिक शतक नहीं लगाए हैं। इस प्रदर्शन की बदौलत मंधाना को आईसीसी महिला वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया। वहीं आईसीसी की महिला वनडे टीम ऑफ द ईयर में भी शामिल किया गया। जून 2018 में बीसीसीआई ने मंधाना को सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर के पुरस्कार से सम्मानित किया था।

लॉर्ड्स अच्छा है, लेकिन ...

रवि शास्त्री ने WTC फाइनल के लिए नए मैदान की सिफारिश की

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने नए मैदान की सिफारिश की है। शास्त्री ने कहा कि इंग्लैंड टेस्ट क्रिकेट के विकास के लिए एक आदर्श स्थल बना हुआ है, हालांकि एकमात्र मैच बाद में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बड़े स्थलों पर खेला जा सकता है।

पिछले छह वर्षों में लगातार तीन WTC फाइनल इंग्लैंड के तीन अलग-अलग स्टेडियमों में खेला गया है। साउथेम्प्टन के रोज बाउल ने उद्घाटन फाइनल में भारत और न्यूजीलैंड की मेजबानी की। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने ओवल में WTC 2023 का फाइनल भारत के खिलाफ जीता। इस महीने की शुरुआत में ट्रॉफी लंदन लौटी जिसमें प्रतिष्ठित लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड ने ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच एक शानदार मैच में प्रोटियाज ने टेम्बा बावुमा की कप्तानी में 27 साल के ICC ट्रॉफी सूखे को समाप्त किया।

लंदन में होने वाले इस आयोजन में लंबे प्रारूप के लिए तटस्थ क्रिकेट प्रेमी

भीड़ जुटती रहती है, लेकिन शास्त्री को लगता है कि भविष्य में पर्याप्त दर्शक मिलने के बाद चैंपियनशिप का फाइनल भारत के नरेंद्र मोदी स्टेडियम और ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड जैसे विशाल स्टेडियमों में आयोजित किया जा सकता है।

विजडन क्रिकेट पॉडकास्ट में शास्त्री ने कहा, मुझे लगता है कि शुरुआत में अगर यह यहीं (लॉर्ड्स) हो तो अच्छा रहेगा। एक बार जब इसे वह लोकप्रियता और प्रशंसा मिल जाए जिसके यह हकदार है, तो इसे स्थानांतरित किया जा सकता है। लेकिन मुझे लगता है कि एमसीजी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए एक बेहतरीन जगह हो सकती है। भारत के पूर्व मुख्य कोच ने कहा, अहमदाबाद WTC फाइनल के लिए एक बेहतरीन जगह हो सकती है। मूल रूप से, ऐसी जगहें जहां आप भीड़ जुटा सकते हैं। क्योंकि लॉर्ड्स 100,000 सीटों वाला स्टेडियम नहीं है। इसलिए चाहे कोई भी टीम खेल रही हो, आपको पता है कि आपको अच्छी भीड़ मिलेगी। हाल की रिपोर्टों ने सुझाव दिया है कि इंग्लैंड अगले दो चक्रों में भी WTC फाइनल का घर हो सकता है जिसका फाइनल 2029 और 2031 में होना तय है। ICC के फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम के अनुसार 2027 WTC फाइनल भी लॉर्ड्स में आयोजित किया जाना तय किया गया है। WTC 2027 की मेजबानी के लिए BCCI की बोली को हाल ही में खारिज कर दिया गया था, क्योंकि तटस्थ टेस्ट को लगातार समर्थन देने के लिए इंग्लैंड को तरजीह दी गई थी।

मैं खाली मैदान को निहारता रहा लेकिन...

रोहित शर्मा ने सुनाया टी-20 वर्ल्डकप जीत का किस्सा

नईदिल्ली, एजेंसी। 29 जून 2024 को भारत ने बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर 11 साल बाद आईसीसी ट्रॉफी जीतने का सपना पूरा किया था. अब इस महाजीत के ठीक एक साल बाद रोहित शर्मा ने उस ऐतिहासिक जीत से पहले की भावनाओं और दबाव को लेकर अपने दिल की बात साझा की है.

रोहित बोले - मैं रात भर सो नहीं सका - रोहित शर्मा ने कहा कि तेरह साल लंबा समय होता है. कई खिलाड़ियों का तो इतना लंबा करियर भी नहीं होता. मैंने पिछली बार 2007 में वर्ल्ड कप जीता था. इसलिए मेरे लिए इससे बड़ा कुछ हो ही नहीं सकता था. मैं रातभर सो नहीं पाया. बस वर्ल्ड कप के बारे में ही सोचता रहा. मैं इतना नर्वस था कि मेरे पैरों में जान नहीं थी. अंदर से बहुत कुछ चल रहा था, हालांकि मैं बाहर नहीं दिखाता. हमें सुबह 8:30 या 9 बजे निकलना था, लेकिन मैं 7 बजे उठ गया.

रोहित शर्मा ने कहा कि मेरे कमरे से मैदान दिख रहा था और मैं बस उसे निहारता रहा. मैंने खुद से कहा, दो घंटे में मैं वहां खेल रहा होऊंगा, और चार घंटे में सब कुछ तय हो जाएगा. या तो कप हमारे पास होगाज या नहीं. 2023 के वनडे वर्ल्ड कप में भारत को फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था. ऐसे में रोहित शर्मा पर वर्ल्ड कप जीतने का ज़बरदस्त दबाव था. 38 वर्षीय रोहित के लिए यह कप्तान के तौर पर पहली ICC ट्रॉफी थी. वह 2007 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रह चुके हैं. 2024 के इस वो कैच मैच का टर्निंग पॉइंट था: रोहित शर्मा फाइनल में हेनरिक क्लासेन ने 23 गेंदों में अर्धशतक जड़कर भारत की मुश्किलें बढ़ा दी थीं. आखिरी पांच ओवरों में दक्षिण अफ्रीका को सिर्फ 30 रन चाहिए थे और डेविड मिलर क्रीज़ पर मौजूद थे. तभी सूर्यकुमार यादव ने लंबी सीमा रेखा पर एक हैरतअंगेज़ कैच लेकर मिलर को आउट किया और भारत को वापसी का मौका मिला. रोहित ने कहा कि मैं लॉन्ग ऑन पर था और वो कैचज सच कहूं तो वही मैच का पल था. ऐसा लग रहा था कि गेंद छक्के के लिए जा रही है, लेकिन तभी सूर्या हवा में उड़े और कैच पकड़ लिया. हवा भी गेंद को थोड़ा पीछे खींच लाई होगी. थर्ड अंपायर का फैसला आने तक सबकी सांसें रुकी थीं. बता दें कि भारत की जीत के बाद रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा ने टी-20 से संन्यास की घोषणा की. कोहली को फाइनल में शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया था. तीनों खिलाड़ियों ने इस ऐतिहासिक जीत के साथ इस प्रारूप को अलविदा कहा ।

छक्का लगाते ही हो गई बल्लेबाज की मौत, खेल के मैदान पर ली आखिरी सांस

नई दिल्ली, एजेंसी। खेल के मैदान में कई बार खिलाड़ियों की मौत की दुखद खबर देखने को मिलती है। पंजाब के फिरोजपुर स्थित क्रिकेट मैच के दौरान भी ऐसी ही कुछ देखने को मिला जब बल्लेबाज की छक्का लगाते ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक छक्का लगाने के तुरंत बाद खिलाड़ी को हार्ट अटैक आ गया जिस कारण उसकी मौत हो गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

घटना एक निजी स्कूल के ग्राउंड की है और मरने वाले खिलाड़ी का नाम हरजीत सिंह बताया जा रहा है। इस घटना का वीडियो साथ खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों ने कैमरे में कैद कर लिया था। वीडियो में देखा जा सकता है कि युवक बल्लेबाजी कर रहा है और एक बॉल पर सिक्सर शॉट खेलता है। छक्का लगाने के बाद खिलाड़ी क्रीज पर ही बैठ जाता है जिसके बाद नॉन स्ट्राइक पर खड़ा बल्लेबाज भी उसके साथ आकर बैठता है। इस दौरान स्टाइकर जमीन पर गिर जाता है और सभी साथी खिलाड़ी दौड़कर उसे देखते हैं।

अंपायर के खिलाफ आवाज उठाना पड़ा महंगा

वेस्टइंडीज के कोच डैरेन सैमी को ICC ने सुनाई सजा

नई दिल्ली, एजेंसी। बारबाडोस में खेले गए पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज को 159 रनों से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया 180 पर ढेर हो गई थी, वेस्टइंडीज भी 190 रन ही बना पाई थी. उन्होंने 10 रन की बढ़त हासिल की, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने 310 रन बनाकर लक्ष्य 301 रनों का दिया. वेस्टइंडीज 141 रनों पर ऑल आउट हो गई. मैच में अंपायर के कई फैसले विवादित रहें, जो अधिकतर मेजबान के विरोध में गए. इससे नाराज कोच डैरेन सैमी ने अंपायर का नाम लेकर फैसलों पर सवाल उठाए थे. वेस्टइंडीज बनाम ऑस्ट्रेलिया पहले टेस्ट में थर्ड अंपायर एड्रियन

होल्डस्टॉक थे, उनके 5 फैसले विवादित रहे और इनमें से 4 वेस्टइंडीज के खिलाफ गए. कोच डैरेन सैमी ने प्रेस कांफ्रेंस में नाम लेकर थर्ड अंपायर के फैसलों पर आपत्ति जताई थी. इसके बाद आईसीसी ने उनको सजा सुनाई.

डैरेन सैमी ने क्या कहा - सैमी ने प्रेस कांफ्रेंस में अंपायर का नाम लेकर कहा था कि ऐसे गलत फैसलों की वजह से मैच हमारे खिलाफ गया. उन्होंने कहा कि क्या इस टीम के खिलाफ कुछ है? जब एक के बाद एक ऐसे गलत फैसले देखते हो तो सवाल तो उठेंगे ही. उनके आलावा कप्तान रॉस्टन चेज ने भी सवाल उठाए थे.

ICC ने लगाया जुर्माना -आईसीसी ने डैरेन सैमी पर डिमेरिट अंक जोड़ा और मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माने के रूप में काटा. वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडेन सील्स पर भी मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगा. उन्होंने पैट कमिंस को आउट करने के बाद कुछ इशारे किए थे, इस कारण उन्हें सजा दी गई. वेस्टइंडीज के कप्तान रॉस्टन चेज ने भी अंपायर के फैसलों पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि खिलाड़ियों को गलत करने पर सजा मिलती है लेकिन अंपायर के साथ कुछ भी नहीं होता. दरअसल एक फैसला चेज के खिलाफ भी गया था. टेस्ट के दूसरे दिन पैट कमिंस ने उन्हें एलबीडबल्यू आउट किय, लेकिन उन्होंने इस पर DRS ले लिया. अल्ट्रा एज में दिखा कि जब गेंद बल्ले के पास थी तो कुछ स्पाइक है, लेकिन थर्ड अंपायर ने उन्हें आउट ही दिया.

इंडिया-इंग्लैंड

श्रेयस की टेस्ट टीम में वापसी अभी इन खिलाड़ियों की वजह से संभव नहीं, पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने गिनाए नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए जब भारतीय टीम का ऐलान किया गया था तब उसमें श्रेयस अय्यर का नाम नहीं था। श्रेयस को घरेलू स्तर पर अच्छे प्रदर्शन के बावजूद भारतीय टीम में जगह नहीं दी गई थी। श्रेयस के चयन पर मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कहा था कि उनका प्रदर्शन अच्छा था, लेकिन फिलहाल टीम में जगह खाली नहीं थी।

भारतीय मध्यक्रम में है कड़ी प्रतिस्पर्धा - अब श्रेयस अय्यर को इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में जगह क्यों नहीं दी गई इसको लेकर पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने बताया। आकाश चोपड़ा का मानना है कि भारतीय मध्यक्रम में जगह बनाने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा है और इसकी वजह से श्रेयस का इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में चुने जाने की संभावना काफी कम थी। आकाश चोपड़ा का मानना है कि सरफराज खान और ध्रुव जुरेल जैसे खिलाड़ी भी अभी मौके के इंतजार में हैं और इसलिए श्रेयस को अभी टेस्ट टीम में वापसी के लिए इंतजार करना होगा।

श्रेयस को करना होगा सही मौके का इंतजार - आकाश चोपड़ा ने श्रेयस अय्यर के बारे में बात करते हुए कहा कि उनकी बल्लेबाजी समस्या नहीं है। उन्हें टेस्ट टीम में तुरंत मौका नहीं मिलेगा और उन्हें सही मौके का इंतजार करना होगा। वह इंग्लैंड दौरे के लिए भी टीम में जगह नहीं बना पाते क्योंकि अभी कई दूसरे खिलाड़ी कतार में हैं और उन्हें अभी तक मौके नहीं मिले हैं। आकाश ने कहा कि करुण नायर ने अभी-अभी वापसी की है और सरफराज खान को कोई मौका नहीं दिया जा रहा है। ध्रुव जुरेल बाहर बैठे हैं। अगर पहले से ही टीम का हिस्सा रहे खिलाड़ियों को मौका नहीं दिया जा रहा है तो श्रेयस को मौका कैसे मिल सकता है।

- *श्रेयस को धैर्य रखने की जरूरत - आकाश चोपड़ा ने यह भी माना कि श्रेयस अय्यर ने पिछले दिनों घरेलू स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन इस बात पर जोर दिया कि उन्हें धैर्य रखना चाहिए और टेस्ट क्रिकेट में अपने मौके का इंतजार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि उनका प्रथम श्रेणी सीजन और आईपीएल 2025 काफी अच्छा रहा जिसमें उन्होंने पंजाब किंग्स को अपनी कप्तानी में फाइनल तक पहुंचाया। उन्होंने व्हाइट-बॉल क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उन्हें टेस्ट में भी मौका मिलेगा। उन्हें बस थोड़ा और धैर्य रखना होगा।*

संक्षिप्त समाचार

'अनाधिकृत कॉलोनियों में भी नोटिस'; सौरभ भारद्वाज ने बुलडोजर ऐक्शन को लेकर भाजपा पर बोला हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने राजधानी में जारी बुलडोजर ऐक्शन के लिए भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला है। उनका दावा है कि अब तक कुल 10,000 झुग्गियों को ध्वस्त करके हजारों-लाखों लोगों को बेघर कर दिया गया है। आप नेता ने कहा कि दिल्ली में केवल झुग्गी-झोपड़ियां ही नहीं तोड़ी जा रहीं, बल्कि अनाधिकृत कॉलोनियों में भी नोटिस आ रहे हैं। सौरभ भारद्वाज ने कहा, च्आज दिल्ली में संकट केवल झुग्गी-झोपड़ियों का नहीं है, आज अनाधिकृत कॉलोनियों के लिए नोटिस आ रहे हैं। झुग्गी-झोपड़ी वालों को बिना नोटिस के ध्वस्त किया जा रहा है। अब तक कुल 10,000 झुग्गियों को तोड़कर बेघर कर दिया गया है। मैं दिल्ली की सरकार से जानना चाहता हूं कि यह लाखों लोग जिन्हें उजाड़ा गया है, यह कहां जाएंगे? यह बताना भाजपा का दायित्व है कि ये लोग कहां जाएंगे या फिर आप यह चाहते हैं कि ये लोग दिल्ली से उत्तर प्रदेश और बिहार लौट जाएं? आप साफ-साफ बताएं।

दिल्ली की झुग्गियों को भाजपा के बुलडोजर से बचाने को प्रदर्शन करेगी 'आप': आम आदमी पार्टी रविवार को जंतर-मंतर पर 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया और दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज के नेतृत्व में भाजपा द्वारा दिल्ली में झुग्गियों को कथित तौर पर ध्वस्त करने के खिलाफ विशाल विरोध प्रदर्शन करेगी। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा ने उन लोगों को धोखा दिया है, जिन्होंने उन पर भरोसा किया और उन्हें सत्ता में लाया। उन्होंने कहा, च्दिल्ली चुनाव के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने झुग्गियों में रहने वाले गरीबों से एक वादा किया था कि उनके लिए झुग्गियों के स्थान पर ही घर बनाए जाएंगे। गरीबों ने इस वादे पर विश्वास करते हुए भाजपा को वोट दिया। लेकिन सरकार बनने के कुछ ही दिनों बाद भाजपा ने उन्हें बेदखल करने का एक निर्दयी अभियान शुरू कर दिया। 'आप' के दिल्ली इकाई के प्रमुख ने दावा किया कि 10,000 से अधिक झुग्गियों को पहले ही ध्वस्त कर दिया गया है, जिससे एक लाख से अधिक निवासी विस्थापित हो गए हैं, वे बेघर हो गए हैं और उन्हें किसी भी प्रकार का आश्रय या सुरक्षा नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि जहां घर दिए गए हैं, वे बुनियादी सुविधाओं से रहित दूरदराज के इलाकों में हैं। कई परिवारों को अपात्र होने के बहाने कोई घर नहीं दिया गया है, जिससे उन्हें सड़कों पर रहने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। भाजपा के एजेंडे पर सवाल उठाते हुए सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा गरीब विरोधी है। उनका असली लक्ष्य गरीबों को दिल्ली से बाहर धकेलना है। इसलिए वे एक के बाद एक झुग्गियों को निशाना बना रहे हैं। आने वाले दिनों में कई और बस्तियों को ध्वस्त किया जाएगा। यह जरूरी है कि झुग्गी निवासी एकजुट हों और इसके विरोध में अपनी आवाज उठाएं।

सुहाना हुआ दिल्ली का मौसम, एनसीआर के कई हिस्सों में बरसे बदरा

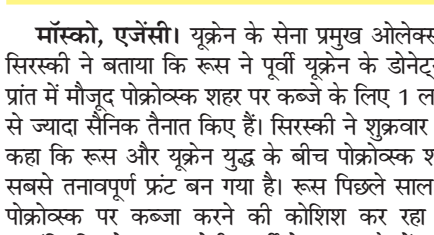

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली एनसीआर के कई इलाकों में बारिश होने की खबर सामने आई है। एनसीआर के कई हिस्सों में हुई बूंदाबांदी से मौसम सुहाना हो गया है। तापमान गिरने से लोगों ने भीषण गर्मी से राहत की सांस ली। बीते दिन मौसम विभाग ने अनुमान लगाया था कि रविवार को शहर के कई हिस्सों में बादल छाए रहेंगे, इसके साथ ही हल्की से मध्यम बारिश होने का भी अनुमान लगाया था। कल राजधानी दिल्ली का मौसम अचानक बदल गया था। कई इलाकों में तेज आंधी के साथ बारिश देखी गई थी। इसके साथ ही आने वाले दिनों के लिए बारिश के संकेत भी जारी कर दिए गए थे। मौसम विभाग ने 29 जून के लिए आंधी-तूफान के साथ झमाझम बारिश होने की संभावना जताई थी। इसके साथ ही लोगों को सतर्क रहने के लिए अलर्ट भी जारी किए गए थे। आपको बताते चलें कि 30 जून से लेकर 2 जुलाई तक के लिए भी बारिश और तूफान की चेतावनी जारी की जा चुकी है।

भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के ऐलान में हो रही देरी?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति की प्रक्रिया में काफी देरी हो चुकी है। ऐसा कहा जा रहा है कि बीजेपी नेतृत्व और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच फिलहाल किसी एक नाम पर सहमति नहीं बनी है। हालांकि, भगवा पार्टी के सूत्र का कहना है कि जल्द ही इस पर आम सहमति बनने की संभावना है। भाजपा के संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव तभी संभव होता है जब पार्टी के कम से कम 19 राज्यों में अध्यक्ष नियुक्त हो चुके हों। अभी तक पार्टी ने 37 में से 14 राज्यों में नए अध्यक्षों की घोषणा कर दी है। बाकी राज्यों जैसे कि उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में भी जल्द ही नियुक्तियां की जाएंगी। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि 18 राज्यों

में जिला अध्यक्षों का चुनाव पूरा हो चुका है या अंतिम चरण में है। अगले कुछ हफ्तों में 19 राज्यों का आंकड़ा पूरा हो जाएगा। भाजपा के संविधान में सभी स्तरों पर प्रमुखों के चुनाव के लिए एक ही फॉर्मूला तय किया गया है। आधे बूथ अध्यक्षों के चुनाव खत्म होने के बाद, मंडल प्रमुख का चुनाव होता है। आधे मंडल अध्यक्षों के चुनाव के बाद, जिला प्रमुखों के लिए रास्ता साफ हो जाता है। जब आधे जिला इकाई अध्यक्षों का चुनाव हो जाता है, तो प्रदेश अध्यक्ष के नाम की घोषणा की जा सकती है। 37 राज्यों में भाजपा के प्रदेश अध्यक्षों के ऐलान के बाद पार्टी नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की ओर बढ़ती है।

संघ-भाजपा के बीच नामों पर मंथन

पार्टी और संघ के बीच सहमति बनाने की प्रक्रिया चल रही है, जिससे चयन में थोड़ी देरी हुई। उम्मीदवार की उम्र, समाजिक पृष्ठभूमि और भौगोलिक क्षेत्र को ध्यान में रखा जा रहा है। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को ध्यान में रखते हुए रणनीति बनाई जा रही है। कुछ नाम जो चर्चा में हैं वे वर्तमान में केंद्रीय मंत्री हैं, इसलिए कैबिनेट में संभावित फेरबदल की भी बात की जा रही है।

पीएम की विदेश यात्रा के बाद होगा ऐलान?

बीजेपी सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जुलाई के दूसरे सप्ताह में विदेश यात्रा से लौटने के बाद पार्टी नए अध्यक्ष की घोषणा कर सकती है। पार्टी ने इस बीच महाराष्ट्र, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल में प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के लिए चुनाव अधिकारी नियुक्त कर दिए हैं। भाजपा के नए अध्यक्ष के सामने कई चुनावी चुनौतियां होंगी। नए अध्यक्ष के नेतृत्व में पार्टी को आगामी चुनावों का सामना करना है, जिनमें 2025 में ही होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव। इसके बाद 2026 में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम विधानसभा चुनाव शामिल है।

...तो 3 साल से ज्यादा नहीं चलेगी रेखा गुप्ता की सरकार; अरविंद केजरीवाल ने कर दी भविष्यवाणी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की बीजेपी सरकार पर झुग्गियों पर बुलडोजर चलाने का आरोप लगाते हुए आम आदमी पार्टी ने आज जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बड़ी भविष्यवाणी कर दी। उन्होंने कहा है कि अगर बीजेपी ने झुग्गियां तोड़नी बंद नहीं की तो रेखा गुप्ता बतौर सीएम अपना कार्यकाल भी खत्म नहीं कर पाएंगीं और तीन साल में ही उनकी सरकार खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा, बीजेपी का प्लान दिल्ली की सभी झुग्गियां तोड़ने का है। इनकी गंदी नजर आपके घरों पर टिकी हुई है। दिल्ली में 40 लाख से ज़्यादा झुग्गीवाले हैं, यह सभी इकट्ठे होकर सड़कों पर आकर आंदोलन करेंगे> मैं बीजेपी को चेतावनी देना चाहता हूं कि सुधर जाओ, झुग्गियां तोड़ना बंद करो।अगर झुग्गिया× तोड़ना बंद नहीं किया तो तुम्हारा सिंहासन डोलने में वक्त नहीं लगेगा। इसी जंतर मंतर से कांग्रेस का सफाया हुआ था। अगर बीजेपी ने झुग्गियां तोड़नी बंद नहीं की तो रेखा गुप्ता की सरकार तीन साल से ज्यादा नहीं चलेगी। उन्होंने आगे कहा, बीजेपी की 4 इंजन की नहीं, 10 इंजन की सरकार है। हम अच्छी खासी दिल्ली छोड़कर गए थे, 24 घंटे बिजली आती थी।

तुम्हें एफआईआर-एफआईआर खेलने के लिए वोट दिया था क्या, दिल्ली में केजरीवाल का भाजपा पर बड़ा हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की भाजपा पर सरकार पर बड़ा हमला बोला और 25 साल बाद सत्ता में आने के बावजूद लोगों के काम ना करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, बीजेपी 25 साल बाद आई है। 25 सालों तक ये हमें गालियां दे रहे थे और अभी भी गालियां ही दे रहे हैं। अभी भी मनीष सिसोदिया पर एफआईआर। सत्येंद्र जैन पर एफआईआर। उन्होंने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा, तुम लोगों को कुछ काम करने के लिए वोट दिया था। एफआईआर करने के लिए वोट नहीं दिया था। तुम्हें एफआईआर-एफआईआर खेलने के वोट नहीं दिया था। केजरीवाल ने कहा, इन्हें सरकार नहीं चलानी है। इनकी मंशा ही नहीं है। इनकी लूट चालू हो गई है। अरविंद केजरीवाल ने कहा, इन लोगो ने हमें 25 साल तक गालियां दी। 10 साल थोड़ी शांति थी। अगर यही हाल रहा तो 5 साल के बाद अगले पांच साल तक बीजेपी दिल्ली में नहीं आने वाली।

दिल्ली के बुराड़ी थाने में घूस लेता पकड़ा गया हेड कॉन्स्टेबल, विजिलेंस की रेड के बीच आया हार्ट अटैक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की विजिलेंस ब्रांच ने बुराड़ी थाने में तैनात एक हेड कॉन्स्टेबल को शुक्रवार रात 25 हजार रुपये की घूस लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। विजिलेंस की कार्रवाई के दौरान आरोपी हेड कॉन्स्टेबल सुरेंद्र को दिल का दौरा पड़ गया। इसके चलते उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोप है कि हेड कॉन्स्टेबल ने मोबाइल टावर नहीं हटाने के एवज में शिकायतकर्ता से 75 हजार रुपये की घूस मांगी थी।

वेस्ट कमल विहार निवासी व्यक्ति ने अपने घर की छत पर मोबाइल टावर लगवाया था। इसे लेकर आसपास के लोगों ने थाने में शिकायत की थी। पीड़ित का आरोप है कि पहले एक हेड कॉन्स्टेबल ने शिकायत का निस्तारण करने के लिए रुपये मांगे थे। बाद में वह विभागीय ट्रेनिंग पर चला गया। इसके बाद एक अन्य हेड कॉन्स्टेबल सुरेंद्र ने उनसे संपर्क किया। सुरेंद्र ने पीड़ित से 75 हजार रुपये देने की मांग की, तो पीड़ित ने विजिलेंस ब्रांच में इसकी शिकायत कर दी। विजिलेंस के कहने पर पीड़ित रुपये किश्तों में देने पर सहमत हो गया।

कार्रवाई के दौरान हेड कांस्टेबल को पड़ा दिल का दौरा

पीड़ित के आरोपी को रुपये देने के बाद विजिलेंस एसीपी और एसएचओ थाने में पहुंच एग। इस बीच सुरेंद्र को शक हो गया और उसने घूस के रुपये अपने साथी हेड कॉन्स्टेबल को सौंप दिए। जब विजिलेंस शाखा ने सुरेंद्र को दबोचा, तो रुपये उसके पास नहीं मिले, लेकिन सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से रिश्वत का राज खुल गया। कार्रवाई के दौरान सुरेंद्र को दिल का दौरा पड़ गया। उसे बुराड़ी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराना पड़ा।

प्रेमिका को प्रताड़ित करना प्रेम नहीं; और दिल्ली की कोर्ट ने नहीं दी बेल

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहिणी जिला अदालत ने पूर्व प्रेमिका को प्रताड़ित करने के मामले में कथित तौर पर मानसिक रूप से बीमार आरोपी की जमानत खारिज कर दी है। अवकाश न्यायाधीश धीरेंद्र राणा की अदालत ने कहा कि आरोपी निखिल बजाज प्रेमिका की शादी होने के बावजूद लगातार उसका पीछा करता रहा। प्रेमिका को प्रताड़ित करना प्रेम नहीं है। उस पर लगे आरोप संगीन हैं। ऐसे में आरोपी को जमानत नहीं दी जा सकती। आरोपी के वकील ने अदालत को बताया कि पीड़िता और उनके मुवक्किल की मुलाकात एक पारिवारिक समारोह के दौरान हुई थी। समय के साथ उनकी दोस्ती प्रेम में बदल गई। लेकिन पारिवारिक कारणों से उनकी शादी संभव नहीं हो सकी। युवती की शादी कनाडा में रहने वाले एक युवक से हो गई। उसके बाद युवती कनाडा चली गई। इसके बाद युवक न्यूरो-डिसऑर्डर से पीड़ित होकर मानसिक तौर पर परेशान हो गया। आरोपी के वकील ने अदालत को बताया कि मानसिक तौर पर परेशान उनके मुवक्किल का इलाज मेरठ के मानसिक अस्पताल में हुआ है और वह अब भी दवा ले रहा है। लेकिन जब अदालत ने आरोपी से बातचीत की तो उसने कोई गंभीर बीमारी की शिकायत नहीं की।

30 साल में खत्म हो सकते हैं हिमखंड, स्विट्जरलैंड, अमेरिका व कनाडा में तेजी से खत्म हो रहे हैं ग्लेशियर

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिमी कनाडा, अमेरिका और स्विट्जरलैंड के ग्लेशियर बेहद तेज़ी से पिघल रहे हैं। 2021 से 2024 के बीच इन तीन देशों में कुल ग्लेशियर बर्फ का 12 फीसदी हिस्सा खत्म हो चुका है। शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि यही रफ्तार रही, तो जिन ग्लेशियरों के बारे में हम सोचते हैं कि वे 50 वर्षों तक रहेंगे, वे महज 30 वर्षों में ही इतिहास बन सकते हैं। नेचर में प्रकाशित ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय के नेतृत्व में हुए एक नए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन ने इस चौंकाने वाली सच्चाई से पर्दा उठाया है। इस अध्ययन से पता चला है कि 21वीं सदी के पहले दशक की तुलना में 2010 से 2019 के बीच ग्लेशियरों का पिघलना दोगुना हो गया। शोध दिखाता है कि उसके बाद के वर्षों में, ग्लेशियरों का पिघलना खतरनाक रफ्तार से जारी रहा। ग्लेशियरों के इस बड़े नुकसान के पीछे प्रमुख कारण गर्म और शुष्क मौसम को बताया गया है। सिर्फ मौसम ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय प्रदूषण भी इस त्रासदी का कारक बन रहा है। स्विट्जरलैंड में सहारा रेगिस्तान से आई धूल और अमेरिका-कनाडा में जंगल की आग से फैली राख ने ग्लेशियरों को काला कर दिया। यह काला रंग सूर्य की गर्मी को अधिक सोखता है और पिघलने की प्रक्रिया को तीव्र बना देता है। ग्लेशियरों के बड़े पैमाने पर नुकसान को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र ने 2025 को अंतरराष्ट्रीय ग्लेशियर संरक्षण वर्ष घोषित किया है। यह पहल यूनेस्को, डब्ल्यूएमओ और 35 देशों के 200 से अधिक संगठनों से समर्थित है।

ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल को चर्चा की मंजूरी: सीनेट में 51-49 वोटों से प्रस्ताव पारित

मस्क बोले- यह विधेयक पागलपन, लाखों नौकरियां खत्म होंगीं

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल को चर्चा के लिए मंजूरी दे दी है। शनिवार देर रात हुई वोटिंग में सीनेट ने 51-49 वोटों के अंतर से एक प्रस्ताव पारित किया, जिससे सदन को बिल पर बहस शुरू करने की इजाजत मिल गई। दो रिपब्लिकन सीनेटरों ने प्रस्ताव के खिलाफ वोट दिया। वोटिंग के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस मौजूद थे। क्योंकि टाई की स्थिति में उनके वोट करने की जरूरत पड़ सकती थी। ट्रम्प टैक्स और खर्च में कटौती करने वाले इस बिल को 4 जुलाई से पहले पारित कराना चाहते हैं। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ इलॉन मस्क ने ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल की एक बार फिर से आलोचना की है। मस्क ने शनिवार को एक्स पर लिखा, ट्रम्प का यह बिल अमेरिका में लाखों नौकरियां खत्म कर देगा और हमारे देश को बहुत बड़ा रणनीतिक नुकसान पहुंचाएगा।

मस्क ने कहा, यह पूरी तरह से पागलपन भरा और विनाशकारी है। यह कानून पुराने उद्योगों को रियायत देता है, लेकिन भविष्य के उद्योगों को तबाह कर देगा। मस्क ने पिछले महीने इस बिल को लेकर ट्रम्प प्रशासन में गवर्नमेंट एफिशिएंसी विभाग के प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दिया था।

बिग ब्यूटीफुल बिल को लेकर भिड़े थे मस्क और ट्रम्प

ट्रम्प और मस्क 'बिग ब्यूटीफुल बिल' को लेकर आमने-सामने आ गए थे। ट्रम्प इस बिल के समर्थन में हैं, जबकि मस्क खिलाफ। ट्रम्प का दावा है कि यह 'देशभक्ति से भरा हुआ' कानून है। इसके पारित होने से अमेरिका में निवेश बढ़ेगा और चीन पर निर्भरता घटेगी। जबकि मस्क इसे पोर्क फिल्ड यानी कि बेकार खर्चों से भरा बिल मानते हैं।

ट्रम्प ने मस्क को पागल बताया, तो मस्क बोले ट्रम्प एहसान फरामोश

ट्रम्प और मस्क के बीच 5 जून को बिग ब्यूटीफुल बिल को लेकर बहस तब शुरू हुई जब ट्रम्प ने मीडिया से बात करते हुए मस्क को लेकर नाराजगी जताई थी। ट्रम्प ने कहा था कि जब हमने अनिवार्य तौर पर इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के कानून में कटौती करने की बात कही तो मस्क को दिक्कत होने लगी। मैं इलॉन से बहुत निराश हूं। मैंने उनकी बहुत मदद की है। इसके बाद मस्क ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्रम्प को एहसान फरामोश बताते हुए लगातार कई ट्वीट किए। मस्क ने कहा कि मैं नहीं होता तो ट्रम्प चुनाव हार जाते। उन्होंने ट्रम्प पर महाभियोग चलाने तक की बात कही थी। इसके बाद ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर मस्क को निशाने पर लिया। उन्होंने लिखा- जब मैंने उनका ईवी मैंडेट (कानूनी आदेश) वापस लिया तो मस्क पागल हो गए। ट्रम्प ने मस्क की कंपनी को दी जाने वाली सब्सिडी खत्म करने की धमकी दी थी।

यूक्रेन के पोक्रोव्स्क शहर पर कब्जे की तैयारी में रूस: 1 लाख सैनिक तैनात किए

रूस को 1 साल से यहां कामयाबी नहीं मिली

मॉस्को, एजेंसी। यूक्रेन के सेना प्रमुख ओलेक्सांद्र सिरस्की ने बताया कि रूस ने पूर्वी यूक्रेन के डोनेट्स्क प्रांत में मौजूद पोक्रोव्स्क शहर पर कब्जे के लिए 1 लाख से ज्यादा सैनिक तैनात किए हैं। सिरस्की ने शुक्रवार को कहा कि रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच पोक्रोव्स्क शहर सबसे तनावपूर्ण फ्रंट बन गया है। रूस पिछले साल से पोक्रोव्स्क पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि पिछले साल यूक्रेनी आर्मी ने इस इलाके में रूसी ऑपरेशन को नाकाम कर दिया था। सिरस्की ने बताया कि पिछले साल यूक्रेन ने कुर्स्क इलाके में हमला करके रूस के लगभग 63,000 सैनिकों को वहां उलझा दिया। इससे पोक्रोव्स्क पर रूस का दबाव कम हुआ और यूक्रेन को नए सिरे से स्ट्रैटजी बनाने का मौका मिल गया।

पोक्रोव्स्क शहर यूक्रेन के स्ट्रैटेजिक ठिकानों को जोड़ता है

पोक्रोव्स्क शहर में सड़क और रेलवे सप्लाई लाइन मौजूद है, इस वजह से इसका स्ट्रैटेजिक महत्व काफी ज्यादा है। इसके अलावा यह यूक्रेन के कोस्तियान्तिनिवका, क्रामातोर्स्क और स्लोवियान्स्क शहरों में मौजूद मिलिट्री सेंटर्स से भी जुड़ा है। सिरस्की ने आरोप लगाया कि रूस पोक्रोव्स्क पर कंट्रोल करके दुनिया के सामने अपनी मिलिट्री ताकत का दिखावा करना चाहता है। सिरस्की ने कहा- रूसी सैनिक पोक्रोव्स्क में पहुंचकर और वहां अपना झंडा फहराकर नकली जीत का दावा करना चाहते हैं।

रूसी हमले से पहले यहां 60 हजार लोग रहते थे

पोक्रोव्स्क में 60,000 लोग रहते थे, लेकिन 2022 में रूसी हमले के बाद से ज्यादातर शहर छोड़ चुके हैं। इस शहर में यूक्रेन की आखिरी कोकिंग कोल खदान थी, जो इस साल की शुरुआत में बंद हो गई। राष्ट्रपति पुतिन का टारगेट डोनेट्स्क और लुहान्स्क पर पूरी तरह कब्जा करना है, और पोक्रोव्स्क इस स्ट्रैटजी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूक्रेन और उसके सहयोगी देशों का आरोप है कि पुतिन जानबूझकर शांति की कोशिशों में अड़चन पैदा कर

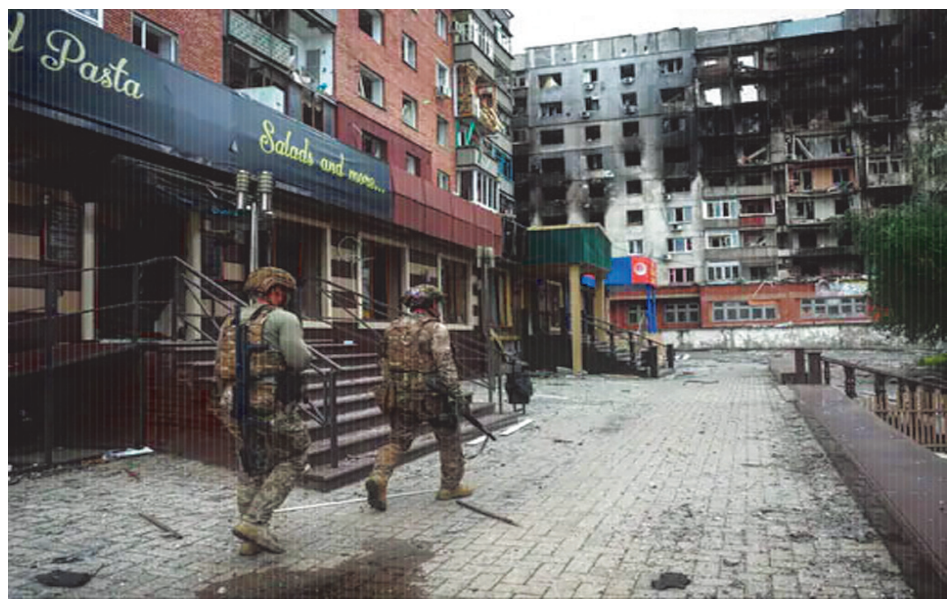

रहे हैं ताकि वो यूक्रेन के ज्यादा से ज्यादा इलाके पर कब्जा कर सकें। हालांकि पोक्रोव्स्क में यूक्रेन की मजबूत डिफेंस लाइन रूस के लिए मुश्किल पैदा कर रही है। अमेरिका के इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर के मुताबिक, यूक्रेनी आर्मी ने ड्रोन अटैक के जरिए रूसी हमलों को नाकाम कर दिया। रूस अब शहर पर सीधा हमला करने के बजाय दक्षिण और उत्तर-पूर्व से इसे घेरने की कोशिश कर रहा है। रूसी सैनिक छोटे-छोटे दस्तों में, मोटरसाइकिलों, ऑल-टेरेन गाड़ियों और बग्गियों से हमले कर रहे हैं। फरवरी 2022- रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के हमले का ऐलान करते ही यूक्रेन में रूसी टैंक धड़धड़ाते हुए घुसने लगे। तब के अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन बोले- पुतिन से बातचीत का कोई प्लान नहीं है। उन्होंने पूरी दुनिया को खतरे में डाल दिया है। रूस को यूक्रेन पर हमले की गंभीर कीमत चुकानी होगी। फरवरी 2025- अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पुतिन से फोन पर 90 मिनट तक बात की। इसके बाद सऊदी अरब में यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस और अमेरिकी के बीच हाई लेवल मीटिंग हुई।

उपायुक्त पहुंचे बोकारो जनरल अस्पताल, घायल श्रमिकों का जाना कुशल-क्षेम

72 घंटे के अंदर एसडीएम को जांच रिपोर्ट समर्पित करने का दिया निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बालीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवप्रिया इस्पात उद्योग में रविवार सुबह हुए हादसे में घायल दो श्रमिकों - लखन टुडू एवं अखिल कुमार का उपचार बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) में जारी है। दोनों मजदूर ब्लास्ट फर्नेस में अचानक हुए धमाके के कारण बुरी तरह झुलस गए थे। घटना की जानकारी मिलते ही उपायुक्त अजय नाथ झा स्वयं बीजीएच पहुंचे और दोनों घायलों से मिलकर उनकी स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन एवं चिकित्सकों से मुलाकात कर इलाज की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की। निर्देश दिया कि इलाज में कहीं कोई कमी नहीं हो, दोनों को बेहतर उपचार करें। उपायुक्त ने कहा कि,प्रशासन की पहली प्राथमिकता घायल श्रमिकों का समुचित इलाज सुनिश्चित करना है। जिला प्रशासन हरसंभव सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है।

एसडीएम चास को दिया घटना की जांच का निर्देश

उपायुक्त ने कहा कि यह एक गंभीर औद्योगिक लापरवाही का मामला प्रतीत हो रहा है और इसकी विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। जांच के लिए एसडीएम चास सुश्री प्रांजल ढांडा को प्राधिकृत किया गया है। उन्हें 72 घंटे के अंदर जांच रिपोर्ट समर्पित करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं औद्योगिक सुरक्षा मानकों के उल्लंघन का परिणाम होती हैं, और इस दिशा में प्रशासन द्वारा सख्त कदम उठाए जाएंगे ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाएं पुनः नहीं हों।

सभी औद्योगिक इकाइयां करें सुरक्षा मानकों व एसओपी का पालन

उपायुक्त ने औद्योगिक इकाइयों को कहा कि इस तरह की घटनाएं अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण हैं और यह संकेत देती हैं कि कहीं न कहीं सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है। ऐसी लापरवाहियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उपायुक्त ने जिले की सभी औद्योगिक इकाइयों को कहा कि वे अपने-अपने संयंत्रों में राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय औद्योगिक सुरक्षा मानकों तथा फैक्ट्री संचालन की मानक प्रक्रिया (एसओपी) का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि पहले सुरक्षा मानकों से संबंधित सर्टिफिकेट प्राप्त करें, तभी इकाइयों का संचालन शुरू करें। उपायुक्त ने कहा कि सभी उद्योगों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके कार्यस्थलों पर श्रमिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता हो। प्रत्येक फैक्ट्री में सेफ्टी ऑडिट, उपकरणों की नियमित जांच, प्रशिक्षित कर्मियों की तैनाती तथा आपातकालीन व्यवस्था की समीक्षा आवश्यक है।

करखाना निरीक्षक के अनुपस्थिति पर जताई नाराजगी

मौके पर करखाना निरीक्षक के अनुपस्थित रहने को लेकर उपायुक्त ने नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित पदाधिकारी को अगले आदेश तक के लिए करखाना निरीक्षक का वेतन स्थगित करने का निर्देश दिया। वहीं, उन्हें अविलंब जिला मुख्यालय में रिपोर्ट करने को कहा।

स्वस्थ होने तक दोनों श्रमिकों के परिवार को मिलेगा मानदेय

उपायुक्त ने करखाना प्रबंधन को दोनों श्रमिकों के स्वस्थ होने तक उनके परिजनों को प्रतिमाह श्रमिकों को दिए जाने वाले मानदेय का भुगतान करने का निर्देश दिया। कहा कि यह श्रमिकों का हक - अधिकार है। इसे प्रशासन सुनिश्चित करेगा। जानकारी हो कि, शिवप्रिया इस्पात उद्योग में इगनोट (इंगट) का उत्पादन होता है। रविवार की सुबह उत्पादन प्रक्रिया के दौरान ब्लास्ट फर्नेस में विस्फोट हो गया, जिससे दो श्रमिक झुलस गए। हादसे के बाद तत्काल दोनों को बीजीएच लाया गया, जहां वे चिकित्सकीय निगरानी में हैं। मौके पर एसडीएम चास प्रांजल ढ़ांडा, बियाडा के क्षेत्रीय उप निदेशक मनोज कुमार, श्रम अधीक्षक रंजीत कुमार, चास अंचलाधिकारी दिवाकर दूबे, शिवप्रिया इस्पात उद्योग के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

लक्ष्य को सही दिशा देना ही सफलता की कुंजी है : डॉ ब्रजेश कुमार सिंह

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9 डी बोकारो में मेधावी छात्र सम्मान समारोह संपन्न

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरस्वती शिशु मंदिर बोकारो में मेधावी छात्र अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विद्या भारती झारखंड प्रांत के सी.बी.एस.ई. एवं जैक बोर्ड द्वारा संचालित कक्षा दशम एवं द्वादश में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले भैया - बहनों एवं उनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन सह वंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम की प्रस्तावना को रखते हुए विद्या भारती झारखंड के प्रदेश सचिव नकुल कुमार शर्मा ने कहा कि मेधावी बालकों के उत्थान में सबसे बड़ा सहयोग उनकी माताओं का है । क्योंकि बालक का प्रथम गुरु मां होती है । साथ ही पिता एवं अभिभावक का सहयोग पाकर ही बालक अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पाते हैं । इसलिए विद्या भारती प्रत्येक वर्ष ऐसे मेधावी बालकों के साथ-साथ उनके माता-पिता एवं अभिभावकों को भी सम्मानित करने का कार्य कर रही है। विद्या भारती भी प्रारंभ से बालकों के सर्वांगीण विकास हेतु कृत संकल्पित है । हम वैसे बालकों का निर्माण करते हैं जो उन्नति के पथ पर जिस क्षेत्र में जाएं वहीं से समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान हेतु कार्य करें, जो राष्ट्र सर्वोपरि की भावना से समाज और देश को उत्कर्ष पर ले जाने के लिए समर्पित हो। बालकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जो चमक आज आपकी आंखों में दिख रही है। वह चमक धूमिल ना हो। आप दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की करें और परिवार, समाज तथा राष्ट्र के गौरव को बढ़ाने में अपना सहयोग प्रदान करें। विद्या भारती झारखंड के प्रदेश मंत्री एवं डोरंडा महाविद्यालय रांची के भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ ब्रजेश कुमार सिंह ने बालकों को संबोधित करते हुए कहा कि आप देश के निर्माण कर्ता हैं । आपने अपने लिए कुछ लक्ष्य तय किया होगा । उसके लिए आवश्यक है लक्ष्य को सही दिशा देना। आप अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सकारात्मक सोच के साथ कड़ी मेहनत करें । क्योंकि "कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती"। विवेकानंद ने भी कहा है - " उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए " । आप विद्या भारती के छात्र हैं आप जिस क्षेत्र में जाएं अपने अंदर विद्या भारती के संस्कारों को रखकर समाज और राष्ट्र के लिए कार्य करें । यही आपका अपने माता-पिता एवं आचार्य के लिए गुरु दक्षिणा होगा । आपके केंद्र में समाज हो क्योंकि एक अच्छा समाज ही अच्छे राष्ट्र का निर्माण करता है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बोकारो इस्पात संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक नगर सेवाएं कुंदन कुमार ने कहा कि आज विद्या भारती देश में शिक्षा का अलख जगाने का काम कर रही है। जिसमें बालकों के सर्वांगीण विकास का लक्ष्य रखा गया है , जो राष्ट्र सर्वोपरि की भावना से प्रेरित है । भारत सरकार का भी लक्ष्य 2054 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने का है ।। जिसमें कहीं ना कहीं विद्या भारती का भी सहयोग निश्चित है। यहां पूरे प्रांत से आए बालको को देखकर यह अनुभूति हो रही है कि विद्या भारती किस प्रकार से शहर से लेकर सुदूर ग्राम तक शिक्षा का अलख जगाने का कार्य कर रही है। इस अवसर पर विद्यालय की बहनों के द्वारा गणेश वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किए गए। अतिथियों का परिचय विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र कामत में कराया । मंच संचालन जमशेदपुर विभाग के सह विभाग प्रमुख ब्रेन कुमार टुडू ने किया। अभिनंदन का कार्यक्रम प्रवासी कार्यकर्ता श्री ब्रजेश कुमार सिंह के द्वारा कराया गया। धन्यवाद ज्ञापन धनबाद विभाग के विभाग प्रमुख विवेक नयन पाण्डेय ने किया। उन्होंने बताया कि आज पूरे प्रांत से 19 विद्यालयों से कुल 54 भैया - बहन एवं उनके माता-पिता सम्मानित किए गए । जिसमें भैया बहनों को चांदी का प्रशस्ति पत्र दिया गया एवं उनके अभिभावकों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए सभी को सब्जियों के बीज भी उपहार स्वरूप दिए गए। इस अवसर पर विद्या भारती झारखंड के पलामू विभाग प्रमुख नीरज कुमार लाल , गुमला विभाग प्रमुख अखिलेश कुमार , हजारीबाग विभाग प्रमुख ओमप्रकाश सिन्हा जमशेदपुर विभाग प्रमुख तुलसी प्रसाद ठाकुर , आचार्य प्रशिक्षण महाविद्यालय कुडालम रांची के प्राचार्य रामकेश पांडे ,विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष अभय कुमार श्रीवास्तव , उपाध्यक्ष निरंजन कुमार सिंह, कृष्णा राय, सहसचिव गुप्तेश्वर प्रसाद सिंह, संकुल संयोजक मार्कण्डेय पाण्डेय, 3/सी विद्यालय के सचिव राजकुमार सिंह,प्राचार्य संजीव कुमार, शिशु मंदिर 2/ए के उपाध्यक्ष डॉ सुबीर कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष दीपानंद मिश्र, प्रधानाचार्य उपेंद्र कुमार पांडेय, पूरे प्रांत से कल 19 प्रधानाचार्य, सम्मानित भैया - बहन एवं उनके माता पिता उपस्थित रहे । कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम के साथ किया गया।

रियल स्कॉलर समिति ने ग्रामीण क्षेत्रों में खोले दो फैशन डिजाइनिंग प्रशिक्षण केंद्र

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रियल स्कॉलर समिति द्वारा आज बोकारो जिले में दो नए फैशन डिजाइनिंग प्रशिक्षण केंद्रों का उद्घाटन किया गया, जिससे जिले की ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नया अवसर मिला है। पहला प्रशिक्षण केंद्र पेटरवार प्रखंड के अंगवाली पंचायत के पांडे टोला में खोला गया, जिसका उद्घाटन मुखिया धर्मेंद्र कुमार प्रधान ने फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में वार्ड सदस्य श्री शिबू कुमार चटर्जी भी मौजूद थे। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह केंद्र क्षेत्र की युवतियों और महिलाओं को हुनरमंद बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

दूसरा केंद्र कसमार प्रखंड के कसमार चौक के पास स्थापित किया गया, जिसका उद्घाटन मुखिया गीता देवी, उप मुखिया मासूम राजा और जिला परिषद सदस्य अमरदीप महाराज ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन के दौरान सभी जनप्रतिनिधियों ने रियल स्कॉलर समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण केंद्र गांवों की तस्वीर बदलने की क्षमता रखते हैं। इन प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से महिलाओं को फैशन डिजाइनिंग जैसी आधुनिक और व्यावसायिक स्किल्स सिखाई जाएंगी, जिससे वे न केवल रोजगार प्राप्त कर सकेंगी, बल्कि स्वयं का स्वरोजगार भी प्रारंभ कर सकती हैं। इन केंद्रों में प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क रहेगा और प्रशिक्षुओं को प्रमाणपत्र भी प्रदान किया जाएगा। रियल स्कॉलर समिति की यह पहल बोकारो जिले की ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है। समिति लगातार जिले के विभिन्न प्रखंडों में इस तरह के कौशल विकास केंद्र खोलकर ग्रामीण अंचलों की महिलाओं को शैक्षणिक और व्यावसायिक रूप से सशक्त बनाने में जुटी है। समिति के संस्थापक सदस्यों ने बताया कि उनका उद्देश्य है कि बोकारो के हर गांव की हर महिला को एक हुनर सिखाया जाए, ताकि वह आर्थिक रूप से स्वतंत्र बन सके और समाज में सम्मानपूर्वक जीवन जी सके। आने वाले महीनों में समिति और भी कई प्रखंडों में इस तरह के प्रशिक्षण केंद्र खोलने की योजना बना रही है।

संक्षिप्त समाचार

शिबू सोरेन के जल्द स्वस्थ होने की कामना को लेकर पूजा-अर्चना

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जेएमएम सुप्रीमो शिबू सोरेन के जल्द स्वस्थ होने की कामना को लेकर प्रदेश भर में कार्यकर्ता पूजा पाठ कर रहे हैं। इसी क्रम में बोकारो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव की अगुवाई में आज माराफारी इलाके के प्राचीन चंचली माता मंदिर में पूजा अर्चना और हवन की गई। इस दौरान शिबू सोरेन की तस्वीर माता के समक्ष रखकर उनके जल्द स्वस्थ होकर झारखंड लौटने की कामना की गई। मंदिर के पुजारी ने पूरे भक्ति भाव और मंत्र उच्चारण के साथ पूजा अर्चना की। मंटू यादव ने कहा कि गुरु जी हमारे झारखंड के मार्गदर्शक हैं माता चंचली और भोलेनाथ से यह कामना करने आए हैं कि वह जल्द स्वस्थ होकर झारखंड लौटे और हम लोगों को फिर से आशीर्वाद देने का काम करें। चंचली माता मंदिर के मुख्य पुजारी गोपाल पांडे ने बताया कि शिबू सोरेन के निरोग रहने एवं जल स्वास्थ्य की कामना करने के लिए पूजन हवन का कार्यक्रम किया गया है।

फैक्ट्री में हादसा, दो मजदूर झुलसे, स्थिति चिंताजनक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बालीडीह थाना क्षेत्र के इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित सुप्रिया इस्पात उद्योग नमक फैक्ट्री में धमन भट्टी में हुए अचानक विस्फोट से दो मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। मजदूर लखन टुडू और अखिल कुमार को बोकारो जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विस्फोट के बाद गरम लोहा मजदूरों के ऊपर जा गिरा जिसमें दो मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। जिसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। फैक्ट्री से संबंधित विभाग के द्वारा कर्मियों को दूर करने में की जा रही लापरवाही के कारण लगातार यह घटना घट रही है। झारखंड मुक्ति मोर्चा महानगर अध्यक्ष मंटू यादव ने कहा कि इंडस्ट्रियल एरिया के सभी प्लांट पूरी तरह से जर्जर है मजदूर के सेफ्टी का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। इसमें फैक्ट्री इंस्पेक्टर भी कम दोषी नहीं है। घटना के बाद घंटा फैक्ट्री का गेट नहीं खोला जाना गहरी साजिश की ओर इशारा कर रहा है। ऐसे जर्जर प्लांट पर ताला विभाग को लगाना चाहिए।

समाज में अनुकरणीय कार्य के लिए रोटरी क्लब चास पुरस्कृत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रोटरी क्लब चास को समाज के प्रति समर्पित सेवाओं एवं अधिक से अधिक लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए पुरस्कृत किया गया। ये पुरस्कार स्वास्थ्य जागरूकता में बरशिप ग्रोथ, वोकेशनल क्षेत्र एवं सेवाओं के क्षेत्र में अद्वित्य योगदान के लिए प्रदान किया गया। रो ललित चोपड़ा को बेस्ट सहायक का अवार्ड सहित रोटरी क्लब, चास को 5 अवार्ड मिले। रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा ने कहा कि ये सम्मान समाज में हमारे समर्पण और योगदान का मूल्यांकन है। रोटरी क्लब के सचिव मुकेश अग्रवाल ने कहा कि हम आगे भी इसी तरह समझ में बदलाव लाने के लिए प्रयासरत रहेंगे यहां उल्लेखनीय है की पूरे झारखंड और बिहार को मिलाकर रोटरी क्लब के सदस्यों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। रोटरी क्लब चास की तरफ से अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा, सचिव मुकेश अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष पूजा बैद, सिद्धार्थ पारख,ललिता चोपड़ा, रितु अग्रवाल, विजय अग्रवाल एवं ज्योति अग्रवाल ने समारोह में हिस्सा लिया।

कर्मचारी संघ के चुनाव हेतु अधिसूचना जारी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारतीय इस्पात कर्मचारी संघ के कार्यकारिणी की पूर्व बैठक में लिये गए निर्णय के अनुसार आज प्रेम कुमार कार्यवाहक महामंत्री द्वारा संघ का सत्र 2025 - 28 के चुनाव के लिये अधिसूचना जारी की गई। अधिसूचना के अनुसार संघ के कार्यालय के सूचना पट पर मतदाता सूची का प्रकाशन 13 जुलाई को किया जायेगा। नामांकन पत्र दिनांक 14 जुलाई से 17 जुलाई के बिच कार्यालय से लिया जा सकता है' इच्छुक उम्मीदवार 19 जुलाई से 25 जुलाई तक अपना नामांकन कर सकते हैं तथा नामांकन पत्र की जांच 26 जुलाई को किया जायेगा। 28 और 29 जुलाई को जो उम्मीदवार अपना नामांकन वापस लेना चाहते हैं, वह नामांकन वापस ले सकते हैं। उम्मीदवार की सूची का प्रकाशन 01 अगस्त को किया जायेगा और चुनाव 10 अगस्त को संघ के कार्यालय में प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक होगा व चुनाव का मतगणना और परिणाम की घोषणा उसी दिन रात्री 9:00 बजे किया जायेगा।

गर्ल्स चाइल्ड ट्रैफिकिंग के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो जिला अंतर्गत चंद्रपुरा प्रखंड के उत्क्रमित मध्य स्कूल तुरियो में सहयोगिनी द्वारा सुरक्षित गांव कार्यक्रम के तहत गर्ल्स चाइल्ड ट्रैफिकिंग के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानाध्यापक अनिल महतो ने बताया कि कोई भी आपके गांव में अनचाहे व्यक्ति आते हैं और आपको यह कहते हैं कि आपको शहर में नौकरी मिलेगा। तो तुरंत आप कॉमिक बुक में दिए हुए टोल फ्री नंबर में कॉल करें । तुरंत कार्रवाई की जाएगी । इस दौरान बाल विवाह के खिलाफ जानकारी दिया गया, कि बाल विवाह कानूनन अपराध है। 18 साल से नीचे लड़की तथा 21 साल से नीचे लड़के का शादी हो रहा है । इस स्थिति सरकार के टोल फ्री नंबर 1098 में कॉल कर सकते हैं। सहयोगिनी के समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने बताया कि सुरक्षित गांव कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हैं ,कि कोई भी बच्ची या बच्चा तस्करी का शिकार ना हो। अगर इस तरह का मामला आते हैं तो तुरंत टोल फ्री नंबर पर कॉल करें । जिससे आरोपी पकड़ा जा सके। स्कूल की छात्रा गुड्डी कुमारी ,करीना कुमारी, रेशमी कुमारी,रानी कुमारी , नंदनी कुमारी, ने इस दौरान नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बाल तस्करी रोकने का मैसेज दिया। आंगनवाड़ी सेविका सोनी देवी ने कहा कि पंचायत तथा गांव स्तर पर बाल तस्करी को लेकर के सघन रूप से जागरूकता का कार्यक्रम चलाने की जरूरत है। सहयोगिनी की कार्यक्रम समन्वयक रवि कुमार राय ने कहा कि इस तरह का जागरूकता कार्यक्रम हम सभी को मिलकर करना है। तभी हम मानव तस्करी, बाल विवाह, बाल मजदूरी को रोक लगा सकते हैं। इस कार्यक्रम में संजय कुमार , मेनवाती कुमारी, सुरेंद्र शर्मा, गुड्डी कुमारी ,करीना कुमारी, रेशमी कुमारी,रानी कुमारी , नंदनी कुमारी,आदि उपस्थित थे।

उपायुक्त की पहल पर केंद्रीय विद्यालय निरसा का रास्ता हुआ साफ

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की पहल पर 2013 से केन्द्रीय विद्यालय निर्माण के लंबित मामले में निर्माण का रास्ता साफ हो चुका है। इस संबंध में उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की शिक्षा के प्रति जो सोच है, उसे आगे बढ़ाने का प्रयास जिला प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। इस विद्यालय के निर्माण हो जाने से धनबाद जिले के बच्चों के भविष्य में सकारात्मक बदलाव दिखाई देगा। इस पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उपायुक्त ने बताया कि केन्द्रीय विद्यालय निर्माण का मामला 2013 से लंबित था। इस मामले में चिन्हित जमीन पर कब्जा भी किया जा चुका था। जिसे प्रशासन की पहल से कब्जा से मुक्त कराया गया। उन्होंने बताया कि यह जमीन पूर्व में गैर मजूरवा (जीएम लैंड) थी और वर्तमान में भी गैर मजूरवा है। जिस पर रैयत अपनी दावेदारी कर रहा था।

विश्वकर्मा समाज बोकारो का वार्षिक अधिवेशन संपन्न, लिए गए कई निर्णय

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सेक्टर 4 स्थित विश्वकर्मा मंदिर परिसर में आज समाज का 47वां वार्षिक अधिवेशन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाज के सभी पदाधिकारी, सदस्यगण एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अधिवेशन के मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज के अध्यक्ष विकास राणा थे, जिन्होंने कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

वार्षिक लेखा-जोखा एवं योजनाओं पर चर्चा

समाज के कोषाध्यक्ष द्वारा वार्षिक लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया, जिसे सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित किया। इसके पश्चात समाज की भावी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। मंदिर परिसर में बने सामुदायिक भवन के सौंदर्यीकरण के बाद, उसके उपयोग के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही परिसर में संचालित योग केंद्र के संचालन हेतु 'आयुष वेल बिइंग सेंटर' संस्था को जिम्मेदारी देने पर भी चर्चा हुई।

संगठन में मजबूती और चुनाव प्रक्रिया

अधिवेशन में समाज के विकास और संगठन को मजबूत करने के उपायों पर भी चर्चा हुई। महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए यह तय किया गया कि अब समाज के पदाधिकारियों का चुनाव हर तीन वर्ष में एक बार किया जाएगा। यह निर्णय संगठन में पारदर्शिता और निरंतरता लाने के उद्देश्य से लिया गया। समाजपति राम बिहारी शर्मा ने सभी सदस्यों को एकजुट होकर समाज के विकास में योगदान देने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मिलजुल कर ही समाज को आगे बढ़ाया जा सकता है। अंत में समाज के महामंत्री कैलाश शर्मा ने सभी उपस्थित लोगों का धन्यवाद ज्ञापित किया। अधिवेशन में वर्तमान एवं पूर्व पदाधिकारीगण, मंदिर निर्माण समिति के सदस्य और समाज के अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने समाज को आगे बढ़ाने के लिए अपने-अपने बहुमूल्य सुझाव दिए और एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। इस मौके पर प्रमुख उपस्थिति गणमान्य बृहस्पति शर्मा (उप समाजपति), रामनाथ शर्मा (उप समाजपति), वी पी शर्मा (पूर्व समाजपति,), नुनू लाल विश्वकर्मा (पूर्व महामंत्री), कैलाश शर्मा (वर्तमान महामंत्री), राम लखन मिस्त्री (मंदिर निर्माण समिति अध्यक्ष), गुप्तेश्वर शर्मा (पूर्व अध्यक्ष), रामानंद शर्मा,मधुसूदन शर्मा, लालबाबू शर्मा, सुभाष शर्मा, शिव कुमार मिस्त्री, रामायण शर्मा, मनोज शर्मा, चंदन कुमार आदि लोग सम्मिलित हुए। समाज के सभी सदस्यों ने यह संकल्प लिया कि वे समाज के सर्वांगीण विकास के लिए मिलजुल कर कार्य करेंगे।

बिहार कोलियरी कामगार यूनियन की बैठक

हड़ताल को सफल बनाने का निर्णय

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पुराना बाजार टेंपल रोड रिफ्यूजी मार्केट स्थित बिहार कोलियरी कामगार यूनियन कार्यालय में कामरेड सुंदरलाल महतो की अध्यक्षता में रविवार को यूनियन के महामंत्री सह विधायक कामरेड अरूप चटर्जी की उपस्थिति में यूनियन की साधारण बैठक हुई, जिसमे शाखा से लेकर केंद्र तक के सैकड़ो लोग उपस्थित हुए। बैठक 9 जुलाई प्रस्तावित हड़ताल जो चार लेबर कोड के विरुद्ध राष्ट्रीय पैमाने पर बुलाई गई थी। मोदी सरकार को देश के मजदूर किसान मुकम्मल जवाब देने के लिए 9 जुलाई को सड़क पर उतरेंगे। देश व्यापी हड़ताल को सफल करेंगे। साथ ही 1 जुलाई को धनबाद कोयला नगर रीक्रिएशन क्लब में संयुक्त मोर्चा की बैठक का प्रतिनिधित्व करने का भी निर्णय लिया गया। संयुक्त मोर्चा के बैनर तले जो भी निर्णय लिए जाएंगे पूरे जिले में उसको लागू किया जाएगा।

रोटरी के मोबाइल कैंसर स्क्रीनिंग वैन का शुभारंभ, ग्रामीणों को होगा लाभ

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का समय पर पहचान के लिए अब लोगों को बड़े शहरों के अस्पतालों का रुख नहीं करना पड़ेगा। रोटरी क्लब ऑफ पटना मिलेनियम ने रविवार को गोविंदपुर आठ लाइन स्थित पार्कलेन रिसोर्ट में एक मोबाइल कैंसर स्क्रीनिंग वैन का भव्य शुभारंभ किया, जो अब सुदूर ग्रामीण और वंचित इलाकों में जाकर निशुल्क जांच व परामर्श की सुविधा देगी। यह महत्वाकांक्षी परियोजना द रोटरी फाउंडेशन के ग्लोबल ग्रांट संख्या 2569509 के सहयोग से शुरू की गई है। यह वैन अत्याधुनिक जांच उपकरणों से लैस है और विशेष रूप से उन लोगों तक पहुँचेगी, जो नियमित चिकित्सा सेवाओं से दूर हैं। इस मोबाइल वैन का संचालन प्रतिष्ठित महावीर कैंसर संस्थान, पटना द्वारा किया जाएगा, जो कैंसर के उपचार और अनुसंधान में देशभर में प्रसिद्ध है। संस्थान की विशेषज्ञ टीम ग्रामीण इलाकों में जाकर स्क्रीनिंग, परामर्श और संदिग्ध मामलों के लिए रेफरल की सेवा उपलब्ध कराएगी। होटल पार्क लेन, धनबाद में आयोजित उद्घाटन समारोह में पूर्व रोटरी इंटरनेशनल निदेशक रोटेरियन कमल संघवी ने वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्य अतिथि जिलापाल रोटेरियन बिपिन चाचान और प्रथम महिला रोटेरियन शिल्पी चाचान की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की। रोटरी क्लब ऑफ पटना मिलेनियम की अध्यक्ष सोनल जैन ने इस ऐतिहासिक पहल को समाज के लिए एक बड़ी उपलब्धि करार देते हुए कहा हमारा उद्देश्य सिर्फ बीमारी की पहचान करना नहीं, बल्कि लोगों को जागरूक करना है कि स्वास्थ्य कोई विशेषाधिकार नहीं, बल्कि एक मौलिक अधिकार है। यह मोबाइल वैन हमारे समाज में बदलाव की चलती-फिरती मिसाल होगी। हमारा लक्ष्य है कि कोई महिला, कोई ग्रामीण, कोई गरीब नागरिक सिर्फ इसलिए अपनी जान न गंवाए क्योंकि वह समय पर जांच नहीं करा सका। उन्होंने आगे कहा रोटरी का मूलमंत्र है सेवा। और यह सेवा अब गाँवों के द्वार तक जाएगी झ वहाँ जहाँ न डॉक्टर हैं, न अस्पताल, पर जरूरतें हैं बहुत।रोटरी क्लब ऑफ पटना मिलेनियम के असिस्टेंट गवर्नर आशीष बंका ने कहा यह मोबाइल वैन रोटरी की समाज सेवा की गहरी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। कैंसर की समय पर पहचान से जीवन बचाया जा सकता है, और यह पहल उन लोगों तक पहुँचेगी जो अब तक इन सेवाओं से वंचित रहे हैं। पूर्व अध्यक्ष चिंतन जैन जिन्होंने इस परियोजना की नींव रखी ने भावुक शब्दों में कहा हमने इस वैन के माध्यम से हर उस व्यक्ति तक पहुँचने का सपना देखा था, जो इलाज से वंचित रह जाता है। आज वह सपना साकार हुआ है। यह सिर्फ एक वैन नहीं, बल्कि उम्मीद और जीवन की नई रेखा है। इस ऐतिहासिक अवसर पर क्लब के वरिष्ठ सदस्यों में अमिताभ बंका, पोदार मयूर, पुनीत, सुनील पोद्दार, सोनू बंका, दीपक सराफ, रोशन धानदरिया, राजेश अग्रवाल सहित क्लब के सभी सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सफलता में योगदान दिया और इसे रोटरी की सेवा परंपरा का विस्तार बताया।

स्वत्वाधिकारी,
प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145665
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com